राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

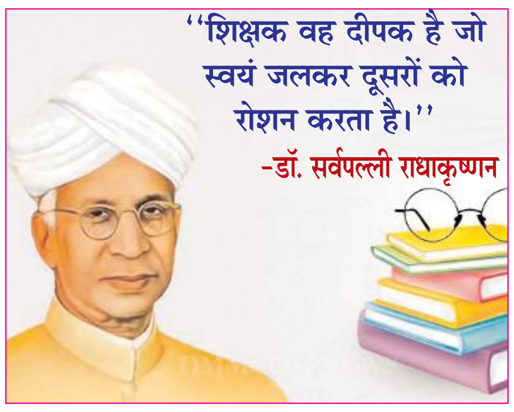

• बोकारो, शनिवार 5 सितम्बर 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 111 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

मां और दो बेटों की मौत से मचा हड़कंप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। जिले के भुरकुंडा थाना क्षेत्र के पाली गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों में मां संगीता और उनके दो बेटे रामकिशुन व साहिल शामिल हैं। कुछ ही समय के अंतराल में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सबसे पहले परिवार के एक बेटे की तबीयत खराब हुई थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां जांच के दौरान मलेरिया और टाइफाइड होने की बात सामने आने की जानकारी है। बताया जा रहा है कि चिकित्सकीय उपचार के साथ परिजनों ने बीमारी ठीक होने के लिए झाड़-फूंक का भी सहारा लिया। इसी दौरान परिवार के दूसरे सदस्यों की तबीयत भी बिगड़ती चली गई। कुछ ही समय बाद दोनों बेटों की हालत गंभीर हो गई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। एक के बाद एक दोनों बेटों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजन इस सदमे से उबर भी नहीं पाए थे कि मां संगीता की तबीयत भी अचानक बेहद गंभीर हो गई। संगीता की हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें रामगढ़ के अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें रांची स्थित रिम्स लेकर पहुंचे जहां उनका इलाज शुरू किया गया। हालांकि देर रात इलाज के दौरान संगीता ने भी दम तोड़ दिया। मां समेत दोनों बेटों की मौत के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत की खबर जैसे ही गांव में फैली, बड़ी संख्या में लोग मृतकों के घर पहुंचने लगे। पूरे गांव में शोक का माहौल है।

केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले ने किया विश्व की पहली महिला यूनिवर्सिटी का शिलान्यास

जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास अठावले शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बरियातू स्थित बुद्धा फाउंडेशन परिसर में प्रस्तावित विश्व की पहली महिला यूनिवर्सिटी का शिलान्यास किया। कार्यक्रम का आयोजन बुद्धा फाउंडेशन की ओर से किया गया था। शिलान्यास कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने आरक्षण के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यदि देश में जाति व्यवस्था पूरी तरह समाप्त हो जाती है, तो वे आरक्षण की व्यवस्था को छोड़ने के लिए तैयार हैं। लेकिन जब तक जाति व्यवस्था बनी हुई है तब तक आरक्षण जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि जाति व्यवस्था समाप्त नहीं होती है तो 'जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। रामदास अठावले ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए

आरक्षण की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि आज भी देश के कई हिस्सों में एससी-एसटी वर्ग के लोगों के साथ भेदभाव और अत्याचार की घटनाएं सामने आती हैं। वहीं, सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए केंद्र सरकार ने 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की है। इस तरह आरक्षण का लाभ विभिन्न वर्गों को मिल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने झारखंड में चल रहे छात्र आंदोलन और पेपर लीक के मामलों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज करना और उनके खिलाफ मामले दर्ज करना उचित नहीं है। पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। झारखंड की राजनीति पर उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में एनडीए की सरकार नहीं है लेकिन आने वाले समय में यहां एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन फिलहाल उनके साथ नहीं हैं लेकिन भविष्य में उनके साथ आने की संभावना है। श्री अठावले ने कहा कि हेमंत सोरेन के पिता और झामुमो के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन उनके अच्छे मित्र रहे हैं और उनके साथ उनके अच्छे संबंध रहे हैं। मुंबई में गैर-मराठियों के लिए मराठी भाषा सीखने को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत के किसी भी हिस्से में कोई भी व्यक्ति जाकर रह सकता है, नौकरी कर सकता है और व्यवसाय कर सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों को स्थानीय भाषा सीखने के लिए बाध्य करना उचित नहीं है। इस मौके पर रिपब्लिकन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शिवराम उरांव सहित कई लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिए मुनमुन भट्टाचार्य का चयन

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बरमसिया सरकारी मिडिल स्कूल की हेडमास्टर मुनमुन भट्टाचार्य को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चुना गया है। वह इस साल झारखंड से चुनी जाने वाली अकेली शिक्षिका हैं। शिक्षक दिवस पर आज 5 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उन्हें सम्मानित करेंगी। मुनमुन की इस उपलब्धि से धनबाद के शिक्षा जगत में खुशी है। मुनमुन भट्टाचार्य ने कहा कि राष्ट्रपति पुरस्कार मिलना उनके लिए गर्व की बात है।

पुलिसकर्मियों से मारपीट का आरोप, युवती गिरफ्तार

रांची(नबिटा ब्यूरो)। पुलिसकर्मियों के साथ कथित तौर पर मारपीट करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में पुलिस ने 23 वर्षीय कंचन कुमारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कंचन कुमारी पलामू जिले के शहर थाना क्षेत्र के निमिया की रहने वाली है और श्यामलाल मेहता की पुत्री है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ कांड संख्या 327/2026 दर्ज किया गया है।

चलती ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। जामताड़ा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एक ट्रेन से गिरकर 18 साल के युवक की जान चली गई। यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर-1 के पास किलोमीटर संख्या 251/27 पर हुई। मृतक की पहचान देवघर जिले के बुढ़ई गांव निवासी मुन्ना शर्मा के तौर पर हुई है। मुन्ना अपने मामा सुरभू शर्मा का इलाज कराने रांची गया था। वहां से वह हटिया-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस से अपने घर देवघर लौट रहा था तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी।

नदी में नहाने के दौरान दो बच्चों की डूबने से मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। जिले के सदर थाना क्षेत्र के बरैनी पंचायत अंतर्गत पूरनाडीह गांव स्थित तड़गू नदी में शुक्रवार को दो बच्चों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। एक बच्चे का शव नदी के अंदर जबकि दूसरे का शव नदी किनारे से बरामद किया गया है। दोनों बच्चों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की सुबह तीनों बच्चे नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान दो बच्चे गहरे पानी में चले गये और डूब गये। घटना के बाद एक अन्य बच्चे का भी पता नहीं चल पाया है, वह नदी में डूबा है या वहां से निकलकर कहीं और चला गया, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। नदी में दो बच्चों के शव देखकर ग्रामीणों ने तत्काल सदर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकालने के साथ दोनों की पहचान में जुट गई है, साथ ही तीसरे बच्चे की भी तलाश की जा रही है। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। घटनास्थल के पास ग्रामीणों को दो साइकिल, तीन जोड़ी चप्पल, दो बैग और अन्य सामान मिला है। सामान मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन करते हुए बच्चों की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

जन्माष्टमी पर बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंची सांसद सुप्रिया सुले

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जन्माष्टमी के मौके पर शुक्रवार को महाराष्ट्र की सांसद और राष्ट्रवादी ग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले देवघर पहुंचीं। देवघर एयरपोर्ट पर सांसद निशिकांत दुबे ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सुप्रिया सुले बाबा बैद्यनाथ मंदिर गईं और बाबा बैद्यनाथ व मां काली की विधि-विधान से पूजा की। मंदिर पहुंचने पर धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा की गई। जन्माष्टमी के अवसर पर बाबा बैद्यनाथ मंदिर में खास धार्मिक माहौल था। बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन और पूजा के लिए देवघर पहुंचे थे। सुप्रिया सुले ने भी बाबा बैद्यनाथ के दर्शन कर पूजा की और देश व समाज की खुशहाली की कामना की। सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के मौके पर बाबा बैद्यनाथ की पूजा करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने प्रार्थना की कि बाबा बैद्यनाथ सभी पर कृपा बनाए रखें। साथ ही देश में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। सुप्रिया सुले ने बाबा बैद्यनाथ की पूजा के बाद अपनी धार्मिक यात्रा पर खुशी जताई। उन्होंने बाबा के दर्शन और पूजा को अपने लिए सौभाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने देवघर के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व को भी महसूस किया। जन्माष्टमी के अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के आगमन को देखते हुए बाबा मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये थे। दंडाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी खुद सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे थे। मंदिर परिसर में प्रवेश से लेकर गर्भगृह तक सांसदों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गयी थी।

एफसीआरए संशोधन बिल के लिए गठित जेपीसी के सदस्य बने पलामू सांसद वीडी राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। विदेशी अंशदान विनियमन

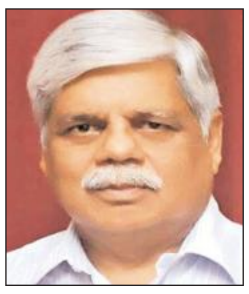

विधेयक (एफसीआरए) 2026 को लेकर गठित संयुक्त संसदीय दल में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम को सदस्य बनाया गया है। एफसीआरए संशोधन विधेयक के लिए 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय दल का गठन किया गया है। इसी संसदीय दल के पलामू सांसद सदस्य बने हैं। इससे पहले पलामू सांसद विष्णु दयाल राम को वन नेशन वन वोट को लेकर गठित संयुक्त संसदीय दल में भी शामिल किया गया था। सदस्य बनाए जाने के बाद पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि जो दायित्व उन्हें मिला है उसका वे पूरी निष्ठा, समर्पण व जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे। विधेयक के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श और अध्ययन के माध्यम से देशहित में अपना सार्थक योगदान देने का हरसंभव प्रयास करेंगे। सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि संसद द्वारा जो दायित्व सौंपा गया है वह काफी महत्वपूर्ण है। दरअसल सांसद विष्णु दयाल राम झारखंड के डीजीपी भी रह चुके हैं। डीजीपी से रिटायर होने के बाद 2014 में विष्णु दयाल राम पहली बार पलामू के सांसद बने थे। 2019 में दूसरी बार जबकि 2024 में तीसरी बार सांसद चुने गए थे। लोकसभा में झारखंड से सबसे अधिक बहस और सवाल उठाने वाले सांसदों में विष्णु दयाल राम शामिल हैं। सांसद विष्णु दयाल राम लोकसभा में लगातार पलामू के इलाके में औद्योगिक विकास को लेकर सवाल उठाते रहे हैं।

डीएसपीएमयू का तीसरा दीक्षांत समारोह 24 सितंबर को

रांची(नबिटा ब्यूरो)। डीएसपीएमयू का तीसरा दीक्षांत समारोह अब 24 सितंबर को होगा। पूर्व में यह समारोह 26 सितंबर को होना था, लेकिन राज्यपाल सह कुलाधिपति के रांची में उपलब्ध नहीं रहने के कारण तिथि में बदलाव किया गया है। इसके साथ ही विवि प्रशासन ने समारोह में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की तिथि चार सितंबर 2026 तक के लिए बढ़ा दी है। पूर्व में 31 अगस्त तक ही रजिस्ट्रेशन कराने की तिथि निर्धारित थी।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बने अर्जुन सिंह

कहा-किसानों की सेवा और संगठन को मजबूत करना प्राथमिकता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो/रांची। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने पर वरिष्ठ भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए केवल एक पद नहीं बल्कि किसानों की सेवा और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण दायित्व है। अर्जुन सिंह ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, भाजपा

किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश महामंत्री के रूप में दो कार्यकाल तक संगठन में कार्य करने का अनुभव नई जिम्मेदारी के निर्वहन में काफी उपयोगी साबित होगा। किसान मोर्चा को बूथ स्तर तक सशक्त करना और केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को झारखंड के किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। अर्जुन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के किसानों के कल्याण और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। झारखंड में किसानों की समस्याओं और उनकी आवाज को संगठन के माध्यम से प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और मार्गदर्शन से वे नई जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

विधायक के अल्टीमेटम और डीसी से शिकायत का दिखा असर

हरकत में आई एनएचएआई, महूदी में सड़क मरम्मति का कार्य शुरू

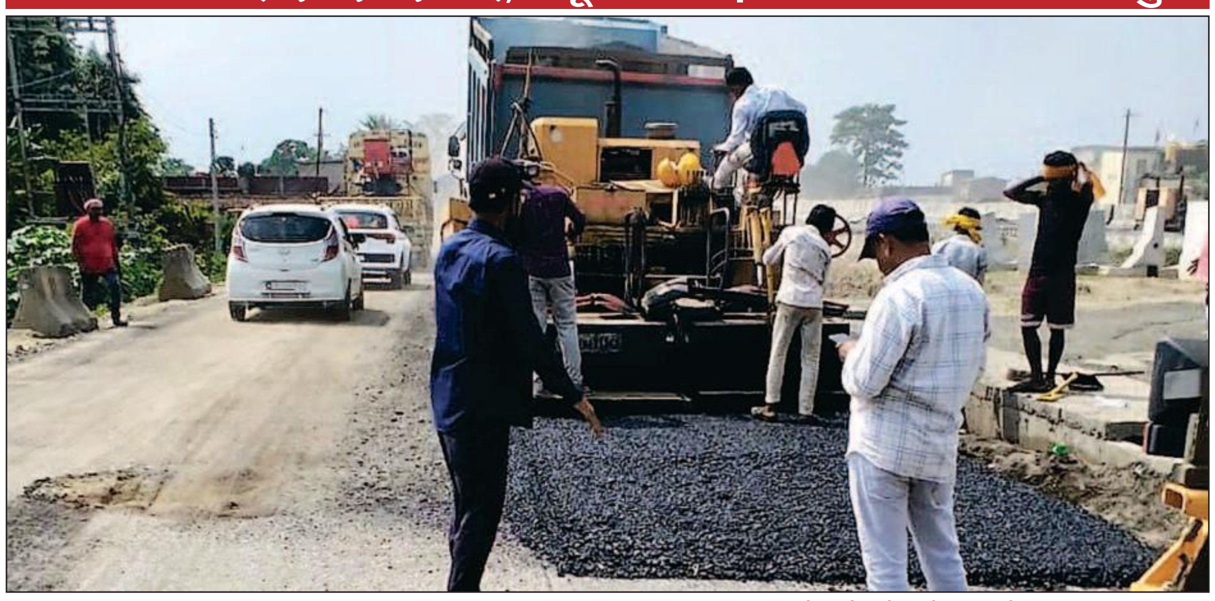

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। जीटी रोड स्थित महूदी में आए दिन लग रहे भीषण सड़क जाम और बदहाल सड़क की समस्या को लेकर बरही विधायक मनोज कुमार यादव के सख्त रुख का असर देखने को मिला है। विधायक के 7 दिनों के अल्टीमेटम और हजारीबाग डीसी से की गई शिकायत के बाद एनएचएआई और सड़क निर्माण कंपनी तुरंत हरकत में आ गई हैं। निर्माण कंपनी ने महूदी के आसपास जर्जर हो चुकी सर्विस रोड और जीटी रोड पर बने जानलेवा गड्ढों की मरम्मती व भराई का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि बीते दिनों विधायक ने अपने समर्थकों संग महूदी पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया था। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कंपनी की लापरवाही के कारण रोजाना लग रहे जाम, स्कूली बच्चों को हो रही परेशानी और एम्बुलेंस के फंसने की शिकायत की थी। इस पर विधायक ने अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि यदि एक सप्ताह में सुधार नहीं हुआ तो काम बंद करवाकर कंपनी को भगा दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने मौके से ही हजारीबाग डीसी से फोन पर वार्ता कर समस्या के समाधान की मांग की थी। विधायक की इस त्वरित पहल और कड़े रुख से अब गड्ढों को भरने और सड़क को दुरुस्त करने का काम शुरू होने से स्थानीय ग्रामीणों, राहगीरों और वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है। लोगों का कहना है कि सड़क दुरुस्त होने से अब घंटों लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी और आवागमन सुचारू हो सकेगा। इस पहल के लिए लोगों ने विधायक के प्रति आभार प्रकट किया।

होमगार्ड जवान से मारपीट के आरोप के बाद आंगो थाना प्रभारी बदले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दीपक कुमार ने संभाली कमान

जांच के बाद एसपी अमन कुमार ने जानू कुमार को थाना प्रभारी के पद से हटाया, नए प्रभारी की तैनाती से पुलिस महकमे में चर्चा तेज

हजारीबाग ब्यूरो। आंगो थाना के थाना प्रभारी जानू कुमार को उनके पद से हटा दिया गया है। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने आंगो थाना की कमान अब दीपक कुमार को सौंपी है। आदेश के बाद दीपक कुमार ने नए थाना प्रभारी के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व आंगो थाना के तत्कालीन थाना प्रभारी जानू कुमार पर एक होमगार्ड जवान के साथ मारपीट करने का आरोप लगा था। आरोप सामने आने के बाद मामला पुलिस विभाग के संज्ञान में पहुंचा। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे प्रकरण की जांच का आदेश दिया था। बताया जाता है कि जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस अधीक्षक ने जानू कुमार को थाना प्रभारी के पद से तत्काल हटा दिया। इसके बाद विभाग की ओर से दीपक कुमार को आंगो थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद दीपक कुमार ने थाना प्रभारी के रूप में कार्यभार संभाल लिया। थाना प्रभारी के पद से जानू कुमार को हटाए जाने के बाद पुलिस महकमे में इस कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज हो गई है। खासकर होमगार्ड जवान के साथ कथित मारपीट के आरोप और उसके बाद हुई जांच को लेकर स्थानीय स्तर पर भी तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

हालांकि, पुलिस विभाग की ओर से जांच में सामने आए तथ्यों और मामले की अंतिम रिपोर्ट को लेकर फिलहाल विस्तृत आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में कार्रवाई के वास्तविक कारणों और जांच के निष्कर्ष को लेकर आधिकारिक रिपोर्ट का इंतजार है। वहीं, नए थाना प्रभारी दीपक कुमार के सामने आंगो थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के साथ-साथ आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करने की चुनौती होगी। स्थानीय लोगों की नजर अब नए थाना प्रभारी की कार्यशैली और क्षेत्र में पुलिसिंग को लेकर उठाए जाने वाले कदमों पर रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

श्री श्याम प्रभु खाटू वाले का 47वां वार्षिक महोत्सव 22-23 सितंबर को

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददात)। श्री श्याम सेवा मंडल (रजि.), गिरिडीह की ओर से श्री श्याम प्रभु खाटू वाले का 47वां वार्षिक महोत्सव 22 एवं 23 सितंबर को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। आयोजन श्री महावीर कुटिया मंदिर प्रांगण, कुटिया रोड, रामबाग में होगा। महोत्सव के पहले दिन 22 सितंबर को सुबह 9 से 11 बजे तक बाबा की ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। दोपहर 2:15 बजे भव्य निशान एवं पालकी शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी शामिल होंगे। 22 सितंबर की रात से 23 सितंबर तक अखंड भजन-कीर्तन होगा। जयपुर के अमित नामा, गिरिडीह के आकाश परिचय, कोलकाता के अभिषेक सिंघल और सोनभद्र के संजीव शर्मा भजनों की प्रस्तुति देंगे। शिवम म्यूजिकल ग्रुप कोलकाता और रॉकी म्यूजिकल ग्रुप देवघर संगीत संयोजन करेंगे। महोत्सव में बाबा का भव्य श्रृंगार, दरबार और अखंड ज्योत विशेष आकर्षण होंगे। श्रद्धालुओं के लिए सवामणी और छप्पन भोग का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने श्याम प्रेमियों से परिवार एवं इष्ट-मित्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा के दर्शन और भजन-कीर्तन का लाभ लेने की अपील की है।

यदुवंशी सेना की शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददात)। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर यदुवंशी सेना की ओर से शुक्रवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। शोभायात्रा के दौरान हुई भारी बारिश भी श्रद्धालुओं के उत्साह और आस्था को नहीं डिगा सकी। बारिश के बीच बड़ी संख्या में यदुवंशी समाज के लोग और श्रद्धालु शोभायात्रा में शामिल हुए। पूरा शहर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और जयकारों से गूंजता रहा।शोभायात्रा हवाई अड्डा मैदान से शुरू हुई।यहां से झुलनिया मोड़,शिव मंदिर चौक,दौलतराम चौक, पानी टंकी चौक,एमजी रोड, शहीद चौक होते हुए मनिहारी मोड़ तक शोभायात्रा पहुंची। इसके बाद मिरचाईबाड़ी स्थित हनुमान मंदिर के रास्ते शोभायात्रा राज गार्डन पहुंची। आकर्षक ढंग से सजाये गये रथ पर भगवान श्रीकृष्ण का रूप लिये बालक विराजमान थे, गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु जय श्रीकृष्ण के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे, शोभायात्रा में युवाओं के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुए। बारिश के बावजूद लोगों के कदम नहीं रुके। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया। भक्ति और उत्साह का ऐसा माहौल रहा कि बारिश भी लोगों की आस्था के सामने फीकी पड़ गयी।यदुवंशी सेना के पदाधिकारियों ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शोभायात्रा का आयोजन किया गया, श्रीकृष्ण ने समाज को धर्म, कर्म, सत्य और एकता का संदेश दिया।शोभायात्रा के माध्यम से समाज में आपसी भाईचारा और एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया गया। शोभायात्रा हृदयगंज स्थिति राज गार्डन पहुंचने के बाद भगवान श्रीकृष्ण को भोग अर्पित किया गया। इसके बाद महाभंडारा का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को लेकर यदुवंशी सेना के कार्यकताओं ने पहले से व्यापक तैयारी की थी, बारिश के बावजूद कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर कार्यकताओं में उत्साह बना रहा।

डॉ. विष्णु किशोर झा 'बेचन' ने निरस आलोचना-साहित्य को सरस बनाया

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददात)। आलोचना-साहित्य के प्रतिमान-पुरुष थे 'बेचन' जी। उन्होंने साहित्य की इस विधा को को निरसता से बाहर निकाला और सरसता प्रदान की। भागलपुर विश्वविद्यालय के पूर्व प्रतिकुलपति और बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष रहे, मनीषी साहित्यकार डा विष्णु किशोर झा 'बेचन' एक बड़े कवि, कथाकार और नाटक कार थे। इसीलिए उनकी आलोचनात्मक टिप्पणी में भी किसी कथा-कहानी और काव्य का लालित्य पाया जाता है। यह बातें, सोमवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आहूत 'हिन्दी पखवारा-सह-पुस्तक चौदस मेला' के चौथे दिन आयोजित डा बेचन जयंती की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि डा बेचन बहु-आयामी सारस्वत गुणों से युक्त एक आकर्षक व्यक्तित्व के साधु-पुरुष थे। साहित्य सम्मेलन से उनका गहरा लगाव था। अनेक वर्षों तक वे भागलपुर ज़िला हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष और १९९६ से २००१ तक बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष रहे।

अग्रसेन पब्लिक स्कूल ताराटांड़ में मनी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह/ताराटांड़। अग्रसेन पब्लिक स्कूल, ताराटांड़ में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को उत्साह और उल्लास के साथ जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे विद्यालय परिसर में भक्तिमय एवं उत्सव का माहौल देखने को मिला। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय में विशेष मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप से जुड़ी इस परंपरा को उत्साहपूर्वक निभाया। मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला और पूरा परिसर तालियों एवं जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी बाल लीलाओं और जन्माष्टमी की महत्ता पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने गीत, नृत्य, नाट्य एवं अन्य मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। श्रीकृष्ण और राधा के रूप में सजे नन्हे-मुन्ने बच्चों ने विशेष आकर्षण का केंद्र बनकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डी.एन. प्रमाणिक ने बच्चों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति और त्योहारों का विद्यार्थियों के जीवन में विशेष महत्व है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों को अपनी समृद्ध परंपरा, संस्कृति और धार्मिक मूल्यों को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर सत्य, कर्म, अनुशासन और सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया। विद्यालय के प्रबंधक अनिल अग्रवाल एवं निवेदिता अग्रवाल की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। जन्माष्टमी उत्सव के दौरान विद्यालय परिसर में बच्चों की उमंग और उत्साह देखते ही बन रहा था। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार जताया। इस प्रकार अग्रसेन पब्लिक स्कूल ताराटांड़ में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति और बच्चों की प्रतिभा का सुंदर संगम बन गया।

साइबर ठगी के मामले में आरोपित गिरफ्तार
20 हजार नकद समेत कई सामान बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। साइबर अपराध के खिलाफ गिरिडीह पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दीपक मंडल (26 वर्ष), पिता गोविंद मंडल, ग्राम भेलवई, थाना मनीआडीह, जिला धनबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 3 सितंबर 2026 को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अपने साथी के साथ डिजायर कार संख्या जेएच10सीके 8807 से साइबर ठगी का पैसा लेने गिरिडीह आ रहा है। सूचना के आधार पर साइबर थाना गिरिडीह के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया और कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर फर्जी खातों में ठगी की रकम मंगवाता था और कमीशन के आधार पर रकम को आगे भेजकर आपस में बांटता था। मामले में साइबर थाना कांड संख्या 28/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल, दो सिम कार्ड, सुजुकी डिजायर कार, 20 हजार, दो एटीएम कार्ड, आधार कार्ड और एक पेन बरामद किया है।

गिरिडीह में अखिल भारतीय नाट्य व नृत्य प्रतियोगिता का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के सवेरा सिनेमा हॉल में रफ्तार मीडिया एवं ह्यद रंगह्ल की प्रस्तुति अखिल भारतीय नाट्य व नृत्य प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि महापौर प्रमिला मेहरा, चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष राहुल कुमार बर्मन एवं ह्यद रंगह्ल के कार्यकारी अध्यक्ष रवि कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के बाद देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे कलाकारों ने आकर्षक नृत्य और नाटकों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे। प्रतियोगिता में झारखंड-बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और मणिपुर समेत 15 से अधिक राज्यों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।प्रतियोगिता 4 से 6 सितंबर तक चलेगी। आयोजन को सफल बनाने में मुख्य संरक्षक अरविंद कुमार, अध्यक्ष श्रुति सिन्हा, सचिव पुरुषोत्तम कुमार समेत ह्यद रंगह्ल की पूरी टीम जुटी हुई है। पहले दिन नृत्य और नाटकों ने बांधा समां प्रतियोगिता के पहले दिन 30 से अधिक कलाकारों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। वहीं विभिन्न राज्यों से आई टीमों ने एक से बढ़कर एक नाटकों का मंचन कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। आज निकलेगी भव्य रंग यात्रा प्रतियोगिता के तहत 5 सितंबर को भव्य रंग यात्रा निकाली जाएगी। विभिन्न टीमों के कलाकार आकर्षक रूप सज्जा के साथ ईश्वर स्मृति भवन से रंग यात्रा निकालेंगे। यह शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए वापस सवेरा सिनेमा हॉल परिसर पहुंचकर समाप्त होगी।

स्वर्गीय सुनीता प्रसाद की पुण्यतिथि पर गरीबों के लिए भोज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। इंद्रपुरी कॉलोनी, अरगाघाट निवासी विवेक कुमार ने अपनी पूजनीय माता स्वर्गीय सुनीता प्रसाद की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धापूर्वक गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए भोज का आयोजन किया। इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन कराया गया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। स्वर्गीय सुनीता प्रसाद का निधन 61 वर्ष की आयु में हुआ था। वे अपने जीवनकाल में बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड से जुड़कर सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही थीं। जरूरतमंदों और बच्चों के हित में किए गए उनके सामाजिक कार्यों को आज भी लोग सम्मान के साथ याद करते हैं।पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित भोज के माध्यम से परिवार ने उनकी सामाजिक सेवा और मानवीय संवेदनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। पुत्र विवेक कुमार ने कहा कि माता जी की स्मृति में जरूरतमंदों की सेवा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर परिजनों एवं शुभचिंतकों ने स्वर्गीय सुनीता प्रसाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए सामाजिक सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

ग्रिल गेट और ट्रक बॉडी निर्माण के सामान के लिए कोलकाता-धनबाद जाने की जरूरत नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ग्रिल गेट एवं ट्रक की बॉडी निर्माण से संबंधित सामान खरीदने के लिए अब क्षेत्र के लोगों को कोलकाता या धनबाद जाने की जरूरत नहीं होगी। गिरिडीह के बाबाजी खुटिया, तेलोडीह में जेए हार्डवेयर का शुभारंभ किया गया है। यहां ग्रिल गेट एवं ट्रक बॉडी निर्माण में उपयोग होने वाली विभिन्न आवश्यक सामग्रियां उचित मूल्य पर उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रतिष्ठान के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि फरदीन अहमद ने फीता काटकर जेए हार्डवेयर का उद्घाटन किया। मौके पर उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर इस प्रकार की सुविधा उपलब्ध होने से क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। लोगों को दूर-दराज के बाजारों में जाने से निजात मिलेगी, जिससे उनके समय के साथ-साथ परिवहन खर्च की भी बचत होगी। जेए हार्डवेयर में ग्रिल गेट निर्माण से संबंधित विभिन्न सामग्रियों के अलावा ट्रक बॉडी निर्माण में इस्तेमाल होने वाले जरूरी सामान भी उपलब्ध रहेंगे। संचालक की ओर से बताया गया कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता की सामग्री उपलब्ध कराने के साथ-साथ उचित मूल्य का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उद्घाटन समारोह में तेलोडीह ग्राम पंचायत के मुखिया सब्बीर आलम, मुखिया प्रतिनिधि मुमताज आलम, प्रखंड अध्यक्ष अनवर अंसारी, पंचायत सदस्य अमीर आलम, शमशाद आलम, मोहम्मद शमीम, विनोद सोरेन सहित कई गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बुद्धिजीवी मौजूद रहे। सभी ने प्रतिष्ठान के सफल संचालन की शुभकामनाएं दीं।

शिक्षक दिवस विशेष : कक्षा से बाहर भी सीखने-सिखाने की निरंतर यात्रा

शिक्षक अंजू बाला की कहानी–नवाचार, समावेशी शिक्षा और संस्कृति से जुड़ी एक सतत पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। मेरे लिए शिक्षण केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सीखने, प्रयोग करने और समाज के साथ अपने अनुभव साझा करने की निरंतर प्रक्रिया है। शिक्षक दिवस के अवसर पर जब हम शिक्षा और शिक्षकों की भूमिका की बात करते हैं, तो अक्सर कक्षा, किताब और पाठ्यक्रम तक ही चर्चा सीमित रह जाती है। लेकिन कुछ शिक्षक ऐसे भी होते हैं, जो कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकलकर शिक्षा को खेल, गतिविधि, प्रयोग, संस्कृति, प्रकृति और समाज से जोड़ने का प्रयास करते हैं। शिक्षक अंजू बाला की शिक्षण यात्रा ऐसी ही निरंतर सीखने और सिखाने की कहानी है। वर्ष 2016 से शिक्षण के क्षेत्र में सक्रिय अंजू बाला की कोशिश रही है कि बच्चों को केवल किताबों के माध्यम से नहीं, बल्कि खेल, गतिविधियों, प्रयोग और अनुभवों के जरिए सीखने के अवसर मिलें। कोरोना काल से पहले भी उन्होंने बच्चों को खेल एवं गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाने की पहल की। कोरोना महामारी के दौरान जब पारंपरिक कक्षाएं प्रभावित हुईं, तब उन्होंने डिजिटल माध्यमों को अपनाकर अपने इन प्रयासों को आगे बढ़ाया। इस दौरान उनके शैक्षिक कार्यों को व्यापक पहचान मिली और उन्हें जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक तथा तत्कालीन उपायुक्त सुश्री नैंसी सहाय द्वारा सम्मानित होने का अवसर मिला। अंजू बाला की शिक्षण यात्रा में समावेशी शिक्षा एक महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। उन्होंने जिला एवं प्रखंड स्तर पर समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने के साथ-साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी सहभागिता की। इस क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए उन्हें सम्मान भी

प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त उन्होंने मूलभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान के क्षेत्र में भी काम किया। जिला स्तर पर विज्ञान एवं गणित के मास्टर प्रशिक्षक के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अपने अनुभव अन्य शिक्षकों के साथ साझा किए। उनका मानना है कि शिक्षक का सीखना कभी समाप्त नहीं होता। एक शिक्षक जितना सीखता है, उतना ही बेहतर तरीके से अपने विद्यार्थियों तक ज्ञान पहुंचा सकता है। अंजू बाला के शैक्षिक प्रयोगों का दायरा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहा। शिक्षा के साथ संस्कृति और विरासत को जोड़ने में भी उनकी विशेष रुचि रही है। इसी क्रम में उन्हें सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), गुवाहाटी, असम में ह्लसांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिकाह्व विषय पर आयोजित शिक्षक प्रशिक्षण में भाग लेने का अवसर मिला। इस प्रशिक्षण ने उनके सामने यह दृष्टिकोण और मजबूत किया कि विद्यालय बच्चों को केवल विषयों की जानकारी देने का स्थान नहीं, बल्कि उन्हें अपनी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत से जोड़ने का माध्यम भी हो सकते हैं। पिछले वर्ष अंजू बाला को परियोजना आधारित अधिगम से जुड़े कार्य में योगदान देने का अवसर मिला। इस कार्य के परिणामस्वरूप तैयार पुस्तक अब झारखंड के विद्यालयों तक पहुंच चुकी है। हाल ही में उन्होंने बस्तारहित दिवस की गतिविधियों के संकलन एवं पुस्तक निर्माण से जुड़ी कार्यशाला में भी सहभागिता की। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों को शैक्षिक दृष्टिकोण से व्यवस्थित करने और उन्हें बच्चों के सीखने से जोड़ने का अवसर मिला। उनके लिए गतिविधियां केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और सीखने की क्षमता विकसित करने का साधन हैं। अंजू बाला की यात्रा में शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति और विरासत को जोड़ने का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव ज्ञान भारतम् के अंतर्गत पांडुलिपि खोज अभियान रहा इस अभियान में उन्होंने अपना सहयोग दिया। उनके कार्य को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय तथा झारखंड सरकार के संस्कृति विभाग की ओर से सराहना मिली और उनके कार्य का चयन भी किया गया। हाल ही में झारखंड के संस्कृति विभाग द्वारा ऑनलाइन माध्यम से उन्हें इस कार्य से जुड़े अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला। आने वाले समय में झारखंड के संस्कृति विभाग के साथ मिलकर इस क्षेत्र में आगे कार्य करने का अवसर मिलना उनके लिए विशेष सौभाग्य की बात है। शिक्षण के साथ-साथ अंजू बाला छोटे-छोटे शैक्षिक सामग्री निर्माण के माध्यम से बच्चों की गतिविधियों और उनके सीखने के अनुभवों को साझा करती रहती हैं। उनका ह्लटीचिंग वॉइसह्व नाम से एक चैनल भी है, जहां समय-समय पर बच्चों द्वारा की गई गतिविधियों को साझा किया जाता है। यह प्रयास इस सोच को आगे बढ़ाता है कि बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को केवल स्कूल की कक्षा तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उनके अनुभवों और रचनात्मक कार्यों को व्यापक मंच भी मिले। विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों के दौरान भी अंजू बाला को विभिन्न जिम्मेदारियां निभाने का अवसर मिला। विशेष रूप से पिंक बूथ पर जिम्मेदारी निभाने के दौरान उन्हें लोगों से काफी पहचान मिली। चुनावी ड्यूटी का यह अनुभव भी उनकी यात्रा का एक यादगार हिस्सा रहा। इन तमाम जिम्मेदारियों और उपलब्धियों को पीछे मुड़कर देखने पर अंजू बाला को स्वयं भी लगता है कि उनकी यात्रा में अनुभव इतने विविध रहे हैं कि उन्हें एक साथ याद करना आसान नहीं। लेकिन इन सभी कार्यों के पीछे उनकी एक ही सोच लगातार रही है—सीखते रहना, नए प्रयोग करना और अपने सीखने को बच्चों तथा शिक्षा के लिए उपयोगी बनाना। अंजू बाला स्वयं को एक नवाचारी शिक्षिका के रूप में देखती हैं। उनके लिए अच्छा शिक्षक वह है, जो बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ स्वयं भी लगातार सीखता रहे। उनके अनुसार शिक्षा केवल किताबों और कक्षा की सीमाओं में बंधी प्रक्रिया नहीं है। इसे जीवन, संस्कृति, प्रकृति और समाज से जोड़ना जरूरी है। वर्ष 2016 से शुरू हुई उनकी यह यात्रा आज भी जारी है। कभी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सीखने का अवसर देना, कभी अन्य शिक्षकों को प्रशिक्षित करना, कभी संस्कृति और विरासत से जुड़े अभियानों में योगदान देना तो कभी डिजिटल माध्यमों से बच्चों की रचनात्मकता को सामने लाना—अंजू बाला की कहानी एक ऐसी शिक्षिका की कहानी है, जो पढ़ाने के साथ स्वयं भी हर दिन कुछ नया सीखने में विश्वास रखती हैं। शिक्षक दिवस पर उनकी यात्रा यही संदेश देती है कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि स्वयं भी आजीवन सीखने वाला और समाज में सीखने की संस्कृति विकसित करने वाला मार्गदर्शक होता है।

एक नजर

सेवानिवृत्त शिक्षिका अद्या देवी को दी गई श्रद्धांजलि

औरंगाबाद। शहर के युगल मध्य विद्यालय, बिराटपुर में शोकसभा आयोजित कर सेवानिवृत्त शिक्षिका अद्या देवी को श्रद्धांजलि दी गई। उनका निधन 2 सितंबर की रात हो गया था। शोकसभा में वक्ताओं ने कहा कि अद्या देवी कुशल शिक्षिका, विदुषी और मृदुभाषी व्यक्तित्व की धनी थीं। हिंदी साहित्य एवं संस्कृत पर उनकी मजबूत पकड़ थी। उन्होंने विद्यालय में 23 वर्षों तक सेवा दी और मार्च 2018 में सेवानिवृत्त हुई थीं। उनके पति प्रो. गोपाल मिश्रा कोडरमा कॉलेज में प्राचार्य रहे हैं। उनके ससुर पंडित बलदेव मिश्रा प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य थे। उनके एक पुत्र चतरा, झारखंड में सरकारी पीपी एडवोकेट के पद पर कार्यरत हैं, जबकि दूसरे पुत्र औरंगाबाद हाई स्कूल में संस्कृत शिक्षक हैं। विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर नरोत्तमा कुमारी, संगीता सिंह, उषा देवी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। अंत में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की गई।

वार में बच्चों ने राधा-कृष्ण रूप धारण किया

मदनपुर। सरस्वती शिशु मंदिर वार में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्री राधा कृष्ण बाल रूप सजा प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ रफीगंज विधायक प्रमोद कुमार सिंह, संकुल प्रमुख नीरज कुमार कौशिक, विद्यालय संरक्षक अरुण कुमार सिंह अध्यक्ष भानु प्रकाश पाठक एवं प्रधानाचार्य मनीष पांडे द्वारा दीप जलाकर किया गया तथा छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर-सुंदर संगीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के बच्चों ने राधा कृष्ण का सुंदर एवं मनमोहक रूप लेकर मंच पर आए जिसे देखकर सभी ने उनका ताली बजाकर स्वागत किया। विधायक द्वारा विद्यालय के कार्यों की प्रशंसा की और विद्यालय को सहयोग का आश्वासन दिया। अपने संकुल प्रमुख के आशीर्वचन में भी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के कामना की गई। विद्यालय के गतिविधि एवं विकास के बारे में अभिभावकों को समझाया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के अध्यक्ष श्री भानु प्रकाश पाठक ने किया।

धूमधाम से मनाई गयी जन्माष्टमी

दाउदनगर (औरंगाबाद)। भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव विभिन्न तरीकों से लोगों के द्वारा मनाया गया। पूजा अर्चना की गई। विद्यालयों में बच्चों को राधा कृष्ण बनाकर उत्सव मनाया गया। विवेकानंद चाइल्ड गार्डन सेंटर में अयांश राज व भूमि सिंह कश्यप राधा कृष्ण की भूमिका में काफी मनोरम लगे। संस्था के प्राचार्य सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बच्चों की प्रस्तुति काफी आकर्षक रही। उत्साह पूर्वक बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी। इधर बाजार में काफी रौनक रहा। राधा कृष्ण के साज सज्जा के लिए काफी प्रकार के वस्त्र व अन्य श्रृंगार की सामग्री की बिक्री हुई। आधी रात को उत्सव मनाने के लिए काफी तैयारी की गई है।

कार से 408 लीटर शराब बरामद, तस्कर फरार

अंबा (औरंगाबाद)। शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में माली थाना पुलिस ने गुरुवार की देर रात पड़रिया रोड स्थित शिव मंदिर के समीप घेराबंदी कर एक कार से 408 लीटर झारखंड निर्मित देशी शराब बरामद की। हालांकि, पुलिसिया कार्रवाई की भनक लगते ही तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर कार छोड़कर फरार हो गए। पुलिस को सूचना मिली थी कि शराब की खेप कार से ले जाई जा रही है। इसके बाद टीम ने शिव मंदिर के पास घेराबंदी की। संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक व अन्य धंधेबाज वाहन छोड़कर भाग निकले। तलाशी में 'रॉयल झारखंड देशी शराब' के 51 कार्टून मिले। प्रत्येक कार्टून में 200 एमएल के 40 पाउच थे। पुलिस ने शराब व कार जब्त कर ली है।

बकरी पालन में निवेश के नाम पर बड़ी रकम की ठगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। झारखंड की उपराजधानी दुमका में बकरी पालन में इन्वेस्टमेंट के जरिए प्रतिदिन प्रतिदिन 0.5% से लेकर 0.75% दैनिक रिटर्न का लालच देकर एक नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी पर काफी बड़ी रकम की ठगी का आरोप लगा है। मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन में जुट गई है। दुमका एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार ने इसकी पुष्टि की है।

ठगी के मामले में एफआईआर दर्ज

ठगी के इस मामले को लेकर दिग्घी ओपी में एसकेएम यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंजुला मुर्मू के द्वारा सात लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई है। दर्ज एफआईआर में नवादा निवासी विनोद कुमार सिंह, नवादा निवासी मनीष कुमार सिंह, नवादा निवासी विवेक कुमार, गिरिडीह निवासी विलियम जैकब, जमशेदपुर निवासी रंजीत शर्मा, दुमका निवासी सुष्मिता सोरेन, दुमका निवासी रीता सोरेन के नाम हैं।

शिकायतकर्ता प्रो. डॉ. अंजुला मुर्मू के अनुसार, दिसंबर 2025 में विनोद कुमार सिंह , रंजीत शर्मा , मनीष कुमार सिंह और विवेक कुमार ने उन्हें कंपनी की बकरी पालन परियोजना में निवेश का प्रस्ताव दिया था। इसमें प्रतिदिन 0.5% से लेकर 0.75% दैनिक रिटर्न का वादा किया गया था। साथ ही आठ महीने से लेकर 13 महीने में मूलधन को दोगुना करने की भी बात कही गई थी। बाद में सुष्मिता सोरेन, रीता और विलियम जैकब भी प्रत्यक्ष रूप से आरोपियों का सहयोग करने लगे। प्रो. अंजुला का कहना है कि 13 अगस्त 2026 को कंपनी का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अचानक बंद हो गया और विनोद कुमार सिंह अपना मोबाइल बंद कर फरार हो गया। प्रो. अंजुला मुर्मू ने अपने आवेदन में धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र सहित कई आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की।

इस पूरे मामले पर सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर अंजुला मुर्मू ने ईटीवी भारत को फोन पर बताया कि उनके द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच कर दोषी व्यक्तियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही जिन लोगों से रुपये की ठगी की गई है, उनके रुपये वापस कराया जाए।

धनबाद के केंदुआ में गोफ बनने से दहशत में लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिले में केंदुआ के अग्नि प्रभावित इलाके कुसुंडीह पांडेय बस्ती के पास अचानक दो बड़े गोफ बनने से इलाके में हड़कंप मच गया। खाली जमीन पर बने गोफ से गैस का रिसाव होने की बात सामने आई है, जिसके बाद आसपास रहने वाले लोगों में अनहोनी की आशंका को लेकर दहशत है।

घटना की जानकारी मिलते ही बीसीसीएल प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर दोनों गोफ के आसपास फेंसिंग कर इलाके को घेर लिया। शुक्रवार को बीसीसीएल अधिकारियों की मौजूदगी में गोफ की भराई का काम शुरू हो गया है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में बढ़ी चिंता

बताया जा रहा है कि जिस जगह पर गोफ बना है, वह बस्ती से कुछ दूरी पर स्थित है, हालांकि आबादी वाले इलाके के नजदीक अचानक जमीन धंसने की घटना ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि अग्नि प्रभावित क्षेत्र में पहले से ही जमीन धंसने और गैस रिसाव का खतरा बना रहता है। ऐसे में नए गोफ का बनना सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है।

छात्रों पर दर्ज मुकदमों के खिलाफ 8 से 11 सितंबर तक भाजपा का आंदोलन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। छात्रों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग को लेकर भाजपा के उच्चस्तरीय शिष्टमंडल ने पिछले दिनों राज्य के मुख्य सचिव से मुलाकात कर 48 घंटे के अंदर कार्रवाई का आग्रह किया था। समयसीमा समाप्त होने के बाद प्रदेश भाजपा ने आंदोलन की घोषणा की है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू ने बताया कि 8 से 11 सितंबर तक राज्य के सभी 24 प्रशासनिक जिलों में डीसी और एसपी कार्यालयों का घेराव किया जाएगा। प्रतिदिन छह जिलों में प्रदर्शन होगा। उन्होंने बताया कि 8 सितंबर को रांची, दुमका, हजारीबाग, गिरिडीह, जमशेदपुर और गढ़वा, 9 सितंबर को कोडरमा, साहिबगंज, बोकारो, पलामू, सिमडेगा और चाईबासा में घेराव होगा। 10 सितंबर को सरायकेला, पाकुड़, धनबाद, गुमला, लातेहार और चतरा तथा 11 सितंबर को रामगढ़, देवघर, लोहरदगा, खूंटी, गोड्डा और जामताड़ा में कार्यक्रम होगा। साहू ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों पर मुकदमे दर्ज किए गए और विभिन्न जिलों में झामुमो कार्यकर्ताओं ने छात्रों के साथ मारपीट की। उन्होंने सवाल उठाया कि मारपीट करने वाले कार्यकर्ताओं पर अब तक मुकदमा क्यों नहीं दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि करीब एक हजार छात्रों पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं। साथ ही पुलिस द्वारा छात्रों के घरों पर रात में दस्तक देने और कोचिंग संचालकों को डराने-धमकाने का भी आरोप लगाया।

हिमांशु सिंह ने 2.09 मीटर की छलांग लगाकर रचा इतिहास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के एथलीट हिमांशु सिंह ने एथलेटिक्स के क्षेत्र में राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। पूर्वी सिंहभूम के रहने वाले हिमांशु सिंह ने पंजाब के लुधियाना स्थित गुरुनानक स्टेडियम में आयोजित 21वीं नेशनल यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के साथ नया राष्ट्रीय मीट रिकॉर्ड कायम किया। प्रतियोगिता का आयोजन एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और पंजाब एथलेटिक्स संघ की ओर से 1 से 3 सितंबर तक किया गया था।

हिमांशु ने 2.09 मीटर की ऊंचाई पार कर वर्ष 2005 में बेंगलुरु में राजेश कालीरमन्ना द्वारा बनाए गए 2.08 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इस तरह हिमांशु ने 21 साल पुराने रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर बेहतर करते हुए नया राष्ट्रीय मीट रिकॉर्ड अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि के साथ झारखंड को चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी मिला।

झारखंड के एथलीट हिमांशु सिंह

ऊंची कूद स्पर्धा में असम के जुबिन गोहैन ने भी 2.09 मीटर की ऊंचाई पार की और दूसरे स्थान पर रहे, जबकि तमिलनाडु के शक्तिबेल वीएन ने 2.07 मीटर की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया। हिमांशु का प्रदर्शन इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्वास्थ्य शिविर में एक हजार से अधिक ने कराई सेहत की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय के तुलसी बिगहा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर श्रीकृष्ण सामाजिक सेवा संघ द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। सुबह से ही शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग आने लगे थे, बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों सहित अन्य मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श और दवाइयां प्राप्त किया। शिविर में औरंगाबाद और गया जिले से आए दर्जनों विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की बीपी, शुगर, हृदय रोग, हड्डी, चर्म, महिला एवं बाल रोगों की जांच की। जरूरतमंद मरीजों को मौके पर ही मुफ्त दवाइयां भी दी गईं। महोत्सव के सरंक्षक अजय यादव व अध्यक्ष दीपक दिनकर ने बताया कि महोत्सव के माध्यम से सेवा का संदेश देना ही मुख्य उद्देश्य है। सभी ने इस पुनीत पहल की सराहना की और इसे हर वर्ष आयोजित करने की मांग की। इस मौके पर डॉ. मिथिलेश कुमार, डॉ. रणविजय कुमार सिन्हा, डॉ. कौशलेन्द्र कुमार, डॉ. अमरेन्द्र कुमार, डॉ. विजय कुमार, डॉ. विजय कुमार, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. रामानुज कुमार, डॉ. पिन्टू कुमार, डॉ. रवि रंजन, डॉ. अरविन्द कुमार, डॉ. कमलेश राय, डॉ. प्रेमलाल यादव, डॉ. उपेन्द्र यादव, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ. लालमोहन सिंह, डॉ. लक्कू कुमार, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. प्रकाश चन्द्र, डॉ. संजीत कुमार, डॉ. विकाश कुमार, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. राजू कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

विदाई समारोह में एसडीपीओ के कार्यों की सराहना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद) । एसडीपीओ रहे अशोक कुमार दास के स्थानांतरण के बाद कई जगह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। भखरुआं औरंगाबाद रोड स्थित अरविंद हॉस्पिटल में गुरुवार की देर शाम उनको विदाई दी गई। इस पद पर रहते हुए दाउदनगर की पुलिसिंग में उनके द्वारा दिए गए योगदान की चर्चा की गई। उनके कार्यों और व्यवहार कुशलता की सराहना की गयी। इस कार्यक्रम में अस्पताल के संचालक डॉ. अरविंद कुमार सिंह, भाजपा जिला प्रवक्ता अश्विनी तिवारी, जेडीयू जिला उपाध्यक्ष प्रितम सिंह चंद्रवंशी, मार्कण्डेय कुमार, ब्रजेश तिवारी, भाजपा नेता राकेश पांडेय, दिनेश कुशवाहा, सोनू तिवारी, संतोष कुमार, अरविंद यादव, मनोज कुमार सिंह, सुमित पांडेय उपस्थित रहे। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी दाउदनगर अध्यक्ष श्याम कुमार पाठक द्वारा उनके सरकारी आवास पर इनके अच्छे कार्यकाल की बधाई दी गयी। अंगवस्त्र एवं फूल माला से सम्मानित किया गया। श्री पाठक ने बताया कि अशोक कुमार दास लॉ एंड ऑर्डर, बेहतर पुलिसिंग, कानूनी कार्यवाही से जनता के बीच समन्वय स्थापित किए। जनता के विश्वास को जीता। जनता के हित में इनका बहुत ही अच्छा सहयोग रहा है।

केंद्र की नीति के बाद राजस्व वसूली में आई गिरावट ने सरकार की बढ़ाई चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रारंभिक पांच महीनों में राज्य सरकार लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रह नहीं कर पाई है। एक तरफ केंद्र के एमएमडीआर (खान और खनिज विकास एवं विनियमन) कानून में संशोधन के कारण होने वाली राजस्व क्षति की चिंता बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर आंतरिक संसाधनों से होने वाली आय में कमी देखी जा रही है। अगस्त महीने तक 41 प्रतिशत राजस्व संग्रह का लक्ष्य था, जिसमें करीब 36 प्रतिशत ही संग्रह हो पाया है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि कैलेंडर टारगेट (हर तीन महीने में कितना खर्च करना है और कितनी आमदनी होनी चाहिए) पूरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की नीतियों के कारण राज्य सरकार को अभी तक 22,000 करोड़ रुपये का राजस्व क्षति का नुकसान झेलना पड़ रहा है।

निशाना सटीक तो कार्रवाई भी होगी तेज, जवानों ने परखी अपनी फायरिंग क्षमता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए रांची पुलिस ने अपने जवानों की ऑपरेशनल क्षमता मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसी कड़ी में थाना प्रभारियों, पुलिस पदाधिकारियों और टाइगर मोबाइल के जवानों को नियमित फायरिंग अभ्यास कराया जा रहा है, ताकि आपात परिस्थितियों में उनकी प्रतिक्रिया क्षमता और हथियार संचालन की दक्षता बेहतर हो सके।

जैप-1 ग्राउंड में आजमाया निशाना

एसएसपी रांची राकेश रंजन के निर्देश पर शुक्रवार को बरियातू स्थित जैप-1 ग्राउंड में फायरिंग अभ्यास आयोजित किया गया। इसमें टाइगर मोबाइल में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी और जवानों के अलावा रांची जिले के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी और संबंधित पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए। अभ्यास के दौरान पुलिसकर्मियों ने निर्धारित सुरक्षा मानकों और मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए छोटे हथियारों से फायरिंग की। इस दौरान लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाने के साथ हथियारों के सुरक्षित संचालन और आकस्मिक परिस्थितियों में तेजी से प्रतिक्रिया देने का अभ्यास कराया गया। एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि फायरिंग अभ्यास का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों को हथियार संचालन में दक्ष बनाना और विषम परिस्थितियों में उनकी प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना है। नियमित अभ्यास से जवानों के आत्मविश्वास, अनुशासन और ऑपरेशनल तैयारी में भी सुधार होता है। रांची शहर में अपराध नियंत्रण और त्वरित पुलिसिंग में टाइगर मोबाइल के जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। किसी घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर सबसे पहले पहुंचने वाली पुलिस टीमों में टाइगर मोबाइल भी शामिल होती है। ऐसे में इन जवानों का शारीरिक रूप से फिट होने के साथ-साथ हथियार संचालन में दक्ष होना भी जरूरी माना जाता है।

शिक्षकों के कल्याण के लिए तत्पर रहते हैं रामाकांत सिंह

डॉ. उपेंद्र कश्यप/नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद) । रेपुरा निवासी शिक्षक रामाकांत सिंह शिक्षकों के कल्याण करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। प्रखंड में शायद ही कोई ऐसा शिक्षक हो जिनको दस्तावेजी कार्य की जरूरत हो और वे उनकी मदद करने को तत्पर खड़े ना हों। लगातार शिक्षकों की सेवा करते रहे हैं, बिना किसी स्वार्थ के। वे परमारथ कार्य से भी जुड़े हुऐ हैं। सत्संगी भी हैं। सत्संग के मध्यम से जहां कर सेवा करते हैं वहीं अपने पिता योगेश्वर बाबू की पुण्यतिथि पर प्रत्येक वर्ष गरीबों के बीच वस्त्र वितरण तो कभी निश्शुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर आम गरीबों की मदद करते हैं। प्रशासन में भी उनकी मर्यादा काफी है। किसी भी प्रकार का चुनाव का कार्य हो, अनुमंडल प्रशासन से लेकर नगर निकाय प्रशासन के अधिकारी उनकी सेवा लेते हैं। मुख्यलय में उनको किसी भी प्रकार के निर्वाचन व जनगणना कार्य के लिए पहली पसंद माना जाता है। इस क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता है। बताते हैं कि उनके पिताजी शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। इसी दौरान उनकी मृत्यु पांच जुलाई 1983 को हो गई।

असमय परिवार के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट गया था। परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हो गया। उस समय वे नौवीं कक्षा के छात्र थे। नौकरी करना लाचारी थी। मैट्रिक की परीक्षा 1985 में उतीर्ण होने के उपरांत अनुकंपा के आधार पर 12 सितंबर 1986 को शिक्षक बने। पिता यूगेश्वर सिंह समाजवादी के साथ ईमानदार व्यक्तित्व के धनी थे। उनके दरवाजे पर बड़े-बड़े राजनीतिज्ञों के साथ-साथ आसपास के बुद्धजीवियों का जमावड़ा लगा रहता था। रामाकांत सिंह बताते हैं पिता जी वेतन का पैसा लाकर घर में दे देते थे और खर्च के लिए मांग कर अपना खर्च चलाते थे। करीब 30 सदस्यीय संयुक्त परिवार था। सब मिलकर विकास के लिए प्रयास करते थे। एक भाई रविकांत फिल्म उद्योग में डायरेक्टर, प्रोड्यूसर व लेखक बने। कई धारावाहिक और फिल्में बनाया। छोटा भाई शशि भूषण भारत सरकार में टेक्सटाइल विभाग में सेक्रेटरी है। वह भारतीय रेल सेवा का अधिकारी है। रामाकांत सिंह का एक बेटा रेलवे में सेक्शन इंजीनियर तो दूसरा आईआईटी पास करने के बाद वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी अमेरिका से मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त कर अमेरिका में इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। रामाकांत सिंह लगातार शिक्षक प्रशिक्षण से जुड़े रहे। प्रखंड गोह में 2003 से2007 तथा दाउदनगर में 2008 से 2013 तक प्रखंड साधन सेवी रहे। प्रखंड के हजारों शिक्षक के साथ समन्वय बनाना, प्रशिक्षण देना, अकादमिक अनुसमर्थन करना एक बहुत बड़ा चैलेंज था जिसे किया। 2005 में जिला स्तरीय प्रशिक्षक बने। विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण यथा आपदा प्रबंधन, मासिक, अर्धवार्षिक वार्षिक मूल्यांकन प्रशिक्षण, प्रखंड साधन सेवी, संकुल समन्वयकों का जिला स्तरीय प्रमंडल स्तरीय प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका निभाई। प्रखंड साधन सेवी एवं संकुल समन्वयकों का प्रशिक्षण देने हेतु नवादा, जहानाबाद, गया जिला मगध प्रमंडल के हरिदास सेमिनरी इंटर विद्यालय में चयन हुआ। साक्षर भारत मिशन के अंतर्गत 2010 में मुख्य स्तोत्र व्यक्ति के रूप में चयन हुआ। जनगणना 1991, 2001, 2011 तथा 2026में मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका में रहे।

साहित्यकुंज के कवि सम्मेलन में बही भक्ति की धारा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर साहित्यकुंज द्वारा शुक्रवार को राष्ट्रीय ऑनलाइन कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े वरिष्ठ एवं युवा रचनाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, बाल लीलाओं और जीवन दर्शन पर आधारित मौलिक रचनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ कवयित्री शहाना परवीन 'शान' की सरस्वती वंदना से हुआ। मुख्य अतिथि बोधगया की डॉ. अम्बे कुमारी रही, जबकि अध्यक्षता साहित्यकुंज के प्रधान महासचिव एवं साहित्यकार अरविंद अकेला ने की। संचालन कवि श्रीराम राय ने किया। सम्मेलन में अरविंद अकेला, शहाना परवीन 'शान', शोभेन्द्र पटेल 'राज', घनंजय कुमार बघेल, हीरा सिंह कौशल, राम कुमार प्रजापति, आरती तिवारी, अशोक कुमार शुक्ला, अवध किशोर मिश्र, डॉ. अम्बे कुमारी, आदित्य अविरल और मीनाक्षी सुकुमारन सहित दर्जनों रचनाकारों ने ऑडियो माध्यम से भक्ति रचनाएं एवं भजन प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि डॉ. अम्बे कुमारी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन मानव जाति को कर्म, प्रेम और धर्म का संदेश देता है। अध्यक्षीय संबोधन में अरविंद अकेला ने कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति और साहित्यिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

भारी बारिश की वजह से पुठीमारी ब्रिज का एप्रोच रोड क्षतिग्रस्त, आवागमन प्रभावित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। झारखंड से पश्चिम बंगाल, बिहार और पड़ोसी देश बंग्लादेश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने वाले पाकुड़-धुलियान मुख्य सड़क पर पुठीमारी ब्रिज के एप्रोच रोड क्षतिग्रस्त होने की वजह से अंतरराष्ट्रीय कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

बारिश की वजह से क्षतिग्रस्त हुआ एप्रोच रोड

दरअसल, झारखंड को निकटवर्ती राज्य और पड़ोसी देश बंग्लादेश को खनिज सम्पदाओं के साथ-साथ रोजमर्रा के सामानों की आपूर्ति करने वाला मार्ग, बारिश की वजह से क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। नतीजतन पाकुड़ जिले से भारी वाहनों के जरिये बिहार, पश्चिम बंगाल और बंग्लादेश को आपूर्ति होने वाले सामान पूरी तरह बंद है। मालवाहक वाहनों का परिचालन इस मार्ग से प्रभावित हुआ है, जिससे व्यवसायियों और वाहन मालिकों को परेशानी हो रही है। इसके साथ ही रोजमर्रा के लिए उपयोग में आने वाली खाने पीने की सामाग्री की किल्लत भी बढ़ सकती है। एप्रोच रोड के दोनों ओर के हिस्से धंस गए हैं, जिससे आवागमन की समस्या के साथ पत्थर की ढुलाई करने वाले वाहनों का परिचालन भी प्रभावित हुआ है। हालांकि राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े पश्चिम बंगाल के अभियंताओं और अधिकारियों द्वारा एप्रोच रोड के क्षतिग्रस्त हिस्से को दुरूस्त करने और आवागमन लायक बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया गया है, लेकिन लगातार बारिश की वजह से काम तेजी से नहीं हो पा रहा है।

इधर, यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों का कहना है कि ब्रिज के दोनों ओर बारिश के मौसम में सड़क धंस जाती है, जिससे यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि यदि सड़क के दोनों ओर गार्डवाल का निर्माण करा दिया जाए या फिर बड़ा पुल बना दिया जाए, तो यह समस्या हमेशा के लिए खत्म हो सकती है।

इन वजहों से धंसती है सड़क

वहीं एनएचएआई के कार्यपालक अभियंता विनंत कुंडू ने बताया कि यहां की मिट्टी खराब होने की वजह से हल्की बारिश में कमजोर पड़ जाती है और भार क्षमता सहन नहीं कर पाती है, जिसकी वजह से सड़क धंस जाती है।

कार्यपालक अभियंता ने बताया कि सड़क की मरम्मत कराई जा रही है ताकि आवगमन सुचारू रूप से संचालित हो सके और यदि जरूरत पड़ी तो शासन प्रशासन से बातचीत करके कुछ दिनों के लिए रोड ब्लॉक करके ठीक से मरम्मत का काम किया जाएगा।

कार्यपालक अभियंता ने बताया कि स्थाई समाधान के लिए डीपीआर बनाकर केंद्र को भेजा गया है और स्वीकृति मिलते ही सड़क को मजबूती के साथ बनाया जाएगा।

बता दें कि पाकुड़ धुलियान सड़क एनएच 34 से जुड़ती है। यह रास्ता हर दिन मुर्शिदाबाद के अलावा नदिया, वर्धमान, कोलकाता, मालदा, कठिहार, पूर्णिया, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, गंगटोक, असम, मणिपुर, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश पत्थर के अलावा खाद्य पदार्थ समेत दूसरा सामान लाने और ले जाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

बिहार में गंगा का दिख रहा प्रचंड रूप

चार नदियों ने घेरा पटना को

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में बाढ़ से हाहाकार मच गया है। लोग परेशान हैं। पटना, भोजपुर, बक्सर, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर और भागलपुर में गंगा नदी कई जगह खतरे के लाल निशान से ऊपर बह रही है। वहीं पश्चिम चंपारण, समस्तीपुर, गोपालगंज, बांका, मधेपुरा, सहरसा, लखीसराय, जहानाबाद, सारण, वैशाली, नालंदा के निचले इलाके में आपदा प्रबंधन विभाग ने अलर्ट जारी किया है। राज्य में गंगा, गंडक, पुनपुन, दरधा, कोसी समेत प्रमुख नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। दियारा इलाका जलमग्न हो चुका है। पटना समेत कई जिलों में दियारा इलाके के लोग पलायन कर चुके हैं। वह सड़क किनारे टेंट में रहने को मजबूर हैं। पटना में दीघा घाट, गांधी घाट समेत कई जगहों पर गंगा अपने स्तर पर पहुंच सकती है। सरकार ने बाढ़ की स्थिति को देखते हुए निचले इलाके के लोगों से अलर्ट रहने की अपील की है। पटना डीएम ने भी अधिकारियों 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया है। सभी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर में गंगा, पश्चिम में सोन, दक्षिण में पुनपुन, दरधा और उत्तर-मध्य में गंडक उफान पर है। पटना को इन्हीं चार नदियों ने घेर लिया है। नेपाल प्रलय के बाद गंडक के जलस्तर में काफी वृद्धि हुई है। गंडक ने गंगा पर दबाव बनाया। इस कारण गंगा, पुनपुन और दरधा नदी खतरे के निशान से ऊपर बहर रही है। जल संसाधन विभाग की ओर से मिली रिपोर्ट के अनुसार, मनेर में गंगा खतरे के निशान से 1.50 मीटर ऊपर, दीघा घाट पर 1.23 मीटर, गांधी घाट पर 1.76 मीटर, हाथीदह में 1.48 मीटर और श्रीपालपुर में पुनपुन नदी 2.56 मीटर ऊपर बह रही है।

पटना के निचले इलाके में नदियों में पानी घुस गया है। इन सभी जगहों पर जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। शहरी क्षेत्र में भी बाढ़ का पानी दस्तक दे चुका है। पटना के दीघा घाट पर गंगा अंडरपास के नीचे तक आ गई है। गायघाट-दीदारगंज सड़क डूब चुकी है। इसके अलावा बिंद टोली, एलसीटी घाट, गांधी घाट, महावीर घाट, पटना सिटी में कई जगह गंगा का पानी घुसने से लोग परेशान हैं। कई जगह तो कमर भर पानी भर गया है।

इस प्राकृतिक आपदा के कारण आम लोगों का दैनिक जीवन पूरी तरह बेपटरी हो गया है। पंचायत में आने-जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर पानी भर जाने के कारण संपर्क टूट गया है। कई जगहों पर लोग अपने घरों और इलाकों में पूरी तरह घिर गए हैं, जिसके बाद मजबूरन उन्हें सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करना पड़ रहा है।

परिस्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि हरकत में आ गए हैं। बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए प्रशासनिक पहल तेज कर दी गई है। अकिलपुर से दिघवारा आने-जाने के लिए प्रशासन की ओर से फिलहाल आठ नावें उपलब्ध कराई गई हैं।

इस संबंध में पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि वकील राय ने

भीषण बाढ़ से जन-जीवन हो रहा बुरी तरह प्रभावित

चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पंचायत में बाढ़ के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि प्रभावित लोगों को युद्ध स्तर पर प्रशासनिक सहयोग मिले, ताकि किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान को टाला जा सके।

सारण जिले के दिघवारा प्रखंड के अंतर्गत दूधिया, बतौली, बभनगामा, सलहली, बंगला पर और अकिलपुर समेत पंचायत के सभी आठ गांवों में बाढ़ का पानी तेजी से फैल चुका है। पानी के बढ़ते दबाव से घबराए लोग अब सुरक्षित ठिकानों की तलाश में सारण के दिघवारा और पटना के दानापुर की ओर पलायन कर रहे हैं।

पंचायत में स्थित कई सरकारी कार्यालयों और भवनों में बाढ़ का पानी घुस जाने के कारण कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गया है। अधिकांश सरकारी विद्यालयों में जलभराव के चलते बच्चों की पढ़ाई अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई है।

प्रशासनिक अधिकारी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रभावित परिवारों की सूची तैयार की जा रही है, ताकि उन्हें समय पर सरकारी सहायता और राहत उपलब्ध कराई जा सके।

रनवे में 350 वर्षों से मनायी जा रही श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। जिले के केवटी प्रखंड के रनवे गांव में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाने का इतिहास करीब साढ़े तीन सौ वर्ष पुराना है। यह इस क्षेत्र की एक अत्यंत ऐतिहासिक और गहरी सांस्कृतिक धरोहर है।

रनवे गांव में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किसी आधुनिक काल की शुरूआत नहीं, बल्कि पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही करीब साढ़े तीन सौ वर्ष पुरानी ऐतिहासिक परंपरा के तहत किया जाता है।

यह महोत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि इसमें रनवे, केवटी सहित आसपास के इलाके के भगवान श्रीकृष्ण भक्त श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि एवं संत-महात्मा बड़े उत्साह के साथ शामिल होते हैं।

मिथिलांचल के इस क्षेत्र में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दौरान प्राचीन रीति - रिवाजों, पारंपरिक पूजा - पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है और मेला भी लगता है, जो सदियों से इस गांव की पहचान बना हुआ है।

बताया जाता है कि बरसों पहले कमलापुरी वैश्य परिवार के बड़े - बुजुर्ग व्यापार के सिलसिले में घर से बाहर निकले और बार-बार इन्हें घाटा होता रहा तो भगवान श्रीकृष्ण ने इन्हें स्वप्न में आकर कहा तुमलोग घर लौटकर मेरी विधिवत पूजा करों तो तुम्हें व्यापार में मुनाफा होगा।

उसके बाद ही आज से करीब कई पीढ़ी पूर्व इन लोगों ने जन्माष्टमी शुरू किया जो अनवरत जारी है। यह बात परिवार के लोग आज भी बताते हैं। यहां पहले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर छुरा-छुरी का कार्यक्रम दिखाया जाता था, धीरे - धीरे यह सब अब बंद हो गया।

इसी छुरा-छुरी को लेकर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेला देखने के लिए प्रखंड क्षेत्र में चर्चा होते रहता था और नेपाल के अलावा दरभंगा, मधुबनी व समस्तीपुर जिले के दूर-दूर गांव के लोग यहां आते थे।

यहां पर तीन दिवसीय मेला का भव्य आयोजन होता है। मूर्तिकार द्वारा राधा-कृष्ण, नन्द-यशोदा, देवकी-बासुदेव, शिव-पार्वती एवं अन्य देवी-देवताओं के बड़े-बड़े भव्य और आकर्षक प्रतिमा बनाए जाते है।

असिरा सबा ने पेश की गंगा-जमुना तहजीब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। पितृपक्ष मेले की तैयारियों के बीच गया में एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो शहर की दीवारों के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द का संदेश भी दे रही है। अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाली पेंटिंग छात्रा असिरा सबा भगवान विष्णु और गयासुर की भव्य वॉल पेंटिंग तैयार कर रही हैं। उनकी यह कलाकृति कला और आस्था के साथ गंगा-जमुनी तहजीब की भी मिसाल पेश कर रही है। असिरा का संदेश है कि कला की कोई जाति या मजहब नहीं होता। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु गया पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं के स्वागत और शहर को आकर्षक बनाने के लिए जिला प्रशासन ने पेंट द सिटी अभियान शुरू किया है। इसके तहत फल्गु नदी के घाटों, मेला क्षेत्र की दीवारों, प्रमुख वेदी स्थलों और संपर्क मार्गों को रंग-बिरंगी वॉल पेंटिंग्स से सजाया जा रहा है। इन चित्रों में भगवान विष्णु के चरण, गयासुर की कथा, गया तीर्थ का पौराणिक इतिहास और रामायण से जुड़े प्रसंगों को उकेरा जा रहा है। इसके साथ ही मधुबनी और मंजूषा कला की झलक भी इन चित्रों में दिखाई दे रही है। दीवारों पर सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेश भी चित्रों के जरिए लोगों तक पहुंचाए जा रहे हैं।

सूरज बने कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के कार्यकारी अध्यक्ष

शिवाजीनगर। शिवाजीनगर प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से सूरज कुमार पासवान का फूल-माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। सूरज कुमार पासवान को प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र कुमार पासवान द्वारा समस्तीपुर ग्रामीण एससी प्रकोष्ठ के कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया है। मनोयन पत्र लेकर पटना से शिवाजीनगर पहुंचने पर प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने फूल-माला पहनाकर उन्हें बधाई दी और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कार्यालय परिसर में कांग्रेस कार्यकताओं में काफी उत्साह देखने को मिला स्वागत समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि सूरज कुमार पासवान के मनोनयन से संगठन को और मजबूती मिलेगी। श्री पासवान ने स्वागत के लिए सभी कांग्रेस कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने तथा कार्यकताओं के साथ मिलकर जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने की बात कही। इस अवसर पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, प्रखंड अध्यक्ष राजीव कुमार, राधाकांत कुमार सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। कार्यकताओं ने नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के हित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

नालंदा में नदियों की स्थिति स्थिर, प्रशासन अलर्ट

बिहारशरीफ। नालंदा जिले में मूसलाधार बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव की स्थिति के बीच जल संसाधन विभाग के तकनीकी विश्लेषण ने राहत की तस्वीर सामने रखी है। विभाग के मुताबिक नालंदा में बाढ़ की स्थिति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में है। जिले की अधिकांश प्रमुख नदियां खतरे के निशान से काफी नीचे बह रही हैं और उनके जलस्तर में या तो स्थिरता बनी हुई है या लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण प्रमंडल की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर प्रशासन ने लोगों से किसी भी तरह की दहशत या घबराहट नहीं फैलाने की अपील की है। प्रशासनिक तंत्र भी स्थिति पर नजर रखते हुए चौबीसों घंटे फील्ड में सक्रिय है। तकनीकी आंकड़ों के अनुसार पौड़ा हेड वर्क पर सकरी नदी का जलस्तर 80.50 मीटर दर्ज किया गया है, जो खतरे के निशान से नीचे है और इसमें लगातार गिरावट जारी है। इसी तरह साथोपुर ब्रिज पर पंचाने नदी का जलस्तर 54.45 मीटर, बकरा चौरसुआ में गोईठवा नदी का जलस्तर 52.82 मीटर और सोईवा ब्रिज के पास सोईवा नदी का जलस्तर 54.44 मीटर दर्ज किया गया है। विभाग के अनुसार ये सभी नदियां फिलहाल सुरक्षित और स्थिर स्थिति में हैं। वहीं बेलदारियापर में कुम्भीरी नदी का जल प्रवाह शून्य दर्ज किया गया है। जीराईन नदी के जलस्तर में भी गिरावट देखी जा रही है, जिससे फिलहाल बाढ़ के किसी बड़े खतरे के संकेत नहीं हैं।

विवाहिता रहस्यमय ढंग से लापता, हत्या का आरोप

मुजफ्फरपुर। जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर हजारी गांव में करीब 28 वर्षीय विवाहिता के रहस्यमय ढंग से गायब होने का मामला सामने आया है। महिला के लापता होने की जानकारी मिलते ही मायके वाले आनन-फानन में ससुराल पहुंचे और अपने स्तर से उसकी तलाश शुरू की, लेकिन अब तक महिला का कोई सुराग नहीं मिला है। मायके वालों ने पुलिस को सूचना देकर ससुराल पक्ष पर महिला की हत्या कर शव गायब करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद ससुराल पक्ष के लोगों के फरार होने और घर पर बाहर से ताला लगे होने से परिजनों का संदेह और गहरा गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। लापता महिला की पहचान इंदु देवी (करीब 28 वर्ष), पति अवधेश राय के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, इंदु देवी की शादी वर्ष 2018 में हुई थी। उसके तीन बेटियां हैं। महिला के अचानक गायब होने की जानकारी मिलने के बाद मायके के लोग ससुराल पहुंचे और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों ने इसके बाद पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला की तलाश के साथ घटनास्थल की जांच शुरू की।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के सरैया थाना क्षेत्र के बसंतपुर उत्तरी पंचायत के कोन्ही टोला में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका ने करीब तीन महीने पहले पड़ोसी गांव के एक युवक से प्रेम विवाह किया था और वह स्नातक की छात्रा थी। बुधवार रात उसकी अचानक मौत हो गई। घटना के बाद ससुराल पक्ष के लोग कथित तौर पर गुपचुप तरीके से शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच मायके वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अंतिम संस्कार रुकवाकर शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस के पहुंचते ही ससुराल पक्ष के लोग मौके से फरार हो गए। मायके वालों ने दहेज के लिए हत्या किए जाने का आरोप लगाया है, जबकि ससुराल पक्ष का कहना है कि विवाहिता ने आत्महत्या का प्रयास किया था। जानकारी के अनुसार, सरैया थाना क्षेत्र के कोन्ही टोला निवासी रामनाथ सहनी के तीसरे पुत्र महेश सहनी ने पड़ोसी गांव की रहने वाली 22 वर्षीय स्नातक छात्रा से करीब तीन महीने पहले अंतरजातीय प्रेम विवाह किया था।

अजमेर शरीफ जा रही बस हुई अनियंत्रित

35 लोग घायल, मची चीख पुकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। अजमेर शरीफ दरगाह जा रहे पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के 59 यात्रियों की बस शुक्रवार भोर में बड़े हादसे का शिकार होते-होते बच गई। चालक की आंख लगने के बाद बस करीब 15-20 मिनट तक एनएच-19 पर अनियंत्रित होकर दौड़ती रही। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और लोग दुआएं पढ़ने लगे।

यात्रियों के मुताबिक, रातभर सफर के बाद करीब पांच बजे बस अचानक डगमगाने लगी। कभी बस सड़क के एक तरफ तो कभी दूसरी तरफ जाने लगी। करीब 15-20 मिनट तक यही स्थिति बनी रही। आखिरकार बस डिवाइडर पर चढ़ गई और गोखुला पुल के मुहाने पर जाकर रुक गई।

हादसे के बाद यात्रियों ने बताया कि बस अगर कुछ कदम और आगे बढ़

जाती तो पुल में गिर सकती थी। इस ख्याल से ही यात्री सहम गए। हादसे में 35 लोग घायल हुए।

सभी घायलों का बाराचट्टी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराया गया। गंभीर रूप से घायल जमातुन बीबी को मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर किया गया। हादसे के बाद यात्री फिलहाल बाराचट्टी सीएचसी और थाना परिसर के अंडरपास में रुके हुए हैं। पश्चिम बंगाल से दूसरी बस मंगाई जा रही है, जिससे सभी यात्रियों को वापस मुर्शिदाबाद भेजा जाएगा। हादसे के बाद बस चालक और खलासी के फरार होने की बात सामने आई है।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से सनसनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। जिले के भुरकुंडा थाना क्षेत्र के पाली गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों में मां संगीता और उनके दो बेटे रामकिशुन व साहिल शामिल हैं। कुछ ही समय के अंतराल में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चचाएं भी शुरू हो गई हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सबसे पहले परिवार के एक बेटे की तबीयत खराब हुई थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के दौरान मलेरिया और टाइफाइड होने की बात सामने आने की जानकारी है। बताया जा रहा है कि चिकित्सकीय उपचार के साथ परिजनों ने बीमारी ठीक होने के लिए झाड़-फूंक का भी सहारा लिया। इसी दौरान परिवार के दूसरे सदस्यों की तबीयत भी बिगड़ती चली गई। कुछ ही समय बाद दोनों बेटों की हालत गंभीर हो गई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। एक के बाद एक दोनों बेटों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजन इस सदमे से उबर भी नहीं पाए थे कि मां संगीता की तबीयत भी अचानक बेहद गंभीर हो गई।संगीता की हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें रामगढ़ के अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने

कुछ ही समय बाद हुई मां सहित दो बेटों की मौत

उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें रांची स्थित रिम्स लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। हालांकि, देर रात इलाज के दौरान संगीता ने भी दम तोड़ दिया। मां समेत दोनों बेटों की मौत के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत की खबर जैसे ही गांव में फैली, बड़ी संख्या में लोग मृतकों के घर पहुंचने लगे। पूरे गांव में शोक का माहौल है।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की लगातार मौत ने घटना को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रारंभिक जानकारी में मलेरिया और टाइफाइड की बात सामने आ रही है, लेकिन तीन लोगों की मौत के बाद ग्रामीणों के बीच अलग-अलग तरह की चचाएं हैं।

हालांकि, बीमारी ही मौत की वजह थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, यह जांच और चिकित्सकीय रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।फिलहाल स्थानीय स्तर पर मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। तीन मौतों ने पूरे पाली गांव को झकझोर कर रख दिया है और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

चाय दुकान पर बैठे युवक को बदमाशों ने मारी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी मोड़ के समीप चाय दुकान पर बैठे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक सवार हमलावर फरार हो गए।मृतक की पहचान जगदीशपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या 12 स्थित विशेन टोला निवासी मनोज यादव के 20 वर्षीय पुत्र अभय यादव के रूप में हुई है।

उसके सीने के पास गोली लगने का निशान पाया गया है। मृतक के भाई अमित यादव ने तियर थाना क्षेत्र के अंधारीबाग निवासी मनीष, राहुल यादव समेत अन्य लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है।

इधर, भोजपुर एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक युवक के संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त होने की बात भी सामने आ रही है। पुलिस स्वजन से पूछताछ करने के साथ स्थानीय स्तर पर भी जानकारी जुटा रही है। हत्या के कारणों और वारदात में शामिल आरोपितों का पता लगाने के लिए पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है।

घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। साथ ही संदिग्ध लोगों की गतिविधियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

बताया जाता है कि गुरुवार की रात अभय यादव तेंदुनी मोड़ स्थित एक चाय दुकान के पास बैठा था। इसी दौरान हथियारबंद बदमाश ने उसे गोली मार दी। गोली सीने के पास लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया है। डीएसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से घटना की जानकारी ली।

दुकानदार की दिलेरी से टली लूट की घटना

एक को लोगों ने दबोचा, दो फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। महुआ-हाजीपुर सड़क के करहनिया गांव में शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे ग्राहक बनकर बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने एक फर्नीचर दुकान में लूट का प्रयास किया, लेकिन दुकानदार की दिलेरी से एक बदमाश पकड़ा गया जबकि दो भाग निकले।

जानकारी के अनुसार करहनिया गांव में महेश सिंह की फर्नीचर दुकान है। दुकानदार ने बताया कि बाइक पर सवार तीन युवक दो-दो बार दुकान पर आए और ग्राहक बनकर उसे अंदर फर्नीचर दिखाने को कहा। इसी दौरान एक बदमाश ने कमर से पिस्टल निकालकर गोली चलाने की कोशिश की, लेकिन गोली फंस गई।

तभी दुकानदार ने हिम्मत दिखाते हुए एक बदमाश को दबोच लिया और हंगामा शुरू कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। भीड़ को आते देख दो बदमाश भाग निकले, जबकि एक को लोगों ने पकड़कर जमकर पिटाई कर दी।

सूचना पर महुआ थानाध्यक्ष अरविंद प्रसाद दल-बल के साथ पहुंचे और घायल बदमाश को भीड़ के चंगुल से निकालकर गिरफ्तार कर थाने ले गए। पुलिस ने घटनास्थल से एक पिस्टल और दो गोली भी बरामद की है। पुलिस पकड़े गए बदमाश से पूछताछ कर रही है और फरार दो बदमाशों की तलाश में जुटी है।

एमएलसी ने की रिंग रोड की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के चहुंमुखी विकास को गति देने के लिए स्थानीय विधान पार्षद डॉ. तरुण कुमार ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नगर निगम क्षेत्र में रिंग रोड निर्माण सहित पांच प्रमुख योजनाओं का औपचारिक प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। एमएलसी ने जिले के सर्वांगीण विकास से जुड़ी इन प्राथमिकताओं पर त्वरित सरकारी पहल का आग्रह किया।

एमएलसी ने समस्तीपुर शहर में प्रस्तावित 600 सीट वाले अटल कला भवन के निर्माण के लिए शीघ्र राशि जारी करने की मांग रखी। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि इस बहुप्रतीक्षित कला भवन के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है।इसके साथ ही उन्होंने जितवारपुर स्थित हाउसिंग बोर्ड मैदान में राज्य स्तरीय खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना और निर्माण का प्रस्ताव भी रखा।डॉ. तरुण कुमार ने जितवारपुर कोठी से अंगारघाट तक तटबंध पर स्थित जल संसाधन विभाग की सड़क के चौड़ीकरण का भी आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने क्षेत्र के सब्जी उत्पादक किसानों के हित में वेजफेड के माध्यम से आधुनिक कोल्ड स्टोरेज की स्थापना की मांग प्रमुखता से उठाई।

धूमधाम से मनायी गयी जन्माष्टमी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। मांझी प्रखंड के नचाप गांव स्थित रिद्धि सिद्धि सेंट्रल स्कूल में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। रंग-बिरंगे फूलों, झांकियों, गुब्बारों एवं अन्य सजावटी सामग्री से विद्यालय परिसर को मनमोहक रूप दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण एवं माता सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भजन, प्रार्थना, गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

जन्माष्टमी के अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने श्रीकृष्ण, राधा एवं ग्वाल-बाल के आकर्षक रूप धारण कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित

अभिभावकों एवं दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

छात्र आदर्श कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी बाल लीलाओं पर आधारित सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं नाटिका भी प्रस्तुत की। माखन चोरी, गोकुल की बाल लीलाएं तथा श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता जैसे प्रसंगों का जीवंत मंचन किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

विद्यालय में आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया और श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की लीलाओं को जीवंत कर दिया। इस दौरान विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट और जयकारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन के अध्यक्ष परमेश्वर सिंह, प्रचार्य दशरथ साह, निदेशक राकेश कुमार सिंह व संयुक्त निदेशक मुकेश कुमार सिंह सहित संतोष कुमार सिंह की ओर से कहा गया कि ऐसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों से बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपरा और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके आदर्शों से परिचित होने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बाढ़ से जनजीवन अस्त व्यस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। जिले में गंगा, कर्मनाशा, ठोरा, धर्मावती और कंचन नदियों के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ का संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। केंद्रीय जल आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार की सुबह 6:00 बजे बक्सर स्टेशन पर गंगा नदी का जलस्तर 60.50 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान (60.32 मीटर) से 18 सेंटीमीटर ऊपर है। वहीं, चौसा के पास कर्मनाशा नदी का वर्तमान जलस्तर 62.23 मीटर तक पहुंच गया है, जो खतरे के निशान (60.39 मीटर) से 1.84 मीटर ऊपर बह रही है। इसके कारण निचले इलाकों में पानी तेजी से फैल रहा है। इस ताजा बढ़ोतरी के कारण जिले के ब्रह्मपुर, सिमरी, बक्सर और चौसा प्रखंड के कई तटवर्ती गांवों में जनजीवन अस्त-व्यस्त है। चक्की, इटाढ़ी और राजपुर कुछ गांवों में भी बाढ़ का असर है। बक्सर-मोहनिया राष्ट्रीय राज मार्ग पर बनारपुर गांव की पुलिया के पास, जनेश्वर मिश्र सेतु का संपर्क पथ, इटाढ़ी-अतरौना सड़क और रामपुर-तिवाय मार्ग पर बाढ़ का पानी बहने लगा है।

कचरे के ढेर से ताम्र नगरी के लोग परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुसाबनी। कभी अपनी हरियाली और साफ-सफाई के लिए पहचान रखने वाली ताम्र नगरी मुसाबनी इन दिनों जगह-जगह पसरे कचरे से परेशान है। मुसाबनी टाउनशिप से लेकर बाजार और बस स्टैंड तक कई स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे हैं।

बरसात के बाद कचरे से निकल रही दुर्गंध और सड़ांध ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका से स्थानीय लोग चिंतित हैं। कूड़ा फेंकने के लिए पंचायत की ओर से कई जगह डस्टबिन की व्यवस्था की गई है, लेकिन जागरूकता के अभाव में लोग उसका समुचित उपयोग नहीं कर रहे हैं। घरों और दुकानों से निकलने वाला कचरा लोग पॉलीथिन में भरकर मौका मिलते ही सड़क किनारे या खाली जगहों पर फेंक देते हैं। नियमित सफाई और कचरे के उठाव में कमी के कारण डस्टबिन के आसपास भी कचरे का अंबार लग गया है।बाजार में दुकानों के पीछे और सड़क किनारे जमा कचरे से दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी हो रही है। दुकानदारों का कहना है कि नियमित सफाई नहीं होने तथा आसपास के लोग बाजार और घरों का कचरा यहां डाल देते हैं। इससे दुर्गंध के बीच दुकानदारी करना मुश्किल हो रहा है।पंचायत के लैम्पस कार्यालय के आसपास भी कचरा बिखरा पड़ा है। लोगों द्वारा यहां कचरा फेंके जाने से कार्यालय परिसर की खूबसूरती प्रभावित हो रही है। वहीं, मुसाबनी बस स्टैंड के समीप यत्र-तत्र पड़े कचरे के ढेर से भी लोगों की परेशानी बढ़ गई है। यहां आने-जाने वाले यात्रियों और आसपास के लोगों को दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है।

सबसे चिंताजनक स्थिति उन स्थानों की है, जहां कचरे के ढेर के आसपास मस्जिद, गुरुद्वारा, मंदिर और स्कूल स्थित हैं।

बिहार की धरती महान शिक्षकों और विद्वानों की : मंत्री

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर बिहार केसरी सम्मान में शामिल हुए मंत्री श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास एवं जनसंपर्क सह जदयू विधायक दल के नेता मंत्री श्रवण कुमार ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के वास्तविक निर्माता होते हैं। उनके सम्मान से बड़ा कोई सम्मान नहीं है। प्राचीन काल से ही बिहार शिक्षा और शिक्षकों की भूमि रही है। नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों ने पूरी दुनिया को ज्ञान का प्रकाश दिया है। आचार्य चाणक्य से लेकर आर्यभट्ट तक, इस धरती ने महान शिक्षकों और विद्वानों को जन्म दिया है जिन्होंने शिक्षा को हमेशा सर्वोच्च सम्मान दिया है। मंत्री शुक्रवार को कंकड़बाग कॉलोनी में सरगम कला एवं समाज कल्याण मंच की ओर से बिहार केसरी सम्मान सह रंगारंग सांस्कृतिक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस दौरान मंत्री ने जदयू के वरिष्ठ नेता पंकज पटेल, पटना के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. दिवाकर तेजस्वी, संस्था के अध्यक्ष विश्व मोहन चौधरी, कार्यक्रम संयोजक रिषभ राठौर, वरिष्ठ रंगकर्मी आलोक चोपड़ा, कलाकार शबनम परवीन, सिमरन कुमारी, सुनीता रंजन, आलिजा बानो सहित अन्य गणमान्य लोगों को सम्मानित किया।

एनसीबी ने नष्ट किए 4.54 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स जब्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने पटना में 4.54 करोड़ रुपए मूल्य की जब्त ड्रग्स को नष्ट कर दिया जिससे नशामुक्त भारत के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि बड़े पैमाने पर की गई यह कार्रवाई जब्त की गई ड्रग्स के पुनः प्रचलन को रोकने और ड्रग तस्करी नेटवर्क को बाधित करने के एनसीबी के संकल्प को रेखांकित करती है। ड्रग कार्टेल के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए जनता से समर्थन मांगते हुए एनसीबी ने कहा कि नागरिक मानस हेल्पलाइन (टोल-फ्री: 1933) के माध्यम से ड्रग्स से संबंधित जानकारी दे सकते हैं। सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। इससे पहले 31 अगस्त को अपने राष्ट्रीय आउटरीच कार्यक्रम के तहत एनसीबी, मुंबई ने मुंबई के साइटेक सेंटर में प्रीकर्सर और अन्य रसायनों के लिए स्वैच्छिक आचार संहिता (वीसीसी) पर एक सेमिनार का आयोजन किया था।

शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन को विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने किया नमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

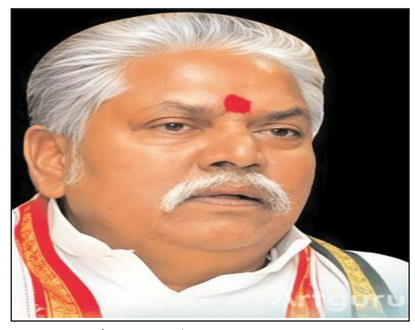

पटना। भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रसिद्ध दार्शनिक एवं प्रखर शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। अपने संदेश में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन और उनके विचार शिक्षा के महत्व को समझने तथा समाज और राष्ट्र के विकास में शिक्षकों की भूमिका को सम्मान देने की प्रेरणा देते हैं। शिक्षा राष्ट्र के निर्माण और सामाजिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। शिक्षकों का सम्मान वास्तव में शिक्षा, ज्ञान और राष्ट्र के भविष्य का सम्मान है। शिक्षित एवं संस्कारवान पीढ़ी ही देश के सतत विकास और सशक्त राष्ट्र निर्माण का आधार है। उन्होंने कहा कि यह दिवस देश के शिक्षकों के योगदान और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर है। शिक्षक विद्यार्थियों को ज्ञान देने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, नैतिकता और मानवीय मूल्यों का विकास करते हैं तथा उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने शिक्षक दिवस के अवसर पर देश एवं राज्य के सभी शिक्षकों तथा शिक्षाविदों को शुभकामनाएं देते हुए उनसे नई पीढ़ी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सामाजिक जवाबदेही तथा राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करने का आह्वान किया।

राज्यपाल, बिहार के साथ महाप्रबंधक, पूर्व मध्य रेल की शिष्टाचार भेंट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त)सैयद अता हसनैन से लोक भवन, पटना में आज पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने शिष्टाचार मुलाकात की। राज्यपाल से मुलाकात में महाप्रबंधक ने बिहार राज्य में यात्री सुविधा और रेल विकास से जुड़े पूर्व मध्य रेल की विभिन्न योजनाओं की प्रगति से राज्यपाल को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने रेलवे के क्रिया-कलाप, यात्री सुविधा में और सुधार के उपायों तथा रेल विकास आदि से जुड़े विषयों पर राज्यपाल से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

12 सितंबर को राज्यभर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में वाहन मालिकों और चालकों के लिए राहत भरी खबर है। राज्यभर में 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा जिसमें 90 दिनों से अधिक समय से लंबित ई-चालानों का निपटारा 50 प्रतिशत राशि जमा कर किया जा सकेगा। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के सहयोग से यह विशेष अभियान सभी जिलों के न्यायालय परिसरों में चलेगा। इसके लिए 7 से 11 सितंबर के दौरान आम नागरिक डीटीओ ऑफिस में जाकर अपना चालान जमा कर सकेंगे। यह सुविधा चालान निपटारे में सहूलियत के लिए पहले से प्रदान की जा रही है। राजधानी पटना में लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को गांधी मैदान और सिविल कोर्ट में आयोजित किया जाएगा। आगामी आयोजन 'एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना-2026' के तहत किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य लंबे समय से लंबित ट्रैफिक मामलों का तेजी से निपटारा करना और लोगों को कानूनी प्रक्रिया में सुविधा देना है।

20 हजार चालान से 5 करोड़ रुपए जमा

इसके पूर्व मई माह में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भी इसी तरह 50 प्रतिशत छूट के साथ 20 हजार से अधिक चालान निपटाए गए थे, जिसमें 5 करोड़ रुपए की राशि जमा की गई थी। अब राष्ट्रीय लोक अदालत में फिर से यह अवसर मिल रहा है।

शिक्षकों के एआई संवर्द्धन के लिए गूगल इंडिया के साथ होगा समझौता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शिक्षक दिवस पर पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में शिक्षकों के एआई संवर्द्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जाएगी। इस दौरान शिक्षकों को एआई के क्षेत्र में सक्षम बनाने के लिए गूगल इंडिया के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया जाएगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की मौजूदगी में एससीईआरटी के निदेशक और गूगल के प्राधिकृत प्रतिनिधि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे। इस समझौते के माध्यम से शिक्षकों के एआई संबंधी ज्ञान और कौशल को बढ़ाने की दिशा में काम किया जाएगा। विकास भवन स्थित सभागार में गुरुवार को शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की मौजूदगी में हुई बैठक में समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। समारोह का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में दोनों उप मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी करेंगे। इस दौरान हर जिले से चयनित एक-एक शिक्षक को राजकीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। समारोह को राज्य के अधिक से अधिक विद्यालयों तक पहुंचाने के लिए इसका सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय समेत राज्य के जिन माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब की सुविधा उपलब्ध है, वहां समारोह का सीधा प्रसारण किया जाएगा। इससे विद्यालयों में मौजूद शिक्षक और विद्यार्थी भी सीधे जुड़ सकेंगे। समारोह के दूसरे सत्र में स्कूली बच्चे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे और अपनी प्रतिभा के माध्यम से शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करेंगे।

गरीबों के हित की राजनीति करता है हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा : संतोष कुमार सुमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के नेता डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि देश में आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की पहल सबसे पहले जीतन राम मांझी ने की थी। उन्होंने कहा कि फरवरी 2015 में बिहार के मुख्यमंत्री रहते मांझी की कैबिनेट ने आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव पारित किया था। हालांकि कुछ ही दिनों बाद मांझी को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया और यह निर्णय लागू नहीं हो सका। सुमन ने कहा कि बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का ऐतिहासिक निर्णय लेकर इसे पूरे देश में लागू किया। इसके लिए उन्होंने नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि गरीब की तकलीफ जाति देखकर नहीं आती। इसलिए आरक्षण के लाभ की समीक्षा और दलित समाज में 'कोटे में कोटा' जैसे विषयों पर शांतिपूर्ण एवं सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका उद्देश्य किसी का अधिकार छीनना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षण का लाभ समाज के सबसे गरीब और वंचित परिवारों तक भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि सवर्ण समाज के एक वर्ग द्वारा सामाजिक माध्यमों पर सवाल उठाए जाने के बाद कुछ लोगों को सवर्णों की चिंता होने लगी। सवाल है कि गरीबों की चिंता राजनीतिक दबाव के बाद ही क्यों शुरू होती है। सुमन ने कहा कि हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा संकीर्ण जातीय राजनीतिक समीकरणों के बजाय व्यापक गरीब-केंद्रित राजनीति में विश्वास करता है। पार्टी का नारा है– 'सबका इरादा नेक हो, भारत के गरीबों एक हो।'

उन्होंने बताया कि पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह, जननायक कर्पूरी ठाकुर और बाबा दशरथ मांझी को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पारित किया था। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिलने पर नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. श्रीकृष्ण सिंह और बाबा दशरथ मांझी को भारत रत्न देने की मांग अब भी जारी है। सुमन ने कहा कि हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा दबाव में अपने नारे और सिद्धांत नहीं बदलता तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के सिद्धांत पर विश्वास करता है।

एसबीआईएफएमएल ने फतुहा के विस्टेक्स अस्पताल में आपात, ट्रॉमा और सर्जरी की सेवाएं शुरू की

50 गांवों और आसपास के इलाकों के चार लाख लोगों को पहुंचेगा सीधा फायदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फतुहा/पटना। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने डॉक्टर्स फॉर यू के साथ साझेदारी में फतुहा के मसढ़ी स्थित विस्टेक्स अस्पताल की अहम स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद की। इसके तहत तीन प्रमुख इकाइयों के लिए जरूरी चिकित्सा उपकरण दिए गए हैं, आपात एवं ट्रॉमा केंद्र, केंद्रीय स्टरलाइजेशन सेवा विभाग और ऑपरेशन थिएटर। इससे अस्पताल समय पर आपात, ट्रॉमा, जांच और सर्जरी की सेवाएं दे पा रहा है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ देबाशीष मिश्रा ने कहा कि एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड में हम ऐसी पहल के लिए प्रतिबद्ध हैं जो वंचित समुदायों तक जरूरी सेवाओं की पहुंच बढ़ाएं। विस्टेक्स अस्पताल में आपात, ट्रॉमा और सर्जरी की सेवाओं को मजबूत करने में हमारा सहयोग इसी सोच को दिखाता है क्योंकि इससे लोगों के घरों के पास ही अहम सरकारी स्वास्थ्य ढांचा पुख्ता होता है। हम ऐसी साझेदारियों को अहमियत देते हैं जो स्थानीय स्तर पर टिकाऊ बदलाव लाएं।

अब गांवों में प्राथमिक पशु चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराएंगी 'सुधा सखियां'

कॉम्फेड और जीविका के संयुक्त प्रयास से सात हजार जीविका दीदियों को दिया जा चुका है डेयरी और पशुपालन का प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में पशु चिकित्सा और पशुपालन के क्षेत्र में मौन क्रांति लाने की तैयारी चल रही है जिसकी कमान 'सुधा सखियों' के हाथों में होगी। बिहार के दुग्ध क्षेत्र में महिला सशक्तीकरण को नई दिशा देते हुए बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (कॉम्फेड) ने 'सुधा सखी' पहल की शुरुआत की है। इस पहल का विस्तार राज्य की 8 हजार 53 पंचायतों तक किया जाना है। इसके पहले चरण में 38 जिलों से चयनित महिलाओं के लिए छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह प्रशिक्षण पटना स्थित कॉम्फेड के सभागार में 31 अगस्त से शुरू हुआ है और 05 सितंबर तक चलेगा। प्रशिक्षण के दौरान सुधा सखियों को पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा, संतुलित पशु आहार, कृत्रिम गर्भाधान और वैज्ञानिक पशुपालन से जुड़ी आवश्यक सेवाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद ये सखियां गांव स्तर पर पशुपालकों और पशु चिकित्सकों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेंगी। इस पहल से दो बड़े लाभ होंगे– एक तरफ ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता और स्थायी रोजगार का अवसर मिलेगा वहीं दूसरी ओर पशुपालकों को अपने गांव में ही विशेषज्ञ मार्गदर्शन और सेवाएं मिल सकेंगी। इसे बिहार के दुग्ध क्षेत्र में महिला नेतृत्व और ग्रामीण सेवा-तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इससे पहले कॉम्फेड और जीविका के संयुक्त प्रयास से करीब 7 हजार जीविका दीदियों को डेयरी और पशुपालन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ये प्रशिक्षित पशु सखियां अब अपने-अपने गांवों में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिला सदस्यों को प्रशिक्षण दे रही हैं।

राज्य में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता

अनियमितता पाए जाने पर लाइसेंस रद्द : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है तथा वर्तमान में किसी भी जिले में उर्वरक की कोई कमी नहीं है। किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप समय पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री ने बताया कि 04 सितंबर की स्थिति के अनुसार राज्य में 3.44 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.52 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 2.48 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 0.71 लाख मीट्रिक टन एमओपी तथा 1.17 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने पदाधिकारियों को निदेश दिया कि उर्वरक का उप-आवंटन आवश्यकता एवं आच्छादन के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। ताकि किसी भी क्षेत्र में कृत्रिम अभाव की स्थिति उत्पन्न न हो। कृषि मंत्री ने कहा कि उर्वरक की निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री, कालाबाजारी, जमाखोरी तथा किसानों के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता को राज्य सरकार द्वारा गंभीरता से लिया जा रहा है।

भारतीय जीवन बीमा निगम ने दो नई योजनाएं शुरू की

एलआइसी की बीमा प्लेटिनम एवं एलआइसी की जीवन रक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय जीवन बीमा निगम की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर एलआईसी के सीईओ और एमडी आर. दोरईस्वामी ने आज दो नई योजनाएं-एलआईसी बीमा प्लेटिनम (प्लान 770) और एलआईसी जीवन रक्षा (प्लान 894) लांच की हैं। इन दोनों योजनाओं की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं- यह एक नॉन-पार्टिसिपेटिंग, नॉन-लिंक्ड व्यक्तिगत योजना है जो बचत और सुरक्षा का एक बेहतरीन संयोजन प्रदान करती है। यह एक सीमित प्रीमियम भुगतान योजना है जिसमें प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान भुगतान किए गए प्रति 1000/- के वार्षिक प्रीमियम पर 70/- की दर से गारंटीकृत जोड़ का लाभ मिलता है। यह गारंटीकृत जोड़ प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान प्रत्येक वर्ष के अंत में जमा किया जाएगा। इस योजना की एक खास विशेषता यह है कि प्रीमियम भुगतान अवधि खत्म होने के बाद 5वें वर्ष के अंत में पॉलिसीधारक के जीवित रहने पर मूल बीमा राशि के 70% के बराबर बूस्टर इनकम बेनिफिट देय होगा। योजना के तहत पेआउट अवधि (पॉलिसी अवधि में से प्रीमियम भुगतान अवधि घटाकर) के दौरान प्रत्येक वर्ष के अंत में मूल बीमा राशि के 10% के बराबर नियमित आय लाभ भी दिया जाएगा। न्यूनतम मूल बीमा राशि 3,00,000 है। इसकी कोई अधिकतम सीमा नहीं है, लेकिन अधिकतम मूल बीमा राशि बोर्ड द्वारा अनुमोदित अंडरराइटिंग नीति के अनुसार स्वीकृति के अधीन होगी। मूल बीमा राशि 10,000/- के गुणकों में होनी चाहिए।

बिहार में हाइटेक हेल्थकेयर मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा बढ़ावा

हाजीपुर और फतुहा में स्थापित होंगी मेडिकल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रदेश में फार्मास्युटिकल क्षेत्र को सुदृढ़ के साथ अत्याधुनिक दवाओं व मेडिकल उपकरण को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इसी क्रम में हाजीपुर और फतुहा औद्योगिक क्षेत्रों में आधुनिक मेडिकल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित की जा रही है। इन परियोजनाओं से राज्य में मेडिकल उपकरणों, डिवाइसेज, सर्जिकल उत्पादों और दवाओं के स्थानीय उत्पादन को गति मिलेगी। हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र में मेसर्स एक्सल इंडस्ट्रीज द्वारा 5.47 करोड़ के निवेश से लगभग 0.31 एकड़ भूमि पर मेडिकल इक्विपमेंट, फर्नीचर और संबद्ध उत्पादों की आधुनिक विनिर्माण इकाई स्थापित की जा रही है। वहीं आइ ए फतुहा में मेसर्स एक्स सेल साइंटिफिक प्रा. लि. द्वारा 55 करोड़ के निवेश से लगभग 0.81 एकड़ भूमि पर मेडिकल डिवाइसेज, इम्प्लांट्स, ड्रग्स और सर्जिकल प्रोडक्ट्स के निर्माण की इकाई स्थापित की जा रही है। मेडिकल उपकरणों के स्थानीय उत्पादन को मिलेगी मजबूती। हाजीपुर और फतुहा में स्थापित होने वाली इन इकाइयों से राज्य में मेडिकल क्षेत्र से जुड़े उत्पादों के स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। हाजीपुर की इकाई में मेडिकल इक्विपमेंट, मेडिकल फर्नीचर और संबद्ध उत्पादों जबकि फतुहा की इकाई में मेडिकल डिवाइसेज, इम्प्लांट्स, दवाओं और सर्जिकल उत्पादों का निर्माण किया जाएगा।

केवाइपी बचाओ महा आंदोलन को मिली बड़ी सफलता 1700 केंद्रों पर प्रशिक्षण बहाली का आश्वासन

चार दिन की भूख हड़ताल के बाद अनशन समाप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा/वैशाली। बिहार के केवाईपी केंद्र संचालकों द्वारा पटना के गर्दनीबाग में चलाए जा रहे केवाईपी बचाओ महाआंदोलन में शुक्रवार को बड़ा मोड़ आया। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद चार दिनों से जारी सामूहिक भूख हड़ताल समाप्त कर दी गई। सरकार की ओर से बिहार के करीब 1700 केवाईपी केंद्रों पर प्रशिक्षण बहाल कराने का आश्वासन दिया गया है। आंदोलन में जंदाहा प्रखंड स्थित कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी के संचालक सह केवाईपी वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. आनन्द रंजन झा ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने कहा कि 'संपूर्ण बिहार के केवाईपी केंद्र संचालकों की एकजुट लड़ाई में बड़ी सफलता मिली है। बंद पड़े सभी केवाईपी प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण बहाल करने का आश्वासन मिला है। अब जल्द ही केंद्रों पर प्रशिक्षण शुरू होने की उम्मीद है।' भूख हड़ताल पर बैठे अमोद कुमार सिंह, आशुतोष कुमार, विकास झा, दयानंद झा, अरुण कुमार सिंह सहित बक्सर जिले के कई केवाईपी केंद्र संचालकों ने सरकार के आश्वासन के बाद अनशन समाप्त किया। इस दौरान उपस्थित सभी केवाईपी केंद्र संचालकों ने अनशनकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके संघर्ष और योगदान की सराहना की। आंदोलन के चौथे दिन केंद्र संचालक जितेंद्र तिवारी की तबीयत बिगड़ने के बाद दीघा विधायक संजीव चौरसिया धरना स्थल पहुंचे।

बिहार राज्य योजना पर्षद के उपाध्यक्ष देवेश कुमार ने संभाला पदभार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व विधान परिषद् सदस्य देवेश कुमार ने शुक्रवार को बिहार राज्य योजना पर्षद के उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद उन्होंने राज्य के समावेशी, संतुलित और सतत विकास के लिए योजना पर्षद की भूमिका को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकसित बिहार 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सुनियोजित, साक्ष्य-आधारित और दीर्घकालिक योजना निर्माण आवश्यक है। पदभार ग्रहण करने के बाद देवेश कुमार ने कहा कि बिहार राज्य योजना पर्षद राज्य के विकास की दिशा तय करने और विभिन्न क्षेत्रों में दीर्घकालिक एवं समावेशी विकास की रणनीति तैयार करने वाली महत्वपूर्ण संस्था है। राज्य में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर और प्रभावी उपयोग करते हुए विकास के निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पर्षद की भूमिका को और सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार तेजी से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ऐसे में भविष्य की जरूरतों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं का निर्माण जरूरी है। योजना पर्षद राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास की प्राथमिकताओं, नीतियों और योजनाओं पर आवश्यक सुझाव एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगी। उल्लेखनीय है कि बिहार राज्य योजना पर्षद का गठन वर्ष 1972 में किया गया था। पर्षद राज्य की वार्षिक और दीर्घकालीन योजनाओं के सूत्रण, अध्ययन, शोध तथा विभिन्न विकास कार्यक्रमों की समीक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में 24 घंटे अखंड कीर्तन का भव्य शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम हुआ। यहां 24 घंटे के अखंड हरे कृष्ण महामंत्र कीर्तन का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अखंड कीर्तन की शुरुआत बिहार राज्य धार्मिक न्यास पार्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती नम्रता के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर एवं भगवान की आरती संपन्न की। आज बिहार राज धार्मिक न्यास पर्षद के अंतर्गत सभी मठ मंदिरों में जन्माष्टमी पूरे उल्लास के साथ मनाया जा रहा है और हम सभी मठ और मंदिरों के सम्मानित महंत एवं सभी न्यास समिति के सदस्यों को जन्माष्टमी के अवसर पर शुभकामना देते हैं। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, करुणा और धर्म की स्थापना का प्रतीक है। इस तरह के अखंड कीर्तन से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और भक्ति भाव का संचार होता है।

गांधी मैदान में सजा देशभर के हस्तशिल्प का अनूठा संसार

150 मास्टर कारीगरों के हुनर और हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री, 10 सितंबर तक चलेगा आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, भारतीय हस्तशिल्प एवं राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गांधी शिल्प बाजार (नेशनल) - 2026 प्रदर्शनी-सह-बिक्री का भव्य शुभारंभ गांधी मैदान, गेट नंबर 5 के पास किया गया। इस बाजार का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार सरकार के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव शीर्षत कपिल अशोक, विशिष्ट अतिथि विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के सहायक निदेशक (हस्तशिल्प) भारत सरकार मुकेश कुमार, पूर्व अपर विकास आयुक्त (हथकरघा) सोहन कुमार झा, उप विकास अधिकारी, उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, बिहार सरकार सत्यानंद शर्मा, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हेमा देवी, एचपीओ ऋषिन पाल, सामजसेवी अर्चना, एनसीएचएचडी के टेक्निकल एडवाइजर मनोज झा एवं प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर ललित बाबू द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। गांधी शिल्प बाजार में देश के विभिन्न राज्यों से आए 150 मास्टर कारीगर अपने हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन और सीधे उपभोक्ताओं को बिक्री कर रहे हैं। इनमें 105 सामान्य वर्ग तथा 45 अनुसूचित जाति के कारीगर शामिल हैं।

संपादकीय

भ्रष्टाचार की दीमक- सरकारी दावों के बीच 70 हजार से ज्यादा शिकायतें

भ्रष्टाचार की समस्या केवल कुछ सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, विनिर्माण, राजस्व, खनन और व्यापार जैसे अनेक क्षेत्रों में इसके अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। किसी भी लोकतांत्रिक और विकासशील देश के लिए भ्रष्टाचार एक गंभीर चुनौती है। जब सार्वजनिक पद और संस्थाओं का उपयोग निजी लाभ के लिए होता है, तो वह व्यवस्था को पंगु बना देता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं, जिनमें घूसखोरी, धन की हेराफेरी, सरकारी कार्यों में अनियमितता, भाई-भतीजावाद और चंद लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों में बदलाव भी शामिल हैं। देश ने आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन भ्रष्टाचार आज भी विकास की राह में बड़ी बाधा बना हुआ है। केंद्रीय सतर्कता आयोग की वर्ष 2025 की रिपोर्ट भी इसकी तस्दीक करती है।इसके मुताबिक, पिछले साल आयोग को सरकारी संस्थाओं के खिलाफ भ्रष्टाचार की 70 हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें सबसे ज्यादा शिकायतें बैंक और रेलवे से जुड़ी थीं। ये आंकड़े सरकार के उन दावों की हकीकत बयान करते हैं, जिनमें कहा जाता है कि भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर अमल किया जा रहा है। ऐसे में सवाल सिर्फ विकास के बाधित होने या सरकारी धन के दुरुपयोग का ही नहीं है, बल्कि सरकार पर जनता के भरोसे को लेकर बढ़ते संकट का भी है।भ्रष्टाचार की समस्या केवल कुछ सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, विनिर्माण, राजस्व, खनन और व्यापार जैसे अनेक क्षेत्रों में इसके अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। इस कारण आम नागरिक को कई बार अपने जरूरी कार्यों के लिए भी अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, सरकारी सेवाओं को डिजिटल और सरल बनाने पर जोर दिया जा रहा है, मगर ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव आज भी साफ नजर आता है और यही भ्रष्टाचार के खात्मे में सबसे बड़ी रुकावट है। केंद्रीय सतर्कता आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल देश के विभिन्न बैंकों में भ्रष्टाचार से जुड़ी सबसे अधिक 9,933 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 9,520 शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। इसी तरह रेलवे से संबंधित 9,381 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 8,754 शिकायतों का निपटारा किया गया। तीसरे स्थान पर आवास और शहरी मामलों का विभाग है, जिसकी 6,531 शिकायतें आयोग के पास दर्ज हुईं। ये तीनों सरकारी महकमे ऐसे हैं, जिनसे आम लोगों का सबसे ज्यादा सरोकार रहता है।भ्रष्टाचार की दीमक किस तरह फैल रही है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है। व्यक्तिगत स्तर पर ईमानदारी और नैतिक मूल्यों में गिरावट तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जटिलता, कमजोर निगरानी और दोषियों को समय पर सजा न मिलने से भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया।

मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा- भारतीय चिंतन की सार्थक प्रस्तुति

(ललित गर्ग)

मोहन भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की विराट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ।

न्यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व की उनकी व्याख्या को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस

व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है।

भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। यह संदेश आज के विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। अनेक देशों में धार्मिक पहचान, नस्लीय भेद, सांस्कृतिक असहमति और राजनीतिक ध्रुवीकरण सामाजिक तनाव बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय भारत का अनुभव यह बताता है कि भिन्नताओं को मिटाना आवश्यक नहीं, उन्हें सम्मान देकर भी एकता स्थापित की जा सकती है। यही विचार भागवत के संबोधन को सामान्य राजनीतिक भाषण से ऊपर उठाता है। उनका आग्रह था कि विविधता को स्वीकार ही नहीं, सम्मान और संरक्षण भी मिलना चाहिए। संघ की सार्वजनिक छवि का एक बड़ा हिस्सा राजनीतिक विमर्श से निर्मित हुआ है, जबकि संघ स्वयं को सामाजिक संगठन और सेवा-आधारित सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। भागवत ने अमेरिका में भी सेवा, सामाजिक समरसता और संवाद को परिवर्तन का आधार बताया। यही वह बिंदु है जहां संघ की छवि को केवल चुनावी राजनीति के चश्मे से देखने की सीमा सामने आती है। किसी संगठन को समझने के लिए उसके राजनीतिक प्रभाव के साथ उसकी सामाजिक गतिविधियों, सेवा-कार्य, संगठनात्मक संस्कृति और वैचारिक आधार को भी देखना आवश्यक है। भागवत की यात्रा ने कम से कम इतना अवसर अवश्य दिया कि संघ को उसके अपने शब्दों और उसके सरसंघचालक की प्रत्यक्ष व्याख्या के आधार पर सुना जाए।

अमेरिका में बसे भारतीयों से भागवत ने एक संतुलित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस देश में वे रह रहे हैं, वह उनकी कर्मभूमि है और वहां के प्रति उनकी निष्ठा तथा दायित्व सर्वोपरि हैं। साथ ही भारत उनकी जन्मभूमि है, जिससे उन्हें मानवीय मूल्यों और सांस्कृतिक संस्कारों की विरासत मिली है। यह दृष्टि प्रवासी भारतीयों के सामने पहचान के संघर्ष के बजाय पहचान के समन्वय का मार्ग रखती है। अपनी जड़ों से जुड़े रहना और जिस समाज में रह रहे हैं उसके प्रति पूर्ण निष्ठा रखना-दोनों एक साथ संभव हैं। यही भारतीय संस्कृति की उदारता है। यह भी तथ्य है कि भागवत के कार्यक्रम का अमेरिका में विरोध हुआ और संघ की विचारधारा को लेकर तीखी आलोचनाएं सामने आईं। लेकिन लोकतांत्रिक समाज में किसी विचार का उत्तर उसे दबाकर नहीं, उसके साथ संवाद करके दिया जाता है। इस दृष्टि से यह यात्रा संघ के लिए भी एक परीक्षा थी। भागवत ने विरोध का उत्तर आक्रामक भाषा में देने के बजाय एकात्मता, मानवता और सह-अस्तित्व की बात की। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। आलोचक उनके शब्दों और संघ के व्यवहार के बीच अंतर का प्रश्न उठा रहे हैं, समर्थक इसे संघ के मूल विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति मान रहे हैं। इस बहस का अंतिम निर्णय समय और व्यवहार करेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि बहस अब अधिक प्रत्यक्ष और वैश्विक हो गई है। मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को संघ की छवि पर वर्षों से चले आ रहे विवाद का अंतिम उत्तर मानना अतिशयोक्ति होगी। किंतु इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ अवश्य कहा जा सकता है। जिन लोगों ने संघ को केवल राजनीतिक आरोपों और विरोधी व्याख्याओं के माध्यम से जाना है, उन्हें पहली बार इतने बड़े वैश्विक मंच पर उसके शीर्ष नेतृत्व की विचार-दृष्टि को सीधे सुनने का अवसर मिला। यह यात्रा संघ के लिए एक उजाला इसलिए बनी है कि इसमें प्रतिरक्षा की भाषा कम और आत्मविश्वास की भाषा अधिक दिखाई दी। इसमें यह कहने का प्रयास था कि भारतीयता किसी के निषेध से नहीं, सबके सम्मान से मजबूत होती है, हिंदुत्व किसी समुदाय के बहिष्कार से नहीं, मानवता की एकात्म दृष्टि से सार्थक होता है और भारत की शक्ति उसकी समानता में नहीं, उसकी विविधताओं के बीच बनी रहने वाली सांस्कृतिक एकता में है। आज विश्व को केवल आर्थिक शक्ति, सैन्य शक्ति और तकनीकी प्रगति की आवश्यकता नहीं है। उसे ऐसा जीवन-दर्शन भी चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके। भागवत के अमेरिकी संबोधन में भारत की इसी भूमिका की कल्पना दिखाई दी-एक ऐसा भारत जो अपनी परंपरा के बल पर विश्व को सह-अस्तित्व, संवाद और एकात्मता का रास्ता दिखा सके। मोहन भागवत की यह यात्रा इसलिए स्मरणीय रहेगी कि उसने संघ के बारे में चल रही बहस को भारत की सीमाओं से निकालकर विश्व के सार्वजनिक विमर्श में पहुंचा दिया। अब संघ की पहचान केवल उसके विरोधियों के आरोपों या समर्थकों के दावों से नहीं, बल्कि उसके विचार, उसके व्यवहार और समाज के साथ उसके संवाद से तय होगी। अंततः किसी विचारधारा की सबसे बड़ी शक्ति उसका प्रचार नहीं, उसका आचरण होता है। अमेरिका की धरती से भागवत ने जो संदेश दिया है, उसकी वास्तविक कसौटी भारत की धरती पर सामाजिक समरसता, सेवा, संवाद और सह-अस्तित्व के रूप में दिखाई देगी। यदि यह संदेश व्यवहार में उतरता है, तो यह केवल संघ की छवि को नहीं, भारत की वैश्विक सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को भी नई ऊंचाई दे सकता है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेजी से बदल रही है भारत की तस्वीर

(प्रह्लाद सबनानी)

भारतीय युवा आज न केवल भारत में तेजी से यूनिकोन विकसित कर रहा है बल्कि आज भारतीय अन्य देशों में पहुंच कर अपने व्यापार का विस्तार भी कर रहे हैं, इसी कारण से आज प्रतिवर्ष भारत से लगभग 7 लाख नागरिक विभिन्न देशों में जाकर बस रहे हैं। श्री लक्ष्मी मित्तल ने ब्रिटेन में आरसेलोर स्टील कम्पनी खरीद ली है।

भारत के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों, टाटा, बिरला, रिलायंस, अडानी, आदि को अपना व्यवसायिक साम्राज्य खड़ा करने में दशकों लग गए थे। इन समूहों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचाने में लगभग 30 वर्षों का समय लगा था परंतु आज के युवावर्ग द्वारा स्थापित की जा रही कम्पनियों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंचाने में केवल 1 से 3 वर्ष का समय लग रहा है। भारत में समय बहुत तेजी से बदल रहा है और भारतीय युवा आज भारत की तस्वीर बदलने को उतावाले होते दिखाई दे रहे हैं। जून 2026 में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स) का व्यवसाय करने वाली सर्वम कम्पनी ने अपनी स्थापना के केवल 3 वर्ष के अंदर ही 150 करोड़ (1.5 बिलियन) अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति खड़ी कर ली है। इसी प्रकार, आज जेप्टो एवं मेन्सा नामक ब्राण्ड कुछ ही महीनों में व्यवसाय के उस स्तर को प्राप्त कर लेते हैं, जिसे हासिल करने में पुरानी बड़ी कम्पनियों को कई दशक लग गए थे। आज के समय में टेक्नॉलोजी के क्षेत्र में स्थापित हो रही कम्पनियों की तुलना यदि इसी क्षेत्र में लगभग 20/25 वर्ष पूर्व स्थापित कम्पनियों से भी की जाय तो सम्पत्ति खड़ी करने के समय में बहुत अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। वर्ष 2000 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति बनाना) बनने में लगभग 20 वर्ष से अधिक का समय लग रहा था, वहीं वर्ष 2020 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन बनने में केवल एक वर्ष का समय लग रहा है। वित्तीय क्षेत्र में स्थापित की गई कम्पनियों को यूनिकोन बनने में 30 वर्ष का समय लगा है। वहीं मेन्सा ब्राण्ड जैसी कम्पनी को यूनिकोन बनने में केवल 6 माह का समय लगा है। बाजार वही है, परंतु समय तेजी से बदल रहा है। इस परिवर्तन में भारतीय युवाओं की प्रमुख भूमिका रही है। आज भारत में व्यावसायिक घराने/खानदान एवं अमीर लोग कहीं पीछे छूट गए हैं एवं युवा पीढ़ी तेजी से बिलिनायर की सूची में अपनी जगह बना रही है।

पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में एक लाख से अधिक नए स्टार्ट-अप स्थापित हुए हैं। आज भारत ने अपने आप को, अमेरिका एवं चीन के बाद, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट-अप इको सिस्टम में स्थापित कर लिया है। भारत में आज अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से उपभोक्ता उत्पादों को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट अप बन रहे हैं। किराना उत्पादों से संबंधित ऐप अधिक संख्या में बनाए जा रहे हैं क्योंकि यूपीआई जैसा पेमेंट गेटवे पूर्व से ही उपलब्ध है और भुगतान प्रणाली को अलग से विकसित करने की आवश्यकता ही नहीं है। साथ ही, 140 करोड़ नागरिकों का बायोमेट्रिक डाटा पहिले से ही सत्यापित है और यह उपभोक्ता उत्पादों से सम्बंधित ऐप बनाने वाले इंजीनियरों को उपलब्ध भी है। भारत में डिजिटल लाकर में 750 करोड़ से अधिक दस्तावेज जमा हो चुके हैं। सस्ता इंटरनेट डाटा उपलब्ध है एवं 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच आज 20 वर्ष के युवा एंटरप्रेन्योर को व्यवसाय स्थापना के प्रथम दिवस से ही पूरा भारत उसके उत्पाद के बाजार के रूप में उपलब्ध है। उक्त कारकों के चलते ही वर्ष 2021 में भारत में 45 नए यूनिकोन विकसित हुए थे।

भारत के पास आज दुनिया के सबसे स्मार्ट एवं कुशल इंजीनीयर तो हैं परंतु हमारे पास अपने गूगल, अपना यू ट्यूब एवं अपना फेस बुक नहीं है। क्योंकि, भारत में उच्च स्तर का तकनीकी नवाचार नहीं हो पा रहा है जिससे उच्च तकनीकी के ऐप भारत में कम बन रहे हैं। हालांकि, विकसित देशों में जो भी उच्च स्तर के तकनीकी नवाचार हो रहे हैं इनमें भारतीय इंजिनीयरों की भी महती भूमिका रहती है। इसी कारण से भारतीय इंजीनियरों की विकसित देशों में भारी मांग है। भारतीय युवाओं को दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलन करने के स्थान पर भारत में उच्च तकनीकी के नवाचार करने की ओर पूरा ध्यान देना चाहिए। अब तो विकसित देश भी यह मानने लगे हैं कि वर्तमान सदी केवल भारत की है। कई विकसित देशों सहित चीन में जनसंख्या वृद्धि दर अब ऋणात्मक हो चुकी है। साथ ही, इन देशों में वृद्ध नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पूरे विश्व में आज भारत एक युवा देश के रूप में उभर रहा है। अतः भारतीय युवाओं से न केवल भारत में आर्थिक विकास को गति देने बल्कि विश्व के अन्य कई देशों में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपेक्षा की जा रही है।

बाघ बचेंगे तो जंगल बचेंगे- संरक्षण के बावजूद क्यों बढ़ रही है उनके सामने चुनौती

दरअसल, मानव समाज के मन-मस्तिष्क में बाघों के प्रति उस प्रेम और संवेदना का सदा से अभाव रहा है, जिसके वे अधिकारी हैं। यही कारण है कि जो बाघ कभी बहुतायत में पाए जाते थे, आज वे दुनिया भर में कम होते जा रहे हैं। पिछली एक सदी में दुनिया भर से लाखों की संख्या में बाघ या तो शिकारियों द्वारा मारे जा चुके हैं या आपसी संघर्ष, बीमारी या किसी अन्य कारण से उनकी मौत हो गई। भारत समेत विभिन्न देशों की सरकारों, एजेंसियों और संगठनों की तमाम घोषणाओं, दावों और वादों के बावजूद दुनिया भर में बाघों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। बाघों की इस दुर्दशा के कारण ही अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने इन्हें विलुप्ति की कगार पर खड़े जीवों की श्रेणी में डाल रखा है।

(चेतनादित्य आलोक)

मानव समाज के मन-मस्तिष्क में बाघों के प्रति उस प्रेम और संवेदना का सदा से अभाव रहा है, जिसके वे अधिकारी हैं। देश में बाघों के संरक्षण को लेकर सरकार की ओर से कई कार्यक्रम और योजनाएं शुरू की गई हैं, लेकिन धरातल पर इनका असर अपेक्षा के अनुरूप देखने को नहीं मिल रहा है। इसका एक कारण इस वन्य प्राणी को लेकर मानव समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण का अभाव है। जबकि सच तो यह है कि बाघ हमारे पर्यावरण और प्रकृति के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए भी उपयोगी हैं। ये जीव पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी हैं, क्योंकि आहार जगत में इन्हें शिकारी के रूप में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है।

जंगल में इनका भोजन भंडार सबसे बड़ा होता है। इसलिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में इनकी अहम भूमिका होती है। ऐसे में यदि कभी इस पृथ्वी से बाघ समाप्त हो जाएं, तो इससे पूरा पारिस्थितिकी तंत्र खतरे में पड़ जाएगा। बाघों की अनुपस्थिति में शाकाहारी प्राणियों की आबादी बढ़ जाएगी और आहार चक्र में असंतुलन पैदा होगा। जाहिर है, शाकाहारियों की अधिकता से वनस्पति का नुकसान होगा, जिससे प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है।

वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक, एक हिरण को सर्दियों के मौसम में भोजन के लिए औसतन प्रतिदिन 2.3 किलोग्राम वनस्पति की आवश्यकता होती है। वहीं, गर्मियों में इसकी मात्रा दोगुनी हो जाती है। कुल मिलाकर एक हिरण को एक वर्ष में वनस्पतियों से युक्त एक हजार किलोग्राम से अधिक भोजन की आवश्यकता होती है। वहीं, एक बाघ को अपना पेट भरने के लिए प्रति वर्ष औसतन पचास हिरण के आकार के जानवर या लगभग तीन हजार किलोग्राम जीवित शिकार की जरूरत होती है। यानी एक बाघ प्रति वर्ष पचास हिरणों को खाकर पृथ्वी पर लगभग पचास हजार किलोग्राम वानस्पतिक भोजन बचाता है, जो जंगल में शेष हिरणों अथवा अन्य शाकाहारी प्राणियों के जीवन यापन के लिए तथा प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी है। इस दृष्टि से जैव विविधता के संरक्षण एवं जंगलों को स्वस्थ और सुरक्षित रखने यानी प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में भी बाघों का विशेष योगदान है।

दरअसल, मानव समाज के मन-मस्तिष्क में बाघों के प्रति उस प्रेम और संवेदना का सदा से अभाव रहा है, जिसके वे अधिकारी हैं। यही कारण है कि जो बाघ कभी बहुतायत में पाए जाते थे, आज वे दुनिया भर में कम होते जा रहे हैं। पिछली एक सदी में दुनिया भर से लाखों की संख्या में बाघ या तो शिकारियों द्वारा मारे जा चुके हैं या आपसी संघर्ष, बीमारी या किसी अन्य कारण से उनकी मौत हो गई। भारत समेत विभिन्न देशों की सरकारों, एजेंसियों और संगठनों की तमाम घोषणाओं, दावों और वादों के बावजूद दुनिया भर में बाघों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। बाघों की इस दुर्दशा के कारण ही अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने इन्हें विलुप्ति की कगार पर खड़े जीवों की श्रेणी में डाल रखा है।

भारत की बात करें, तो इस वर्ष जनवरी से मार्च के बीच 42 बाघों की मौत हुई। यह आंकड़ा वन्यजीव, विशेष रूप से बाघ संरक्षण को लेकर देश के संवेदनशील नागरिकों एवं पशु प्रेमियों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इतिहास के पन्नों पर नजर डालें, तो वर्ष 1900 में देश में बाघों की संख्या 40 हजार से भी ज्यादा थी, जबकि आज इनकी संख्या घट रही है। भारत में बाघों की इस दुर्दशा के लिए विशेष रूप से ब्रिटिश सरकार की वन्यजीव विरोधी नीतियां जिम्मेदार रही हैं। वर्ष 1906 में प्रकाशित सीडब्लू मरफी की पुस्तक 'अ गाइड टू नैनीताल एंड कुमाऊं' में कुछ सूचियां और सरकारी नियमावलियां दी गई हैं, जो वन्यजीवों के प्रति ब्रिटिश हुकूमत के क्रूर व्यवहार को दर्शाती हैं।

ब्रिटिश राज में वन्यजीवों की हत्या करने पर सरकार की ओर से इनाम दिए जाते थे, जिनमें आठ आने से लेकर दस रुपए तक के इनाम निर्धारित थे। इनमें सर्वाधिक दस रुपए के इनाम भेड़ियों और बाघों को मारने पर दिए जाने का प्रावधान था। भारत में बाघों के संरक्षण एवं निगरानी का कार्य राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को सौंपा गया है। यह केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अधीन देश में बाघों के संरक्षण एवं निगरानी को पेशेवर रूप देने के उद्देश्य से दिसंबर, 2005 में गठित प्रमुख वैधानिक संस्था है। बाघों के संरक्षण एवं निगरानी के कार्य में लगातार सुधार करते हुए इसे और अधिक बेहतर बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाना इस प्राधिकरण के लक्ष्यों में शामिल है।

जाहिर है, अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए देश के विभिन्न राज्यों में 'प्रोजेक्ट टाइगर' का संचालन एवं संरक्षण योजनाओं को मंजूरी देने के अतिरिक्त बाघों के आवासों की निगरानी तथा मानव एवं वन्यजीवों के बीच होने वाले संघर्षों के समाधान ढूंढने में भी यह प्राधिकरण महत्त्वपूर्ण भूमिकाएं निभाता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश में बाघों की संख्या में हुई उत्साहजनक वृद्धि केवल प्राधिकरण तथा अन्य वन्यजीव संरक्षण एजेंसियों की संरक्षण नीतियों और योजनाओं का ही परिणाम नहीं है, बल्कि आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक से युक्त बाघ संरक्षण प्रणाली और जनभागीदारी के सफल प्रयोग का भी नतीजा है। पिछले एक दशक में विज्ञान और तकनीक ने देश में बाघ संरक्षण की तस्वीर बदल दी है। इससे पहले वन कर्मियों को कई दिनों तक जंगलों में पैदल घूमकर वन्यजीवों के पगचिह्नों के आधार पर अनुमान लगाना पड़ता था, जबकि आज आधुनिक तकनीकों ने बाघ संरक्षण को अधिक सटीक, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने का कार्य किया है।

इन सभी तकनीकों में कैमरा ट्रैप बाघ संरक्षण के लिए प्रयुक्त होने वाली सबसे विश्वसनीय प्रणाली मानी जा रही है। वन्यजीव संरक्षण एजेंसियों की नीतियों, योजनाओं एवं आधुनिक तकनीकों के उपयोग सहित सरकार के अधीन बाघ संरक्षण के लिए किए जाने वाले समेकित प्रयासों से देश में बाघों की संख्या में वृद्धि हुई, जिसने आज वैश्विक मंच पर भारत को एक सकारात्मक पहचान दिलाने का कार्य किया है। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2006 में जहां देश में केवल 1,411 बाघ थे, वहीं 2022 तक यह संख्या बढ़कर 3,682 हो गई। वैसे 2025 में देश में कुल 167 बाघों की मौतें भी दर्ज की गईं, जिनमें 31 शावक शामिल थे। पिछले चार वर्षों में बाघों की कुल संख्या के अनुपात में मृत्यु दर पांच फीसद से नीचे है, जिसे संरक्षण की दृष्टि से सकारात्मक माना जा रहा है।

आज दुनिया भर के जंगलों में लगभग 5,574 बाघ ही बचे हुए हैं, इनमें लगभग तीन-चौथाई बाघ भारत में हैं। 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, वर्ष 2010 से 2022 तक भारत में बाघों की अनुमानित संख्या 1,706 के मुकाबले 2025 में दोगुनी से भी अधिक 3,700 के लगभग पहुंच गई। हालांकि, यह आंकड़ा अभी संतोषजनक स्थिति से बहुत कम है। बाघ संरक्षण के कार्य में चुनौतियां आज भी कायम हैं। सबसे जरूरी है बाघों के प्राकृतिक आवास को बचाना। विकास के नाम पर वनों की अंधाधुंध कटाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट हो रहा है और वे भोजन की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे मानव के साथ उनका संघर्ष भी बढ़ रहा है।

जिलाधिकारी ने कुरसेला में बाढ का लिया जायजा

गंगा नदी के जलस्तर में धीमी बढ़त, बाढ़ सहायता को लेकर सभी प्रशासनिक तैयारी पूरी : डीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले मेः भारी वर्षा एवं संभावित बाढ़ को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है।नदियों के जलस्तर की 24 घंटे नजर रखी जा रही है। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी के निर्देश पर नदियों के जलस्तर, जलजमाव, तटबंधों, सड़कों एवं आवागमन की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। सुलभ आवागमन को लेकर कई जगहों पर नावों का परिचालन भी कराया जा रहा है। जिला पदाधिकारी ने स्वयं शुक्रवार को अपर समाहर्ता आपदा फिरोज अख्तर अपर समाहर्ता डॉ.बिनोद कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ कुसेलां प्रखंड क्षेत्र के जरलाही पंचायत अन्तर्गत गुमटी टोला एवं 12 नंबर स्पर पर बाढ की स्थिति का जायजा लिया।इस क्रम में उन्होंने नदी के बढ़ते जलस्तर तथा आसपास के जल प्रभावित गांवों का जायजा लिया तथा पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएम ने अंचल अधिकारी को सतर्क रहने का निर्देश देते हुए कहा कि समय रहते बाड सहियता को लेकर सभी आवश्यक तैयारो पूरी कर बाढ़ की स्थिति में आपदा विभाग के मानक संचालन प्रक्रिया के तहत प्रभावित परिवारों को सभी सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।जिला पदाधिकारी ने बताया कि गंगा एवं कोशी के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है।उन्होंने बताया कि जल प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित सुरक्षात्मक एवं राहत कार्य चलाया जाएगा। क्षतिग्रस्त सड़कों एवं संपर्क मार्गों की मरम्मति भी शीघ्र कराई जाएगी।डीएम ने बताया कि आवश्यकतानुसार वैकल्पिक आवागमन एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल टीम के माध्यम से आवश्यक चिकित्सकीय सलाह एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने का निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही।वहींआपात स्थिति के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय बना कर सहायता कार्य करने का निर्देश दिया गया है। जिला पदाधिकारी श्री द्विवेदी ने भारी बारिश एवं नदियों के जल स्तर में वृद्धि की स्थिति को देखते हुए जलजमाव वाले क्षेत्रों, नदी-नालों एवं तेज बहाव वाले पानी में अनावश्यक प्रवेश नहीं करने की अपील की है। उन्होंने प्रशासन द्वारा जारी दिशा -निर्देशों का पालन करने तथा और आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन, नियंत्रण कक्ष को सूचना देने की भी बात कही।उन्होंने कहा है कि हर स्थिति पर जिला प्रशासन की पैनी नजर है। आमजनों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।इसको लेकर सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

रेल ट्रैक के पास पानी भरे गड्ढे से युवक का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। कटिहार-बरौनी रेलखंड के कुरसेला स्टेशन स्थित पानी टंकी के समीप शुक्रवार को रेल ट्रैक के पास पानी भरे गड्ढे में एक अज्ञात पुरुष का शव बरामद किया गया है। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पानी में पीठ के बल शव तैरता देख आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि काफी प्रयास के बाद भी शव की पहचान नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों ने बताया कि शव एक दो दिन पुराना लगता है, जो पानी में फूल कर तैरने लगा। स्टेशन अधीक्षक पंकज कुमार जायसवाल ने बताया कि शुक्रवार को पानी टंकी के समीप पानी में शव होने की सूचना मिली। इसके बाद जीआरपी थाना नवगछिया को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही रेल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकालकर कब्जे में लिया। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल ले गई।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को दी गई भावभीनी विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय कुमार के बारसोई से स्थानांतरण पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य लोगों ने शामिल होकर उन्हें भावभीनी विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।समारोह को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी राजू कुमार ने कहा कि अजय कुमार के साथ कार्य करने का अनुभव अच्छा रहा। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जिम्मेदारियों का बेहतर ढंग से निर्वहन किया और पुलिस प्रशासन तथा आम लोगों के बीच बेहतर समन्वय बनाने का प्रयास किया। उनके स्थानांतरण से निश्चित रूप से कमी महसूस होगी। उन्होंने अजय कुमार को नई जिम्मेदारी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय कुमार ने विदाई समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों, पुलिसकर्मियों, जनप्रतिनिधियों एवं आम लोगों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि बारसोई में कार्य करने के दौरान सभी का सहयोग और स्नेह मिला। प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ-साथ आम लोगों के सहयोग से कार्य करना आसान रहा। उन्होंने कहा कि बारसोई में बिताया गया कार्यकाल हमेशा याद रहेगा और यहां के लोगों से मिला प्यार एवं सम्मान उनके लिए विशेष रहेगा। समारोह में अवर निबंधन पदाधिकारी कृष्णमोहन जायसवाल, डीसीएलआर मंकेश्वर कुमार, अंचलाधिकारी श्याम सुंदर साह, यातायात पुलिस उपाधीक्षक सद्दाम हुसैन , पुलिस निरीक्षक बारसोई शिवशंकर प्रसाद , पुलिस निरीक्षक सदर हरेन्द्र कुमार , रीडर इंद्रजीत कुमार सहित विभिन्न थानों के थाना अध्यक्ष एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे।बारसोई थाना अध्यक्ष उमेश कुमार, आबादपुर थाना अध्यक्ष मोहम्मद शादाब, सुधानी थाना अध्यक्ष निशाकांत कुमार, कचना थाना अध्यक्ष आनंद कुमार, सालमारी थाना अध्यक्ष जुली कुमारी, एसआई रंजन कुमार, शंकर राय, फूलेन राय एवं भरत राय सहित जदयू के सुदीप सहा एव अन्य पुलिस पदाधिकारी भी समारोह में शामिल हुए। इसके अलावा जदयू नेता सुदीप साह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोगों ने समारोह में शिरकत की। इस दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय कुमार को सम्मानित भी किया गया।

संक्षिप्त समाचार

डीएस कॉलेज में ओपी थाना की स्थापना

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कटिहार इकाई की ओर से कई वर्षों से पूर्व उप मुख्यमंत्री सह सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद और कटिहार आरक्षी अधीक्षक से डीएस कॉलेज में ओपी थाना की मांग किया जा रहा था। जो आज स्थापना के साथ मांग पुरा हो गया। इस मौके प्रांत सह मंत्री विनय सिंह ने कहा कि कटिहार के प्रमुख कॉलेज में से दर्शन साह महाविद्यालय आता है। जिसमें सभी फैकल्टी की पढ़ाई होती। आये दिन कॉलेज कैंपस में बाहरी तत्वों के प्रवेश से छात्र छात्राओं में भाय का माहौल बना रहता है। कभी साइकिल की चोरी तो कभी बाइक की चोरी, कभी छात्राओं के साथ छेड़खानी किया जाता है ।इन सभी चीजों को देखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने महाविद्यालय परिसर में ओपी थाना की मांग की थी। सदर विधायक ओर एसपी ने एबीवीपी के मांग को पूरा किया। इस मौके पर एबीवीपी के कार्यकताओं ने सदर विधायक और पूरी कटिहार पुलिस प्रशासन को बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त किया है । इस मौके पर विभाग सह संयोजक विक्रांत सिंह, नगर मंत्री राजा यादव ,नगर सह मंत्री रवि सिंह विशाल सिंह मोनू यादव अमित गुप्ता, प्रणव यादव, दीपक यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हथियार व शराब के साथ दो भाई गिरफ्तार

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के उचला गांव में शुक्रवार को बरारी पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सुमन कुमार महतो (28) के घर से देशी कट्टा व दो जिंदा कारतूस, जबकि उसके भाई पवन कुमार महतो (26) के घर से 11.5 लीटर विदेशी शराब जब्त की। डीएसपी सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि बरारी थानाध्यक्ष सुमेश कुमार और एसटीएफ इंस्पेक्टर भागवत पासवान को सूचना मिली थी कि उचला गांव में एक व्यक्ति हथियार लेकर आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में है। सूचना की पुष्टि के बाद टीम ने कार्रवाई की। पुलिस को देखते ही एक व्यक्ति भागने लगा। जिसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान उचला निवासी सुमन कुमार महतो के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके घर से हथियार और कारतूस बरामद हुए।इसके बाद टीम ने उसके भाई पवन कुमार महतो के घर पर भी छापेमारी की। वहां से विदेशी शराब बरामद की गई। डीएसपी के अनुसार दोनों भाइयों का आपराधिक इतिहास रहा है। सुमन के खिलाफ बरारी थाने में मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। वहीं पवन के विरुद्ध आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामले दर्ज हैं।एसपी परिचय कुमार के निर्देश पर हुई कार्रवाई में एसआई राजनेता कुमार, कौशल कुमार,अमित कुमार, शिवम चौधरी सहित पुलिस बल शामिल थे। दोनों आरोपितों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

52 लीटर देशी शराब के साथ दो धराये, बाइक जब्त

बारसोई/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अनुमंडल क्षेत्र के आबादपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार की देर रात थाना क्षेत्र के हाट-बंगरोरा ग्राम से दो शराब विक्रेताओं को रंगे हाथों गिरफ्तार कर उन्हें न्यायिक मजिस्ट्रेट के सुपुर्द कर दिया। इस संबंध में शुक्रवार को आबादपुर थानाध्यक्ष मोहम्मद शादाब ने बताया कि शराब की अवैध बिक्री करने वाले दो युवकों को गिरफ्त में लिया गया है। उनके पास से पश्चिम बंगाल निर्मित 52 लीटर देशी शराब बरामद की गई है। घटना में प्रयुक्त बाईक को भी जब्त कर लिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि धरे गये शराब विक्रेताओं की पहचान संजर आलम पिता ललुआ एवं हबीब पिता इस्लाम के रूप में हुई है। दोनों ही युवक आबादपुर थाना क्षेत्र स्थित हाट-बंगरोरा ग्राम निवासी बताये जा रहे हैं।

आजमनगर-सालमारी महानंदा बांध सड़क जर्जर

आजमनगर/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आजमनगर से सालमारी जाने वाली मुख्य सड़क की स्थिति इन दिनों बेहद जर्जर हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों और क्षतिग्रस्त हिस्सों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन घटनाएं सामने आ रही हैं। शुक्रवार को राघौल गांव निवासी नफीस आलम (23) पिता गुलाम यासीन बाइक पर सवार होकर सालमारी किसी काम के लिए जा रहे थे। इसी बीच महानंदा बांध पर चंडी काली स्थान के निकट इसी जर्जर सड़क के कारण बाइक और टोटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई।

हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। शुक्रवार को मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल प्रांगण में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री कृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लाह मनाया गया। इस अवसर पर वर्ग नर्सरी से तृतीय वर्ग के छात्र छात्राओं ने श्री कृष्ण स्वरुप धारण कर झांकी की प्रस्तुति की।इस अवसर पर 75 छात्र छात्राएं झांकी प्रस्तुतीकरण में उपस्थित थे।बच्चों के मनमोहन कृष्ण रूप को देखकर उपस्थित अभिभावक मंत्रमुग्ध हो गए।वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आरती कुंज बिहारी की इस आरती के साथ उपस्थित सभी माता ने कृष्ण जी की आरती की और तिलक लगाए।हाथी घोड़ा पालकी कृष्ण कन्हैया लाल की भजन को सुनकर साक्षात कृष्ण को अंतरात्मा में दर्शन करते गुणगान करते हुए झूम उठे।श्री कृष्ण जी ने गीता में कहा है कि जब-जब धर्म की हानि होती है तब तब धर्म का नाश करने के लिए धरती पर जन्म लेता हूं।विद्यालय के निदेशक डॉक्टर संजय प्रधान ने कहा कि बच्चों ने जो श्री कृष्ण रूप बनकर आये है ईश्वर उनको श्री कृष्ण की भांति बनाए रखें। इस अवसर पर डॉ बी एन झा पूर्व प्राचार्य, महेश केडिया,विजय केडिया,ओम शांति की लाडली बहन,अनिल शाह आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर बच्चों की माताएं एवं अभिभावक भी उपस्थित थे।सभी झांकी प्रस्तुति करने वाले छात्राओं को गिफ्ट स्वरूप कॉपी, पेंसिल बॉक्स, पेंसिल,मिठाई आदि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंचसंचालन अर्जुन कुमार झा द्वारा किया गया कार्यक्रम में सभी शिक्षा एवं शिक्षिकाएं एवं अन्य कर्मचारी गण भी उपस्थित थे।

जन्माष्टमी को लेकर बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। जन्माष्टमी को लेकर सालमारी बाजार सहित इसके आसपास के क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया। वही सालमारी के हरदेई देवी पन्ना लाल शारदा विद्यालय में जन्माष्टमी को लेकर छोटे-छोटे बच्चों ने राधा कृष्ण का रूप धारण कर एक से एक प्रस्तुतीकर लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मटकी फोड़ कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के डायरेक्टर आशुतोष मुखर्जी, प्राचार्य रवि सरकार, कपिल सर, कौशल कुमार, जय बनर्जी, उत्तम, सुनिल कुमार, नमिता सिन्हा, पिंकी सिंह, सीमा सरकार, प्रियंका सिंह, मधु, मोनालिसा, श्वेता सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं का इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय सहयोग रहा।

दवा कारोबारी से रंगदारी मांगने एवं जानलेवा हमला में दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। दवा कारोबारी से रंगदारी मांगने और दुकान में घुसकर मारपीट कर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में कुरसेला पावर हाउस रोड निवासी रंजीत यादव पिता शत्रुघ्न यादव और भदैया टोला निवासी मुकेश मंडल उर्फ बमभोला मंडल पिता सुबोध मंडल वर्तमान निवासी कुरसेला बस्ती शामिल हैं। दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत कराया गया। जहां से उन्हें हिरासत में भेज दिया गया। जानकारी हो कि बुधवार की शाम कुरसेला के नया चौक स्थित बजरंगबली मंदिर के पीछे दवा कारोबारी घनश्याम चौधरी की दुकान पर आधा दर्जन बदमाशों ने धावा बोलकर मारपीट की थी। आरोप है कि बदमाशों ने कारोबारी से हर माह 50 हजार रुपये रंगदारी की मांग की थी। रंगदारी नहीं देने पर बदमाश दुकान पर पहुंचे और चार-पांच लोगों ने कारोबारी के साथ मारपीट की। घटना के बाद दुकान में रखे रुपये लेकर बदमाश फरार हो गए थे। पीड़ित कारोबारी के आवेदन पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 109 जानलेवा हमला करने के प्राथमिकी दर्ज की थी। पुलिस ने घटना की जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज की। जिसके बाद रंजीत यादव और मुकेश मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया।थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि दवा कारोबारी से मारपीट के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपितों का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। इनके खिलाफ पहले से आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत कुरसेला थाना में मामला दर्ज है। उन्होंने बताया कि घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निजी कोष से कच्ची सड़क को कराया दुरुस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद (कटिहार)। अमदाबाद नगर पंचायत के वार्ड संख्या तीन एवं चार मिथिलेश दास के घर से श्रीकृष्ण मंदिर की ओर जाने वाली कच्ची व कीचड़युक्त सड़क को जदयू नगर अध्यक्ष सह पार्षद प्रतिनिधि संजीव कुमार साह ने निजी खर्च से चलने लायक कराया। उन्होंने सड़क पर दो ट्रेलर जेएसबी डलवाकर उसका समतलीकरण कराया। इससे मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों को आवागमन में राहत मिली है।पार्षद प्रतिनिधि संजीव कुमार साह ने बताया कि बारिश के दिनों में सड़क पर कीचड़ जमा होने से लोगों को कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ अन्य जरूरी कार्यों के लिए आने-जाने में काफी परेशानी होती थी। उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि जल्द ही इस मार्ग पर पक्की सड़क का निर्माण कराया जाएगा। पक्की सड़क बनने से वार्ड संख्या तीन एवं चार के लोगों के साथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भी आवागमन में सुविधा होगी।स्थानीय लोगों में मिथिलेश दास, निर्मल झा, गणेश दास, सुनील दास सहित अन्य ने सड़क को दुरुस्त कराने के लिए जदयू नगर अध्यक्ष सह पार्षद प्रतिनिधि संजीव कुमार साह के प्रति आभार जताया।

ट्रैफिक डीएसपी के पुत्र मोहम्मद अली बने कान्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। अपने देश भारत में पर्व त्यौहार अलग-अलग जाति धर्म के लोग अपने रीति रिवाज के अनुसार मनाते आ रहे हैं। मगर इस देश का खासियत यह है कि इससे जुड़ा हुआ जो उत्सव होता है उसमे सभी लोग जाति धर्म से ऊपर उठ कर शामिल होते है। कटिहार में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। जिले में ट्रैफिक डीएसपी के पद पर कार्यरत सद्दाम हुसैन अपने बेगम और बेटा के साथ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कुछ अलग अंदाज में दिखे। सद्दाम हुसैन अपने बेटा मोहम्मद अली को कान्हा के रूप में सजाकर गोदी में लेकर अपनी पत्नी के साथ जब सड़क पर दिखे तो लोग इस पल को एक खुशनुमा और देश की अच्छी तस्वीर के रूप में कमरे में कैद करते नजर आये। इस दौरान कई पुलिसकर्मी भी ट्रैफिक डीएसपी के पुत्र मोहम्मद अली जो की कान्हा के रूप में पोशाक पहने हैं उनके साथ फोटो खींचवाया । फिलहाल कटिहार में इस तस्वीर का खास चर्चा हो रहा है। लोग इसे भारतीय संस्कृति के साथ सम्मान की दृष्टि से देखकर हर्षित हो रहे हैं।

अजोला कल्चर जैविक नाइट्रोजन का मुख्य स्त्रोत : डीएओ

संयुक्त कृषि भवन में हो रहा है अजोला कल्चर तैयार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर संयुक्त कृषि भवन परिसर में जिला कृषि पदाधिकारी राजीव कुमार के मार्गदर्शन में अजोलाग्रीन गोल्ड कल्चर तैयार किया जा रहा है।जिससे धान के फसल में यूरिया के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से किसानों के बीच निःशुल्क वितरण किया जाएगा।इस बाबत डीएओ राजीव कुमार ने बताया कि अजोला को एक जैविक नाइट्रोजन स्त्रोत माना जाता है।यह खासकर धान की खेती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके उपयोग से खेतों में रासायनिक यूरिया पर निर्भरता एवं उर्वरक लागत को कम किया जा सकता है।तो वहीं मिट्टी में जैविक सक्रियता को बढ़ाने तथा मृदा की संरचना एवं भौतिक गुणवत्ता में सुधार लाने में भी उपयोगी होता है। उन्होंने बताया कि इसके उपयोग से मिट्टी में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता एवं संख्या में वृद्धि को भी प्रोत्साहन मिलता है। डीएओ के अनुसार अकोला निर्माण का उद्देश्य किसानों को कम लागत, पर्यावरण -अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि तकनीक से जोड़ना है। ताकि रासायनिक उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग के साथ खेती की लागत कम हो, मृदा स्वास्थ्य बेहतर बना रहे और किसानों की आय में भी वृद्धि हो।

मनिहारी नगर पंचायत में गंदे पानी के पुनः शुद्धिकरण व्यवस्था का अभाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। मनिहारी नगर पंचायत क्षेत्र में प्रतिदिन सैकड़ों गैलन घरों से निकलने वाले गंदे पानी के पुनः शुद्धिकरण की समुचित व्यवस्था नहीं होने से नगर के विभिन्न वार्डों में जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। स्थिति यह है कि कई मोहल्लों में गंदा पानी झीलनुमा रूप लेकर लंबे समय तक जमा रहता है। जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन सहित स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार नगर के अधिकांश हिस्सों में घरेलू नालियों का गंदा पानी खुले नालों एवं निचले क्षेत्रों में जमा हो जाता है। बरसात के दिनों में यह समस्या और विकराल हो जाती है, क्योंकि वर्षा के अतिरिक्त जल के साथ जमा गंदा पानी बहकर आसपास की नदी में पहुंच जाता है। इससे नदी के जल की स्वच्छता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। लोगों का कहना है कि सरकार द्वारा नदियों एवं जलस्त्रोतों को निर्मल और स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन मनिहारी नगर पंचायत में अपशिष्ट जल के उपचार एवं पुनः शुद्धिकरण की व्यवस्था नहीं होने से इन उद्देश्यों की प्रभावशीलता प्रभावित हो रही है। यदि घरेलू गंदे पानी को सीधे नदी में जाने से पहले शुद्ध किया जाए तो जल प्रदूषण में काफी कमी लाई जा सकती है।नगरवासियों ने नगर पंचायत प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि शीघ्र ही वैज्ञानिक आधार पर अपशिष्ट जल शोधन सीवेज ट्रीटमेंट की व्यवस्था विकसित की जाए, नालियों की समुचित सफाई कर जलनिकासी को दुरुस्त किया जाए तथा जलजमाव वाले क्षेत्रों की स्थायी समस्या का समाधान किया जाए। नागरिकों का मानना है कि समय रहते ठोस पहल नहीं हुई तो बरसात के मौसम में यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है तथा पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य दोनों के लिए चुनौती बनी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

757 रुपये पर लिस्ट हुआ आईपीओ, पहले दिन ही 76 प्रतिशत का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। ईएसडीएस साफ्टवेयर साल्युएनशन के आईपीओ ने गदर मचा दिया है। बीएसई में कंपनी की लिस्टिंग 73.96 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 746.30 रुपये पर हुई है। वहीं, एनएसई में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 76.46 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 757 रुपये पर हुई है। बता दें, इस मेनबोर्ड आईपीओ का प्राइस बैंड 429 रुपये था। कंपनी ने 34 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14586 रुपये का दांव लगाना पड़ा था।

ग्रे मार्केट दे रहा था मजबूत लिस्टिंग के संकेत- इनवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार आज शुक्रवार को ग्रे मार्केट में आईपीओ 244 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। जोकि 56 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन के संकेत दे रहा था। बता दें, ग्रे मार्केट में आईपीओ की सबसे मजबूत स्थिति 29 अगस्त को थी। तब आईपीओ 372 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था।

कितना था आईपीओ का साइज- आईपीओ का साइज 720 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 1.68 करोड़ फ्रेश शेयर जारी की है। यह आईपीओ 28 अगस्त को खुला था। निवेशकों के पास 1 सितंबर तक दांव लगाने का मौका था। आईपीओ को तीन दिन के सब्सक्रिप्शन के दौरान 142 गुना बोलियां मिली थी। आईपीओ को रिटेल कैटगरी में आईपीओ में 41 गुना सब्सक्राइब किया गया था। क्यूआईबी में 274.97 गुना बोलियां मिली थी। वहीं, एनआईआई में 202 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

एंकर निवेशकों से कंपनी ने जुटाए 216 करोड़ रुपये- इस कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 27 अगस्त को खुला था। आईपीओ एंकर इनवेस्टर्स से कुल 216 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बता दें, एंकर निवेशकों को जारी 50 प्रतिशत शेयरों का लॉक इन पीरियड 30 दिन का है। बाकि 50 प्रतिशत का 90 दिन का लॉक इन पीरियड है।

रतन टाटा के शेयरः 37 साल पुरानी एक शर्त से फंस गया पेच

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा को विरासत में मिले टाटा संस के शेयरों पर पेच फंस गया है। रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इन शेयरों को दो चैरिटेबल संस्थाओं रतन टाटा एंडोमेंट फंड और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट को देने की घोषणा की थी। इन दोनों संस्थाओं का गठन रतन टाटा ने ही किया था। लेकिन 37 साल पुराने एक मामले पर आए फैसले से इसमें अड़चन आ गई है। महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने 1989 में नवाजबाई रतन टाटा ट्रस्ट से नवल टाटा को 833 टाटा संस शेयर ट्रांसफर करने के फैसले को सही ठहराया। लेकिन इसके साथ ही डील से जुड़ी एक शर्त का भी खुलासा हो गया जो कम ही लोगों को पता थी। इसके मुताबिक इन शेयरों को होल्डर अपने रिश्तेदारों को ही ट्रांसफर किए जा सकते हैं। इन्हें किसी थर्ड पार्टी को नहीं दिया जा सकता है।

रतन टाटा की वसीयत

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक नवल ने इन शेयरों को अपनी पत्नी सिमोन और अपने तीन बेटों रतन, जिमी और नोएल के बीच बांट दिया था। सिमोन ने अपने शेयर अपने बेटे नोएल और उसके तीन बच्चों को दे दिए जबकि जिमी और नोएल के पास अभी भी अपने शेयर हैं। रतन टाटा के शेयर उनकी संपत्ति का हिस्सा हैं और उनका प्रबंधन उनके एग्जीक्यूटर कर रहे हैं। इनमें उनकी दो सौतेली बहनें शिरीन और डियाना जीजीभॉय शामिल हैं। इसलिए, इन संस्थाओं को रतन टाटा का शेयर वसीयत में देना सीधे तौर पर शर्त का उल्लंघन है।

अब घर बैठे पेंशन शुरू करना होगा आसान, छोटे शहरों और दूरदराज के इलाकों में मदद करेंगे ओएनपीएस मित्र

नई दिल्ली। पेंशन नियामक ने पॉइंट्स ऑफ प्रेजेंस के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। क्क्षक्क वो बैंक या संस्थान होते हैं जो नैशनल पेंशन सिस्टम की सेवाएं लोगों तक पहुंचाते हैं। इन बदलावों का मकसद क्क्षक्क के नेटवर्क को खासकर उन इलाकों में बढ़ाना है जहां अभी पेंशन की सुविधाएं कम हैं। साथ ही, इससे नए ग्राहकों को जोड़ना और उनकी समस्याओं को सुलझाना आसान हो जाएगा। पेंशन एजेंटों का नाम बदलकर मित्र करने का सुझाव दिया है।

इन बदलावों का असर सुविधाओं और पहुंच पर पड़ेगा। अब पारंपरिक बैंकों और वित्तीय संस्थानों के दायरे से बाहर निकलकर और भी कई तरह की संस्थाओं को बनने की इजाजत दे रहा है। अगर ये नियम लागू होते हैं, तो निवेशकों के लिए खाता खोलना और उसे मैनेज करना बहुत आसान हो जाएगा, खासकर उन लोगों के लिए जो छोटे शहरों या दूर-दराज के इलाकों में रहते हैं।

धोखाधड़ी या लापरवाही हुई तो?

अगर किसी कर्मचारी, मित्र या किसी अन्य व्यक्ति (जिसकी सेवा ली जा रही है) की वजह से कोई गलती होती है, तो उसके लिए (संस्था) ही जिम्मेदार मानी जाएगी। साबित होने पर उस नुकसान की भरपाई करनी होगी। मित्र की नियुक्ति करने के बाद भी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकेंगे।

जानकारी पूरी तरह गुप्त रहेगी

नए नियमों के मुताबिक मित्रों को ग्राहकों के रेकॉर्ड, डेटा और जुड़ी जानकारियों को पूरी तरह गोपनीय रखना होगा। सिवाय उन मामलों के जहां कानून के तहत जानकारी देना अनिवार्य हो।

सर्विस देने का तरीका बदलेगा

दो श्रेणियों में बांटा जाएगा। फिजिकल मोड (दफ्तर जाकर) और डिजिटल मोड (ऑनलाइन)। डिजिटल मोड सिर्फ उन लोगों के लिए होगा जो ऑनलाइन ही ग्राहकों को जोड़ेंगे और सेवा देंगे।

फिजिकल की आवेदन फीस 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये करने का प्रस्ताव है, जबकि डिजिटल के लिए कोई फीस नहीं लगेगी। जो ऑनलाइन ग्राहकों को जोड़ेंगे, उन्हें हर पेंशन स्कीम के लिए एक अलग 'डिजिटल कलेक्शन अकाउंट' रखना होगा।

7 दिन के भीतर जानकारी

अगर किसी जानकारी या स्थिति में कोई बड़ा बदलाव होता है, जिससे उनके रजिस्ट्रेशन पर असर पड़ सकता है, तो उन्हें 7 दिनों के भीतर को इसकी जानकारी देनी होगी। (लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप), सोसायटियां, को-ऑपरेटिव सोसायटियां भी बन सकेंगी।

यूएई से गोल्ड इंपोर्ट में 175 प्रतिशत बढ़ोतरी

पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बावजूद बढ़ गया आयात

नई दिल्ली, एजेंसी। सोना खरीदने में संयम बरतने की पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बीच गोल्ड इंपोर्ट में बड़ी कमी आती नहीं दिख रही है। जहां अप्रैल से जुलाई के बीच गोल्ड इंपोर्ट सालभर पहले की इसी अवधि के मुकाबले 32 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 15.17 बिलियन डॉलर रहा, वहीं थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के मुताबिक, इस तस्वीर में अहम पेच से बड़ी मात्रा में हो रहे आयात का है।

सरकार ने आयात पर अंकुश लगाने के लिए 13 मई को गोल्ड पर इंपोर्ट ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी थी। हालांकि इस साल अप्रैल से जून के बीच 11 बिलियन डॉलर के गोल्ड बॉर का आयात हुआ, जो सालभर पहले की इसी अवधि के 7.5 बिलियन डॉलर से 47.1 प्रतिशत ज्यादा रहा।

यूएई से क्यों बढ़ा आयात?

इस बढ़त में बड़ा रोल रहा। जून में यूएई से आयात 175.2 प्रतिशत बढ़कर 64.94 करोड़ डॉलर का रहा, जबकि बाकी दुनिया से इंपोर्ट 17.7 प्रतिशत घटकर 1.32 बिलियन डॉलर पर आ गया। यूएई से आयात जहां 41.35 करोड़ डॉलर बढ़ गया, वहीं बाकी देशों से यह 28.41 करोड़ डॉलर घट गया। इस तरह भारत के कुल गोल्ड इंपोर्ट में का हिस्सा सालभर पहले के 12.8 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत हो गया।

हाई-वैल्यू और कम मार्जिन वाले बुलियन ट्रेड में 1 पर्सेंटेज पॉइंट का अंतर भी काफी बड़ा है। आयात ज्यादा दिखने में गोल्ड के ऊंचे दाम का असर भी हो सकता है

अप्रैल-जून तिमाही में यूएई से इंपोर्ट 124.8 प्रतिशत बढ़कर 3.14 बिलियन डॉलर का हो गया। यह बाकी दुनिया से आयात में 29.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के 4 गुने से भी ज्यादा बढ़ा। इस तिमाही में भारत के कुल गोल्ड इंपोर्ट में 3.53 बिलियन डॉलर की बढ़त रही, जिसमें 1.74 बिलियन डॉलर का हिस्सा का रहा।

सोने का आयात

- 13 मई : सरकार ने ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत की थी
- 32 प्रतिशतः अप्रैल-जुलाई के दौरान गोल्ड इंपोर्ट में हुई कुल बढ़त।
- .15.17 बिलियनः अप्रैल-जुलाई के बीच सोने के आयात की कुल कीमत।
- 47.1 प्रतिशतः गोल्ड बार के आयात में आई बढ़ोतरी (अप्रैल-जून)।
- 175.2 प्रतिशतः जून में यूएई से होने वाले आयात में हुई बढ़ोतरी।
- 33 प्रतिशतः कुल गोल्ड इंपोर्ट में यूएई का हिस्सा (पिछले साल 12.8 प्रतिशत था)।
- 3.14 बिलियनः अप्रैल-जून तिमाही में यूएई से हुआ आयात।

क्या है वजह

ट्रेड सोर्सेज के मुताबिक, जून में यूएई से ज्यादा आयात के पीछे ड्यूटी ड्रॉबैक लेने की ट्रिक रही क्योंकि कइयों ने भारत से जूलरी ले जाकर वहां से फिर उसे गोल्ड बार के रूप में इंपोर्ट किया। वहीं, जीटीआरआई के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने यूएई से 2022 की ट्रेड डील का हवाला दिया, जिसमें तय किया गया था कि मोस्ट फेवर्ड नेशन ड्यूटी से 1 प्रतिशत कम पर वहां से गोल्ड इंपोर्ट होगा। श्रीवास्तव ने कहा, 'हाई-वैल्यू और कम मार्जिन वाले बुलियन ट्रेड में 1 पर्सेंटेज पॉइंट का अंतर भी काफी बड़ा है। आयात ज्यादा दिखने में गोल्ड के ऊंचे दाम का असर भी हो सकता है, पर सरकार को देखना चाहिए कि ड्यूटी में छूट की वजह से ओरिजिन ट्रेड बढ़ रहा है या दूसरे देशों से दुबई के जरिए माल आ रहा है क्योंकि कोई गोल्ड माइन नहीं है।'

मौजूदा बीमा कंपनी से हैं परेशान पुराने फायदे गंवाए बिना बदलें हेल्थ इंश्योरेंस संस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कई सारी संस्थाएं और कंपनियां हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा देती हैं। हालांकि, कई बार ऐसा होता है कि पॉलिसीधारक को समय पर इस सुविधा का लाभ नहीं मिल पाता है। मतलब कि उनका क्लेम रिजेक्ट हो जाता है। इसके कई सारे कारण हो सकते हैं। वहीं, इससे पॉलिसीधारक परेशान भी हो जाते हैं। ऐसे में आपको घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

देश की बीमा नियामक संस्था यानी कि इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने पॉलिसीधारकों को बीमा कंपनियों की मनमानी से सुरक्षित करने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी की सुविधा दी है। आइए इसके बारे में जानते हैं। इसके साथ ही हम यह भी जानेंगे कि आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में कैसे बदल सकते हैं।

क्या है हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी

हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी की बात करें तो यह स्वास्थ्य बीमा को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में बदलने की एक खास सुविधा है। इसके जरिए आप अपनी मौजूदा हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी को बिना किसी नुकसान के दूसरी बीमा कंपनी में ट्रांसफर कर सकते हैं। हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी की खासियत यह है कि ये बदलाव या बीमा ट्रांसफर करने पर आपको पहले की पॉलिसी में मिल रहे फायदे जैसे वेटिंग पीरियड, नौ क्लेम बोनस पहले की तरह जारी रहेंगे। मतलब कि हम कह सकते हैं कि हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी किसी भी पात्र ग्राहक को वेडिंग पीरियड, क्रेडिट और नौ क्लेम बोनस जैसे लाभ खोए बिना अपनी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी को एक बीमा कंपनी से दूसरी बीमा कंपनी में स्विच करने की अनुमति देती है।

20 साल में पहला आईपीओ लाने की तैयारी में मुकेश अंबानी की रिलायंस, देश विदेश में होगा बड़ा रोड शो

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ में पैसा लगाने वालों के लिए नवरात्रि-दिवाली में कमाई का बंपर मौका खुल सकता है। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम, डिजिटल और टेक्नोलॉजी कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स अपना अनुमानित 4 बिलियन का आईपीओ अक्टूबर के आखिर या नवंबर की शुरुआत में लॉन्च कर सकती है। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। यह ऑफर रिलायंस इंडस्ट्रीज ग्रुप का लगभग दो दशक में पहला होगा। इससे पहले साल 2006 में रिलायंस पेट्रोलियम की लिस्टिंग हुई थी।

ईटी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। एक सूत्र ने बताया कि पूरी संभावना है कि जियो अक्टूबर के आखिर में, खासकर नवरात्रि के शुभ दिनों के आसपास लॉन्च करने की योजना बना रही है। अगर लॉन्च अक्टूबर के आखिर तक टल जाता है, तो यह नवंबर के पहले हफ्ते तक भी जा सकता है। अगर नवरात्रि में नहीं, तो कंपनी दिवाली पर लाने का लक्ष्य रख सकती है।

देश-विदेश में रोड शो- जियो कुछ हफ्तों में सही तारीखें तय कर सकती है। उसके बाद वह देश में रोड शो करने से पहले विदेशों में रोड शो शुरू करेगी। मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने बताया कि कंपनी तीन हफ्ते के इंटरनेशनल और दो हफ्ते के घरेलू रोड शो की योजना बना रही है। इस रिपोर्ट के छपने तक कंपनी और लीड बैंकरों को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। अगर जियो का आईपीओ नवरात्रि के समय आता है तो रोड शो अगले हफ्ते ही शुरू हो सकते हैं। नवरात्रि 11 अक्टूबर को शुरू होकर दशहरा (20 अक्टूबर) को खत्म होगी। इसी तरह दिवाली 8 नवंबर को है। कंपनी ने जून में के ड्राफ्ट पेपर दाखिल किए थे और उसे 28 अगस्त को सेबी ने उसे शेयर बिक्री शुरू करने की मंजूरी दे दी थी।

किसकी कितनी हिस्सेदारी?- बड़े निवेशकों के पास कंपनी की की लगभग 30.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मेटा प्लेटफॉर्म्स की सहयोगी कंपनी के पास 9.98 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि गूगल इंटरनेशनल के पास 7.73 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जियो के अन्य निवेशकों में सऊदी अरब का पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड, सिल्वर लेक और विस्टा इक्विटी की सहयोगी कंपनियां, जनरल अटलांटिक, समर्थित कंपनियां और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के इन्वेस्टमेंट व्हीकल शामिल हैं।

सबसे बड़े आईपीओ

बैंकरों का अनुमान है कि जियो आईपीओ से करीब 37,800 करोड़ रुपये जुटा सकती है, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा पब्लिक इश्यू बन सकता है। माना जा रहा है कि यह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रस्तावित 31,000 करोड़ रुपये के से बड़ा होगा। अब तक यह रेकॉर्ड हुंडई मोटर इंडिया के नाम है जिसने 2024 में आईपीओ के जरिए 27,000 करोड़ रुपये जुटाए थे।ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार जियो 27 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर जारी करने की योजना बना रही है, जो इसके के बाद की इक्विटी कैपिटल का लगभग 2.9 प्रतिशत होगा। इसमें ऑफर-फॉर-सेल का हिस्सा शामिल नहीं है। मिलने वाली रकम का एक हिस्सा रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के 27,500 करोड़ रुपये तक के कर्ज को समय से पहले चुकाने में इस्तेमाल किया जाएगा।

आईएएस की कुर्सी छोड़ बनाई अनएकेडमी, अब 1890 करोड़ रुपये में बेची कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के एडटेक सेक्टर की चर्चित कंपनियों में शामिल रही अनएकेडमी एक बार फिर चर्चा में है। इसकी वजह कंपनी द्वारा करीब 200 मिलियन डॉलर यानी करीब 1890 करोड़ रुपये में अधिग्रहण है। इस डील के साथ कंपनी के शुरुआती को-फाउंडर्स में शामिल रहे रोमन सैनी की असाधारण करियर यात्रा भी सुर्खियों में आ गई है।

रोमन सैनी ने डॉक्टर से लेकर आईएएस अधिकारी और फिर उद्यमी बनने तक का सफर तय किया है। उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पास कर आईएएस बने और करीब डेढ़ साल बाद नौकरी छोड़कर की नींव रखने में जुट गए। 'हर रात परिवार के सोने का इंतजार करता था', शेयर बाजार क्रैश में कंगाल हुआ आज 34 देशों में कारोबार 16 की उम्र में मेडिकल एंट्रेंस पास किया।

रोमन सैनी ने महज 16 साल की उम्र में मेडिकल प्रवेश परीक्षा पास की थी। इसके बाद उन्होंने नई दिल्ली स्थित किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने जूनियर रेजिडेंट के तौर पर भी काम किया। लेकिन उनका करियर यहीं नहीं रुका। महज 22 साल की उम्र में उन्होंने अपने पहले प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा पास कर ली। उन्हें ऑल इंडिया रैंक 18 मिली और 2014 बैच के आईएएस अधिकारी बने। उन्हें मध्य प्रदेश कैडर आवंटित हुआ।

डेढ़ साल बाद छोड़ दी आईएएस की नौकरी

आईएएस अधिकारी बनने के करीब एक साल छह महीने बाद ही रोमन सैनी ने सरकारी सेवा से इस्तीफा दे दिया। उस समय वह क्क्ष्ट की तैयारी करने वाले छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाने में भी सक्रिय थे। इसी अनुभव ने उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बाद में उन्होंने गौरव मुंजाल और हेमेश सिंह के साथ मिलकर को एक औपचारिक बिजनेस के रूप में विकसित किया।

यूट्यूबर से शुरू हुआ था अनएकेडमी का सफर

अनएकेडमी की कहानी 2010 में गौरव मुंजाल के पर एजुकेशनल वीडियो अपलोड करने से शुरू हुई थी। साल 2015 में यह पहल बिजनेस में बदल गई, जब मुंजाल ने रोमन सैनी और हेमेश सिंह के साथ मिलकर कंपनी को आगे बढ़ाया। कंपनी का मॉडल टेक्नोलॉजी के जरिए शिक्षकों और छात्रों को एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जोड़ना था। शुरुआत में इसका फोकस प्रतियोगी परीक्षाओं पर रहा।

3.44 अरब डॉलर की वैल्यूएशन

ऑनलाइन शिक्षा के बढ़ते चलन के बीच अनएकेडमी ने तेजी से विस्तार किया। 2021 तक कंपनी भारत की प्रमुख एडटेक कंपनियों में शामिल हो गई थी। अगस्त 2021 में कंपनी ने अगुवाई में 440 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई। इस राउंड में और निवेशकों ने भी हिस्सा लिया। इसके बाद की वैल्यूएशन 3.44 अरब डॉलर यानी करीब 32,628 करोड़ रुपये पहुंच गई। कंपनी ने उस समय तक करीब 860 मिलियन डॉलर की कुल फंडिंग जुटा ली थी।

कोरोना में तेजी से बढ़ा कारोबार

कोरोना महामारी के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई की मांग तेजी से बढ़ी और अनएकेडमी को इसका बड़ा फायदा मिला। रोमन सैनी के मुताबिक, कंपनी के चरम दौर में प्लेटफॉर्म पर हर महीने 1 लाख से ज्यादा लाइव क्लास होती थीं और करीब 10 लाख पेड सब्सक्राइबर थे। उन्होंने यह भी बताया कि शुरुआती दौर में ऑनलाइन पढ़ाने वाले अच्छे शिक्षकों को प्लेटफॉर्म से जोड़ना बड़ी चुनौती थी। सैनी के अनुसार, पहले महीने में उन्होंने करीब 200 लोगों को फोन करके ऑनलाइन पढ़ाने के लिए मनाने की कोशिश की थी।

200 मिलियन डॉलर तक पहुंची वैल्यूएशन

कोरोना महामारी के बाद ऑनलाइन एजुकेशन सेक्टर की रफ्तार धीमी हुई और ग्रोथ पर भी इसका असर पड़ा। अब कंपनी को 200 मिलियन डॉलर से कुछ अधिक यानी करीब 1890 करोड़ रुपये में खरीदा है। यह कीमत कंपनी की 2021 की 3.44 अरब डॉलर की पीक वैल्यूएशन का एक छोटा हिस्सा है।

तेजस के लिए अमेरिका से आई अच्छी खबर, उड़ने लगे एचएएल के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका से आई एक खबर ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयरों की उड़ान तेज कर दी है। शुक्रवार को पर इसके शेयर 2.73 प्रतिशत बढ़कर 4,895.70 पर पहुंच गए। बता दें अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस द्वारा अगस्त 2026 में तेजस प्रोग्राम के लिए तीन इंजन भेजने की घोषणा के बाद आई है।

शेयर पिछले एक हफ्ते में लगभग 2 प्रतिशत गिरे हैं, लेकिन पिछले एक महीने में लगभग 3 प्रतिशत चढ़े हैं। 2026 में अब तक शेयर 8 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुके हैं।पिछले एक साल में शेयरों ने 7 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है, तीन सालों में 140 प्रतिशत से अधिक और पांच सालों में 583 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

जीई एयरोस्पेस ने क्या कहा

बयान में कहा, 'जीई एयरोस्पेस ने अगस्त 2026 में तीन इंजन भेजे हैं। हमें भारतीय वायुसेना के साथ भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमानों को ताकत देने के लिए साझेदारी करने पर गर्व है।'

ये डिलीवरी सप्लाई में लंबी देरी के बाद की गई हैं। भारतीय वायुसेना ने विमानों के ऑर्डर दो फेज में दिए हैं। सालाना उत्पादन क्षमता फिलहाल 24 विमानों की है।

भगवान श्रीकृष्ण को पालने में झुलाने को उमड़ती है भीड़

- 17वीं शताब्दी में शुरू हुई थी परंपरा
- रातभर गूंजते हैं सोहर और पारंपरिक गीत
- हर घर में तैयार होता है का भोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। झारखंड की धरती अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और खनिज संपदा के साथ-साथ सदियों पुरानी धार्मिक परंपराओं और आस्था के लिए भी खास पहचान रखती है। चतरा जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड के बरवाडीह-दुम्बी गांव स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर ऐसी ही एक अनूठी परंपरा को करीब साढ़े तीन सौ वर्षों से संजोए हुए है। यहां जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को पालने में झुलाने की परंपरा निभाई जाती है। इस खास रस्म में शामिल होने के लिए जन्माष्टमी के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं और भगवान को पालने में झुलाने के लिए घंटों अपनी बारी का इंतजार करते हैं।
बताया जाता है कि ठाकुरबाड़ी में जन्माष्टमी मनाने की यह परंपरा 17वीं शताब्दी में तिवारी परिवार ने शुरू की थी। इसी दौर में परिवार की ओर से ठाकुरबाड़ी मंदिर का निर्माण कराया गया था। मंदिर में राधा-कृष्ण, सीता-राम समेत अलग-अलग देवी-देवताओं की अष्टधातु से निर्मित प्राचीन प्रतिमाएं स्थापित हैं। समय के साथ पीढ़ियां बदलती गईं, लेकिन तिवारी परिवार और स्थानीय लोगों की आस्था आज भी इस परंपरा से उसी मजबूती के साथ जुड़ी हुई है। करीब 350 वर्षों से जन्माष्टमी का उत्सव यहां पारंपरिक तरीके से मनाया जा रहा है।
जन्माष्टमी के अवसर पर ठाकुरबाड़ी मंदिर को विशेष रूप से सजाया जाता है। मंदिर में स्थापित भगवान श्रीकृष्ण, राधा रानी और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को नए वस्त्र और आभूषण पहनाए जाते हैं। भगवान के लिए नए वस्त्र बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी यानी बनारस से मंगाए जाते हैं। वस्त्र मंदिर पहुंचने के बाद पुजारी विधि-विधान से प्रतिमाओं की साफ-सफाई करते हैं और इसके बाद उन्हें नए वस्त्र धारण कराते हैं।
जन्माष्टमी की रात होते-होते ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगती है। मध्यरात्रि में तिवारी समाज के लोग और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में एकत्र होते हैं। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की विधिवत पूजा-अर्चना की जाती है। पूजा के बाद भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को पालने में विराजमान कराया जाता है। इसके बाद जैसे ही पालना झुलाने की रस्म शुरू होती है, श्रद्धालुओं में भगवान को झुलाने के लिए उत्साह देखने को मिलता है। लोग अपनी बारी का इंतजार करते हैं और भगवान के बाल स्वरूप को पालने में झुलाकर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।
जन्माष्टमी की रात ठाकुरबाड़ी का पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। महिलाओं की टोली रातभर सोहर और भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से जुड़े पारंपरिक गीत गाती है। भजन और लोकगीतों के बीच मंदिर परिसर में आधी रात तक उत्सव का माहौल बना रहता है। इस परंपरा का सिलसिला अगले दिन भी जारी रहता है। अगले दिन भगवान श्रीकृष्ण को जगाने की विशेष रस्म निभाई जाती है। जागरण के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाता है।
ठाकुरबाड़ी में जन्माष्टमी की सबसे खास परंपराओं में भगवान श्रीकृष्ण को लगाया जाने वाला विशेष भोग भी शामिल है। जन्माष्टमी के दिन भगवान को अदरक की सोंठ और हल्दी के लड्डू का भोग लगाया जाता है। इसके अलावा दूध, दही, मक्खन, चना और अलग-अलग तरह के पुए-पकवान भी भगवान को अर्पित किए जाते हैं। इन पारंपरिक पकवानों को लेकर भी श्रद्धालुओं में खास उत्साह रहता है।
इस ठाकुरबाड़ी की भोग परंपरा की एक खास बात यह है कि पूरा भोग किसी एक घर में तैयार नहीं किया जाता। तिवारी समाज के लोग अपने-अपने घरों में अलग-अलग पकवान तैयार करते हैं। इसके बाद सभी पकवानों को दौरा में सजाकर ठाकुरबाड़ी मंदिर लाया जाता है। सभी परिवारों की ओर से लाए गए भोग को भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित किया जाता है और पूजा के बाद इसे प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाता है।
करीब साढ़े तीन शताब्दियों से चली आ रही यह परंपरा आज भी लोगों की आस्था का बड़ा केंद्र बनी हुई है। जन्माष्टमी के अवसर पर सिर्फ तिवारी समाज के लोग ही नहीं, बल्कि आसपास के गांवों और दूर-दराज के इलाकों से भी श्रद्धालु ठाकुरबाड़ी पहुंचते हैं। भगवान के बाल स्वरूप को पालने में झुलाने की परंपरा में शामिल होकर श्रद्धालु खुद को इस धार्मिक परंपरा से जोड़ते हैं और भगवान से सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करें : उपायुक्त

बैठक में प्रभावित परिवारों को बेहतर आवास, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। समाहरणालय स्थित सभागार में अमड़ापाड़ा अंचल के मौजा सिंहदेहरी संख्या- 21 एवं धमनीचुआं संख्या-12 के प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने की।बैठक में सारदा एजेंसी के प्रतिनिधि द्वारा सिंहदेहरी एवं धमनीचुआं के ग्रामीणों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन को लेकर तैयार कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि पचुवाड़ा (नॉर्थ) कोल ब्लॉक के तहत उक्त मौजों में पश्चिम बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा कोयला उत्खनन के लिए भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त है।
बैठक में प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के लिए प्रस्तावित पैकेज पर विस्तार से चर्चा की गई।
उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रभावित परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, रोजगार एवं अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं भी बेहतर रूप से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में विद्यालय की सुविधा सुनिश्चित करने तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अस्पताल का समुचित संचालन, चिकित्सकों एवं मेडिकल टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जब तक सरकारी व्यवस्था पूरी तरह स्थापित नहीं हो जाती, तब तक कंपनी द्वारा बिजली एवं आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।उपायुक्त ने रैयत परिवारों के सदस्यों की शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार/एंगेजमेंट के अवसर उपलब्ध कराने के लिए अनुकूल व्यवस्था करने का निर्देश कंपनी प्रतिनिधियों को दिया। साथ ही युवाओं के कौशल विकास के लिए मल्टी स्किल सेंटर स्थापित करने की दिशा में पहल करने की बात कही।
मौके पर सांसद विजय कुमार हांसदा ने प्रभावित परिवारों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने अस्पतालों में पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विस्थापित परिवारों को ट्रांसपोर्टिंग एवं अन्य रोजगार गतिविधियों में प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कंपनी को स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाने, विस्थापित परिवारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्थानीय लोगों एवं रैयतों को रोजगार के अवसर प्रदान करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रभावित गांवों में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।
कंपनी के निदेशक (खनन) चंचल गोस्वामी ने कहा कि प्रावधानों के तहत अधिकतम ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने के लिए कंपनी प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने का आश्वासन दिया।
बैठक के दौरान ग्रामीणों एवं रैयत परिवारों की विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को भी गंभीरतापूर्वक सुना गया। उपायुक्त ने संबंधित कंपनी प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि ग्रामीणों द्वारा उठाई गई जायज मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने अमड़ापाड़ा प्रखंड स्थित पुराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को कोल कंपनियों के सहयोग से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रभावित एवं आसपास के ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन की प्रक्रिया को पारदर्शी, मानवीय एवं जनहितकारी तरीके से आगे बढ़ाने तथा प्रभावित परिवारों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। मौके पर विधायक, लिट्टीपाड़ा हेमलाल मुर्मू, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौरभ चंद्रा, उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमित कुमार, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, सीओ, अमड़ापाड़ा, निदेशक माइनिंग, चंचल गोस्वामी, अग्रणी बैंक प्रबंधक, सिंहदेहरी संख्या-21 एवं धमनीचुआं संख्या-12 के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पाकुड़ से गुजरने वाली कई ट्रेनें रद्द

मामला बंगाल में रेलवे ट्रैक धंसने का

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ - पश्चिम बंगाल के न्यू फरक्का और तीलडांगा के बीच रेलवे ट्रैक धंसने से पाकुड़ स्टेशन होकर गुजरने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, और कई ट्रेनों का रूट भी बदला गया है। इससे पश्चिम बंगाल के खासकर कोलकाता सहित अन्य शहर जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। लगातार बारिश के बीच पश्चिम बंगाल के न्यू-फरक्का के पास रेलवे ट्रैक गुरुवार को अचानक धंस गया।
ट्रैक धंसने के कारण कई ट्रेनों का रूट बदला गया और उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचाया गया। रेलवे ट्रैक की मरम्मत के लिए विशेषज्ञ टीम भी बुलाई गई। वहां काम जोरशोर से चल रहा है ताकि ट्रैक को जल्द दुरुस्त किया जा सके। रेलवे ट्रैक धंसने के कारण पाकुड़ रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली कई ट्रेनें को शुक्रवार को रद्द कर दी गईं। जबकि कई ट्रेनों का रूट बदला गया। ट्रेनों के अचानक रद्द होने और रूट बदलने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। पाकुड़ रेलवे स्टेशन से बड़ी संख्या में यात्री पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट, बोलपुर, वर्धमान , कोलकाता जाते हैं। इसके अलावा, अन्य राज्यों के शहरों में भी लोग काम के लिए जाते हैं। खासकर, पाकुड़ रेलवे स्टेशन से ज्यादातर यात्री इलाज के लिए पश्चिम बंगाल जाते हैं.ट्रेनों के रद्द होने और रूट बदलने से यात्रियों में बेचैनी दिख रही है। रांची से पाकुड़ ट्रेन पकड़ने आए रंजीत मिंज ने बताया कि ट्रेन रद्द होने से उन्हें घर वापस लौटना पड़ रहा है।
स्टेशन मास्टर एल आर हेंब्रम ने बताया कि रेलवे ट्रैक धंसने के कारण पाकुड़ होकर मालदा और मालदा से पाकुड़ जाने वाली कई ट्रेनें रद्द की गई हैं, जबकि कुछ का रूट बदला गया है। अप और डाउन में जहां कुलिक एक्सप्रेस, बालूरघाट एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस, गौर एक्सप्रेस,कंचनजंगा एक्सप्रेस को कैंसिल किया गया है। वहीं उत्तरबंग एक्सप्रेस,जोगबनी एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है।
वही पिछले दो-तीन दिनों से संथाल परगना और पश्चिम बंगाल में लगातार बारिश हो रही है।इससे ग्रामीण इलाकों में पानी भर गया है और पाकुड़ जिले से गुजरने वाली कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।

जीविका दीदियों राहत सामग्री पैकिंग में किया श्रमदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों तक आवश्यक खाद्य एवं खान-पान सामग्री पहुंचाने के लिए चलाए जा रहे राहत कार्यों में जीविका दीदियां भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रही हैं।
इसी क्रम में जीविका दीदियों ने राहत सामग्री की पैकिंग में श्रमदान कर आपदा राहत कार्य में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। दीदियों द्वारा राहत सामग्री को व्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से पैक किया जा रहा है, ताकि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सामग्री समय पर पहुंचाई जा सके।
राहत कार्य के दौरान जीविका की जिला स्तरीय टीम एवं प्रखंड कर्मियों द्वारा भी सक्रिय सहयोग किया जा रहा है। मौके पर जिला से प्रबंधक सूक्ष्म वित्त मनोज कुमार, प्रशिक्षण अधिकारी बबीता कुमारी, छपरा सदर प्रखंड परियोजना प्रबंधक रंजीत कुमार एवं क्षेत्रीय समन्वयक संजय कुमार सहित प्रखंड के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

अमड़ापाड़ा बस स्टैंड में शुरू हुई शीतल पेय जल सुविधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। अमड़ापाड़ा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व के शुभ अवसर पर पाकुड़ जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन में आम लोगों और राहगीरों के लिए एक बेहद सुंदर और नेक सामाजिक कार्य की शुरूआत की गई है। क्षेत्र में पड़ रही तेज धूप और उमस भरी गर्मी को देखते हुए डीबीएल पी एस पी सी एल कंपनी ने अपनी कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी योजना के तहत अमड़ापाड़ा बस स्टैंड परिसर में साफ और ठंडे पानी का उत्तम इंतजाम किया है। यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए बना वरदान इस भीषण गर्मी में सफर करने वाले मुसाफिरों, राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों के लिए जिला प्रशासन और कंपनी की यह सामूहिक व्यवस्था किसी वरदान से कम नहीं साबित हो रही है। त्योहार के इस शुभ मौके पर सबसे अच्छी बात यह की गई है कि यहाँ ठंडे पानी के साथ-साथ राहगीरों के लिए गुड़ की भी विशेष व्यवस्था की गई है। बस स्टैंड से गुजरने वाले लोग गुड़ खाकर पानी पी रहे हैं, जिससे उन्हें इस तपती गर्मी में तुरंत राहत और ताकत मिल रही है। ज्ञात हो कि हमारी भारतीय संस्कृति और परंपरा में भी राहगीरों को गुड़-पानी पिलाना महापुण्य का कार्य माना गया है। इस बुनियादी जरूरत को समझने और इतनी बेहतरीन व्यवस्था करने के लिए स्थानीय जनता ने पाकुर जिला प्रशासन और कंपनी का दिल से आभार जताया है। लोगों का कहना है कि जनहित में उठाया गया यह कदम वाकई तारीफ के काबिल है।

हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

अररिया। शुक्रवार को मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल प्रांगण में श्री कृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास मनाया गया। इस अवसर पर वर्ग नर्सरी से तृतीय वर्ग के छात्रों ने श्री कृष्ण स्वरुप धारण कर झांकी की प्रस्तुति की। बच्चों के मनमोहन कृष्ण रूप को देखकर उपस्थित अभिभावक मंत्रमुग्ध हो गए। वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय के निदेशक डॉक्टर संजय प्रधान ने कहा कि बच्चों ने जो श्री कृष्ण रूप बनकर आये है ईश्वर उनको श्री कृष्ण की भांति बनाए रखें। इस अवसर पर डॉ बीएन झा पूर्व प्राचार्य, महेश केडिया,विजय केडिया,ओम शांति की लाडली बहन,अनिल शाह आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर बच्चों की माताएं एवं अभिभावक भी उपस्थित थे।सभी झांकी प्रस्तुति करने वाले छात्राओं को गिफ्ट स्वरूप कॉपी, पेंसिल बॉक्स, पेंसिल,मिठाई आदि देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का मंच संचालन अर्जुन कुमार झा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सभी शिक्षा एवं शिक्षिकाएं एवं अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

जलस्तर बढ़ने से किसानों की फसलें डूबी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। खरौंधी प्रखंड क्षेत्र से होकर गुजरने वाली सोननदी में पिछले तीन दिनों से लगातार जलस्तर बढ़ने के कारण नदी उफान पर है। सोन नदी में आई बाढ़ से तटीय इलाकों में भय का माहौल बना हुआ है। बाढ़ के पानी से किसानों के खेतों में लगी फसल डूब गई है। वहीं, कई मोटर और समरसेबल भी पानी में डूब गए हैं। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से ग्रामीणों को आने वाले समय में और अधिक नुकसान की चिंता सता रही है। सोन नदी की बाढ़ से खरौंधी प्रखंड के खोखा, चंदना, पिपरा, रजखड़ सहित कई गांव प्रभावित हुए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, अब तक करीब 50 एकड़ खेतों में लगी अरहर, धान और तिल की फसल बाढ़ के पानी की चपेट में आ चुकी है। इसके अलावा खेतों में सिंचाई के लिए लगाए गए करीब पांच मोटर और तीन समरसेबल भी पानी में डूब गए हैं। इससे किसानों को फसल के साथ-साथ सिंचाई उपकरणों के नुकसान की भी चिंता है।
ग्रामीण पवन कुमार सिंह, पंकज कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, कमलेश कुमार चौधरी, नेबु लाल खरवार और कुमारी देवी ने बताया कि पिछले तीन दिनों से सोन नदी का पानी लगातार बढ़ रहा है। नदी पूरी तरह उफान पर है। यदि जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो सोन नदी के किनारे सैकड़ों एकड़ खेतों में लगी फसल पूरी तरह डूब सकती है।
ग्रामीणों के सामने एक और गंभीर समस्या मवेशियों को लेकर बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि सोन नदी के बीच स्थित टीला पर गांव के करीब 50 गाय और बैल फंस गए हैं। पानी बढ़ने के कारण इन मवेशियों को सुरक्षित निकालना मुश्किल हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सोन नदी का जलस्तर थोड़ा और बढ़ा तो टीला भी पानी की चपेट में आ सकता है और वहां फंसे मवेशियों के बहने का खतरा बढ़ जाएगा।

जन्माष्टमी की धूम, मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ जिले में शुक्रवार को जन्माष्टमी का पर्व पूरे उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान लोगों में खास भक्ति भाव देखने को मिली। सुबह से ही शहर के बाजारों में काफी रौनक थी।
प्रखंड क्षेत्र के बाजारों में भी लोग फल और पूजा सामग्री खरीदते दिखे।शहर के इस्कॉन मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। यहां बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ी। सुबह मंगल आरती हुई, जिसमें कई भक्त शामिल हुए। मंदिर के पुरोहित ने भगवान की पूजा-अर्चना की। इसके बाद कई अनुष्ठान भी संपन्न कराए गए।
शाम के समय मंदिर के पास सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों और स्थानीय कलाकारों ने भक्ति गीत और नृत्य पेश किए, जिससे लोग झूम उठे। जिला मुख्यालय के ठाकुरबारी मंदिर, राधे कृष्ण मंदिर और मनोकामना मंदिर समेत कई मंदिरों में भी भक्तों की भारी भीड़ देखी गई।
जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों के कृष्ण मंदिरों को भी जन्माष्टमी के लिए आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कई मंदिरों में भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ। कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे।
विभिन्न थाना क्षेत्रों के कृष्ण मंदिरों में पुलिस अधिकारी और जवान गश्त करते दिखे। शाम के समय भी मंदिरों में काफी भीड़ थी। लोग मंदिर पहुंचकर संध्या आरती में हिस्सा लेकर भगवान की पूजा-अर्चना करते दिखे। कई मंदिरों में आकर्षक बिजली की सजावट भी की गई थी।

पंचायत समिति सदस्य के बैंक खाते में साइबर अपराधियों ने लगायी सेंध

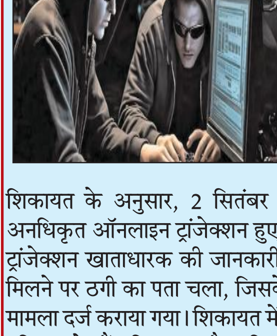

जमशेदपुर। बागबेड़ा कालोनी की पंचायत समिति सदस्य झरना मिश्रा के बैंक खाते से बिना अनुमति तीन ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिये 1,57,839 रुपये उड़ाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर उनके पति श्रवण मिश्रा ने जमशेदपुर साइबर क्राइम थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच, राशि की रिकवरी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।
शिकायत के अनुसार, 2 सितंबर 2026 को बैंक खाते से लगातार तीन अनधिकृत ऑनलाइन ट्रांजेक्शन हुए। पीड़ित परिवार का आरोप है कि ये सभी ट्रांजेक्शन खाताधारक की जानकारी और अनुमति के बिना किए गए। मैसेज मिलने पर ठगी का पता चला, जिसके बाद तुरंत साइबर क्राइम थाना पहुंचकर मामला दर्ज कराया गया। शिकायत में बैंक खाते और फर्जी ट्रांजेक्शन का ब्योरा पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस अब तकनीकी जांच के जरिए यह पता लगाने में जुटी है कि रकम किन खातों में ट्रांसफर की गई है। घटना के बाद बागबेड़ा कालोनी के पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने पुलिस-प्रशासन से मामले की गहनता से जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार करने और पीड़िता को ठगी की पूरी राशि वापस दिलाने की मांग की है।

ट्रक लूट मामले में सात गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले के चकाई थाना क्षेत्र में गिरिडीह-चकाई मुख्य सड़क पर सरेन गांव के पास हुए ट्रक लूटकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने ट्रक चालक समेत कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 22 टन अभिमन्यू गोल्ड ब्रांड का चावल बरामद किया है। इसके अलावा लूट में इस्तेमाल कार समेत अन्य सामान भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 14-15 अगस्त 2026 की रात अपराधियों ने सरेन गांव के समीप चावल लदे ट्रक को रोककर चालक के साथ वारदात को अंजाम दिया था। अपराधियों ने चालक को बेहोशी की हालत में सड़क किनारे छोड़ दिया और चावल से लदा ट्रक लेकर फरार हो गए थे। घटना के बाद चकाई थाना में कांड संख्या 128/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।
मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ झाझा के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने गिरोह से जुड़े आरोपियों की पहचान की और उनकी गिरफ्तारी शुरू की।
जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि लूटे गए चावल को मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज स्थित एक गोदाम में रखा गया था। वहां छापेमारी कर करीब 215 बोरा चावल बरामद किया गया। इसके अलावा राजू चौधरी की निशानदेही पर जैतपुर स्थित गोदाम से 91 बोरा तथा अनिल कुमार की निशानदेही पर 50-50 किलोग्राम के 45 बोरे चावल बरामद किए गए।
पुलिस ने इस मामले में पहले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। अब चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें वैशाली जिले के मनपीयर निवासी मो. तैयब उर्फ, मुजफ्फरपुर के रेपुरा निवासी मो. अनवर उर्फ और मो. अफसर अली तथा जमुई के बरहट थाना क्षेत्र के पथैड़ी निवासी नितीश कुमार शामिल हैं।

छात्राओं से छेड़खानी का विरोध करने वालों पर पुलिस ने भांजी लाठियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। स्कूल आने-जाने के क्रम में नाबालिग छात्रा से छेड़खानी करने वाले समुदाय विशेष के छात्र के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय पचंबा थाना की पुलिस ने घटना का विरोध करने वालों पर ही जमकर लाठी भांजने का काम किया है। इस मामले को लेकर झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पुलिस की कार्रवाई की निंदा की है।
छेड़खानी से परेशान छात्रा के स्वजन गुरुवार की रात शिकायत लेकर पचंबा थाने पहुंचे। इसी बीच आरोपित पक्ष के लोग भी थाने में जुट गए। इसके बाद दोनों पक्षों में सामान्य रूप से होने वाली बातचीत देखते ही देखते तू तू-मैं मैं व हाथापाई तक पहुंच गई। इस क्रम में थाना परिसर में रात में दोनों पक्षों के बीच का विवाद एक बड़े बवाल का रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इसका कोपभाजन पुलिस को भी होना पड़ा और पुलिस को भी खरी-खोटी सुनाई जाने लगी।
इसके बाद पुलिस ने अतिरिक्त बलों की मदद से कार्रवाई करते हुए हंगामा करने वालों पर लाठी चार्ज कर दी। लाठी चार्ज में कई लोग घायल हो गए। छात्रा के पक्ष के लोग भी घायल हुए। छात्रा के पक्ष से शिकायत करने पहुंचे कुछ भाजपा कार्यकताओं की भी पुलिस ने पिटाई कर दी।
आरोपित छात्र पहले भी परेशान करता था। इसे लेकर आरोपित को समझाया गया था लेकिन वह समझने के बजाए छेड़खानी करने से बाज नहीं आ रहा था। इसी शिकायत को लेकर पीड़िता के स्वजन व अन्य थाना पहुंचे थे। यहां आरोपित पक्ष के लोग भी पहुंच गए और थाना परिसर में पीड़ित पक्ष के साथ उलझ गए। इसके बाद पुलिस ने लाठी चार्ज की।
मामला दो समुदाय के बीच का होने के कारण यहां फिलहाल तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस एक ओर पूरे मामले पर पैनी नजर जमाए हुए है तो दूसरी ओर पीड़िता पक्ष के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए आरोपित को दबोचने के लिए छापेमारी करने में जुटी है।

चिराग पासवान ने दर्ज करायी शिकायत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने शुक्रवार को दावा किया कि दक्षिणपंथी इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज ने एक कथित वायरल वीडियो में उनके नाम का गलत इस्तेमाल किया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को बुलंदशहर से हिरासत में ले लिया है। वीडियो में भारद्वाज ने कथित तौर पर दावा किया कि हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रा निशु आजाद के पिता के साथ मारपीट की थी। उन्होंने कथित तौर पर यह भी दावा किया कि राजनीतिक संबंधों के कारण दिल्ली पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया।
चिराग पासवान ने कहा कि उन्होंने आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है और वह नाबालिग पीड़िता निशु आजाद तथा उसके परिवार को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब नई दिल्ली में पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाहर सीजेपी के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बाद दिल्ली पुलिस ने भारद्वाज को 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

मनोहरपुर स्टेशन पर आज से रुकेगी एनार्कुलम एक्सप्रेस

चक्रधरपुर। टाटानगर से चलकर एनार्कुलम को जाने वाली 18189-18190 एक्सप्रेस शनिवार से मनोहरपुर स्टेशन पर भी रुकेगी। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश के तहत टाटा-एनार्कुलम एक्सप्रेस सुबह छह बजकर 59 मिनट पर मनोहरपुर पहुंचेंगी और एक मिनट के ठहराव के बाद आगे बढ़ जाएगी। वहीं, डाउन ट्रेन 18190 एनार्कुलम-टाटा एक्सप्रेस सात सितंबर से रात एक बजकर 54 मिनट पर पहुंचेगी।

एडिन जेको का इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

इंस्टाग्राम पर लिखा भावुक पोस्ट

नई दिल्ली ।बोस्निया और हर्जेगोविना के दिग्गज खिलाड़ी और मैनचेस्टर सिटी के पूर्व स्टार एडिन जेको ने इंटरनेशनल फुटबॉल से रिटायरमेंट का ऐलान किया है।बोस्निया का यह स्टार खिलाड़ी नेशनल टीम के लिए अपना आखिरी मैच 2 अक्टूबर को खेलेगा, जब उनकी टीम नेशंस लीग में स्वीडन का सामना करेगी।एडिन जेको ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर एक भावुक पोस्ट करते हुए कहा कि नेशनल टीम के लिए खेलना फुटबॉल से मिला सबसे कीमती तोहफा रहा है।40 साल के इस खिलाड़ी ने अपने 20 साल के सफर के यादगार पलों को भी याद किया।जेको ने पोस्ट में लिखा, 'कभी-कभी मैं सोचता था कि यह पल कब

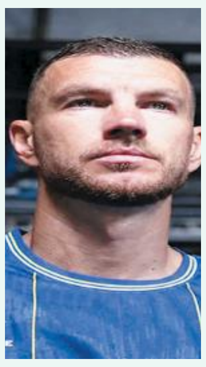

आएगा, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये शब्द लिखते समय मैं इतना भावुक हो जाऊंगा।2 अक्टूबर को मैं स्वीडन के खिलाफ अपनी नेशनल टीम के लिए अपना अगला और आखिरी मैच खेलूंगा।मेरे करियर में किसी भी चीज की तुलना उस गर्व से नहीं की जा सकती, जो मुझे हर बार उस जर्सी को पहनकर महसूस हुआ।कुछ भी नहीं। यह मेरा बचपन का सपना था। फुटबॉल के मैदान पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने वाले उन सभी 151 मैचों में मैं उस सपने को अपने साथ लेकर चला।'

जेको ने 20 साल पहले तुर्की के खिलाफ बोस्निया की जर्सी में खेले गए अपने पहले मैच को भी याद किया और कहा, 'तुर्की के खिलाफ खेले गए उस मैच को लगभग 20 साल बीत चुके हैं।उस दिन के बाद से बहुत कुछ बदल गया है, और मैं भी बदल गया हूं, लेकिन इस जर्सी के लिए मेरा प्यार कभी नहीं बदला।' 40 साल के इस खिलाड़ी ने 151 मुकाबलों में कुल 73 गोल किए, जो बोस्निया और हर्जेगोविना के लिए रिकॉर्ड हैं।अपने शानदार करियर के दौरान उन्होंने टीम को दो वर्ल्ड कप तक पहुंचने में मदद की।2014 में उन्होंने पहली बार अपने देश को वर्ल्ड कप में पहुंचाया, तो 2026 में टीम ने अंतिम 32 तक का सफर तय किया था।टीम में अनगिनत योगदान देने के बाद, जेको का मानना ??है कि अब पीछे हटने का सही समय है।

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि अब पीछे हटने का समय आ गया है।अगर मैं 40 साल की उम्र तक नेशनल टीम में बना रह सका, तो इसकी वजह यह है कि मैंने सचमुच अपना सब कुछ दिया।हर बार।अपना सब कुछ।' इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बावजूद, जेको बुंडेसलिगा में अपने क्लब शाल्के का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे।

पार्टी और मौज-मस्ती के सवाल को लेकर पत्रकार पर भड़कीं सबालेंका

प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाई फटकार

न्यूयॉर्क ।दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन में दूसरे राउंड की जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टूर्नामेंट से पहले की अपनी गतिविधियों के बारे में पूछे गए सवाल पर एक पत्रकार को जमकर खरी-खोटी सुनाई। बेलारूस की स्टार टेनिस खिलाड़ी सबालेंका ने न्यूयॉर्क में अपना खिताब बचाने की कोशिश में दूसरे राउंड के मैच में पोलिना इत्वेंको को 6-1, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई।22 साल की इत्वेंको पर शानदार जीत के बाद दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी से यूएस ओपन से पहले उनके स्पॉन्सरशिप के कामों के बारे में पूछा गया।प्रेस कॉन्फ्रेंस के

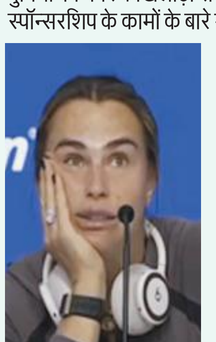

दौरान एक रिपोर्टर ने पूछा, 'टूर्नामेंट शुरू होने के बाद अब आपका मूड कैसा है? जाहिर है कि पिछले हफ्ते बहुत सारी पार्टियां और मौज-मस्ती वगैरह हुई थी।' सबालेंका ने रिपोर्टर को फटकार लगाते हुए कहा, 'यह कैसा सवाल पूछा है आपने?' उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'आप लोग तो मजाक जैसे हैं।पार्टियां? मौज-मस्ती? आप ऐसा क्यों कहेंगे? आप ऐसा सोचेंगे ही क्यों? मतलब, यह कैसा सवाल है? सिर्फ इसलिए कि मैंने ब्रांड्स के साथ कुछ गतिविधियां पोस्ट कीं, तो आपको लगता है कि मैं पार्टी कर रही थी?'

सबालेंका ने दूसरे राउंड में अपनी प्रतिद्वंद्वी को आसानी से हराया।उन्होंने इत्वेंको को हराने में सिर्फ 54 मिनट लिए और न्यूयॉर्क में अपनी जीत का सिलसिला 15 मैचों तक बढ़ाया। मैच के बारे में बात करते हुए सबालेंका ने कहा, 'मैं अपने खेल के स्तर से खुश हूं।मैं बहुत मेहनत कर रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं कोर्ट पर परफेक्ट बनने की कोशिश से थोड़ा दूर हो रही हूं।मुझे पता है कि आप परफेक्ट नहीं हो सकते, और मैं बस अभी जो मेरे पास है, उसी के साथ काम करने की कोशिश कर रही हूं।मैं अपने खेल के स्तर से काफी खुश हूं। मैं अपने फोकस से खुश हूं।मुझे खुशी है कि चाहे कुछ भी हो जाए, मैं खुद पर ध्यान केंद्रित कर पा रही हूं और अपने फोकस पर लगातार बनी हुई हूं।' शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अब तीसरे राउंड में उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा से भिड़ेगी।

भारत ने हांगकांग चीन को 137 रन से हराया

सेमीफाइनल में भी बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत ने महिला एशिया कप 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में हांगकांग चीन को 137 रनों से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत का अब अगला और ग्रुप स्टेज का तीसरा व आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 5 सितंबर को होगा। इस मैच में जीत के साथ भारत ग्रुप ए में आखिरी तक नंबर 1 रह सकता है।

इस मैच में भारत ने 194 रन का लक्ष्य रखा था और स्मृति मंधाना ने 64 गेंद पर 124 रन की पारी खेली थी। जवाब में हांगकांग की पूरी टीम 16.2 ओवर में 56 रन पर ढेर हो गई। भारत के लिए गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके। वहीं नंदनी शर्मा, प्रेमा रावत और श्री चरणी को 2-2 विकेट मिले।

भारत ने बनाए 5 विकेट पर 193 रन

भारतीय टीम इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले खेलने उतरी। भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 193 रन बनाए। इसमें से अकेले 124 रन स्मृति मंधाना के थे। उनके अलावा 17 गेंद पर 28 रन शेफाली वर्मा ने बनाए। उनके और स्मृति के बीच पहले विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी हुई। हांगकांग चीन को जीत के लिए 194 रन का लक्ष्य मिला।

एशियन गेम्स 2026: वीवीएस लक्ष्मण होंगे भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच, खेल मंत्रालय ने पुष्टि की

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण आगामी आइची-नागोया एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच की भूमिका निभाएंगे।इसकी पुष्टि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने भारतीय दल की घोषणा के साथ की।मंत्रालय की तरफ से घोषित 768 सदस्यीय भारतीय दल में 503 एथलीट, 246 टीम अधिकारी और सहयोगी स्टाफ तथा 19 स्टाफ दल के सदस्य शामिल हैं।नियमित हेड कोच गौतम गंभीर को वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले आराम दिया गया है।ऐसे में वीवीएस लक्ष्मण एशियन गेम्स में पुरुष टीम की देखरेख करेंगे।मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, सुनील जोशी, ऋषिकेश कानितकर और सुभादीप घोष लक्ष्मण के साथ जुड़ेंगे, जबकि अमोल मजूमदार एशियन गेम्स में महिला टीम की कमान संभालेंगे।लक्ष्मण ने हाल ही में जुलाई में जिम्बाब्वे के विरुद्ध टी20 सीरीज के दौरान भारतीय टीम की देखरेख की थी।ऐसा तब हुआ था जब इंग्लैंड के विरुद्ध व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद गंभीर को आराम दिया गया था।भारतीय पुरुष और महिला टीमें एशियन गेम्स में मौजूदा चैंपियन के तौर पर उतरेंगी, क्योंकि उन्होंने 2022 हांग्जो खेलों में खिताब जीता था।

स्मृति मंधाना ने शतक ठोक रचा इतिहास

मिताली राज का वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के दूसरे मुकाबले में भारतीय उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने बेहतरीन शतक जड़ा। उनका टी20 इंटरनेशनल में यह दूसरा शतक था। इसी के साथ उन्होंने मिताली राज के एक वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है। उनके नाम अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन दर्ज हो गए हैं। उन्होंने मिताली के 10868 रन के रिकॉर्ड को अपने 302वें इंटरनेशनल मैच में तोड़ा।

मिताली राज ने अपने इंटरनेशनल करियर में 333 मैच खेलते हुए 10868 रन बनाए थे। वहीं स्मृति ने अपने करियर के 302वें मैच में यह उपलब्धि हासिल कर ली। अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर हैं। इस मामले में तीसरे नंबर पर हैं सूजी बेट्स। महिला एशिया कप में भी स्मृति सबसे ज्यादा 18 शतक लगाने वाले खिलाड़ी बनीं। इस दौरान उन्होंने मिताली राज के महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर की भी बराबरी की। स्मृति मंधाना ने इस मुकाबले में 64 गेंद पर 124 रन बनाए। इस पारी में उनके बल्ले से 14 चौके और 7 छक्के निकले। उन्होंने इस दौरान रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी। उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। सबसे बड़ा तो वर्ल्ड रिकॉर्ड था जो उन्होंने तोड़ा और मिताली को पीछे छोड़ा। वहीं भारत के लिए महिला टी20 इंटरनेशनल की भी वह टॉप स्कोरर बनीं। एशिया कप में भी सबसे बड़ी पारी खेलनी वाली महिला क्रिकेटर वह बनीं।

महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए बीसीसीआई हमेशा तैयार: देवजीत सैकिया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि बोर्ड कम समय में आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी के पहले संस्करण की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका से मेजबानी अधिकार वापस लेकर भारत को सौंप दिए हैं। छह टीमों वाला यह टूर्नामेंट अगले साल 14 से 28 फरवरी तक खेला जाएगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेंगी। इसके मुकाबले दो मैदानों - मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया के ब्रेबोर्न स्टेडियम और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। बीसीसीआई मुख्यालय में प्रदर्शन समीक्षा बैठक के बाद सैकिया ने संवाददाताओं से कहा, 'आपको बीसीसीआई की सराहना करनी चाहिए कि हम अगले साल फरवरी में महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने जा रहे हैं। हमारे पास दो स्थल हैं, एक सीसीआई ब्रेबोर्न, जो वानखेड़े स्टेडियम के बगल में है। दूसरा बड़ौदा है और हमें सराहना करनी चाहिए और हमें आईसीसी, जिसमें जय शाह भी शामिल हैं, को धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने सोचा कि बीसीसीआई सही देश है जो इतने कम समय में

टूर्नामेंट की मेजबानी कर सकता है।'

आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) से सरकारी हस्तक्षेप के कारण मेजबानी अधिकार छीन लिए थे। श्रीलंका सरकार ने बोर्ड के संचालन के लिए सरकार समर्थित ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी नियुक्त की थी।

भारत को बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका की दावेदारी के बीच मेजबान चुना गया। मेजबानी गंवाने के बावजूद श्रीलंका ने टूर्नामेंट में अपनी जगह बरकरार रखी है, क्योंकि उसने 6 जुलाई की कट-ऑफ तारीख तक वैश्विक टी20आई रैंकिंग के आधार पर स्वतः क्वालिफाई कर लिया था।

सैकिया ने कहा, 'बीसीसीआई हमेशा इस तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयार रहता है और इसके लिए बीसीसीआई को कुछ श्रेय मिलना चाहिए कि हम किसी भी समय किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन को समायोजित करने के लिए तैयार हैं। आखिरी क्षण में, 11वें घंटे पर, श्रीलंका इस टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं कर सका। बीसीसीआई ने चार स्थानों की पेशकश की, जिनमें से दो स्थानों का चयन किया गया और हम इसकी बहुत अच्छे तरीके से मेजबानी करने जा रहे हैं।'

ब्रेबोर्न स्टेडियम ने आखिरी बार दिसंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय महिला टी20 सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी की थी, हालांकि इसने 2023 और 2025 में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैचों की मेजबानी की है।

वडोदरा भी एक प्रमुख स्थल के रूप में उभरा है। यहां 2025 और 2026 में डब्ल्यूपीएल मुकाबले और 2024 में भारत-वेस्टइंडीज महिला वनडे सीरीज खेली गई थी।

आर्यना सबालेंका ने पोलिना इयात्सेंको को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । दुनिया की नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सबालेंका ने रूस की पोलिना इयात्सेंको को 6-1, 6-1 से हराया। लगातार तीसरा यूएस ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रही आर्यना सबालेंका को पोलिना इयात्सेंको पर जीत हासिल करने में कोई खास परेशानी नहीं हुई। सबालेंका ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में 24 विनर लगाए। इस जीत के साथ सबालेंका ने यूएस ओपन में अपनी लगातार जीत का

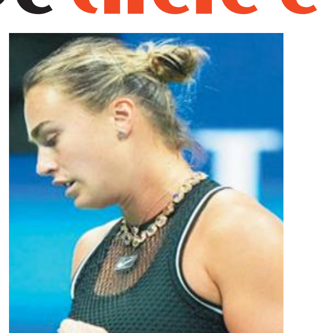

सिलसिला 15 मैचों तक पहुंचाया है। उन्होंने ग्रैंड स्लैम इवेंट्स में लगातार 22 दूसरे राउंड के मैच जीते हैं। सबालेंका अब यूएस ओपन में उन मैचों में 30-2 से आगे हैं जहां वह पहला सेट जीतती हैं। पिछली बार जब वह न्यूयॉर्क में पहला सेट जीतने के बाद कोई मैच हारी थीं, तो वह 2023 का फाइनल था। बेलारूस की खिलाड़ी का अगला मुकाबला कामिला राखिमोवा से है। सबालेंका, राखिमोवा के खिलाफ हेड टू हेड में 3-0 से आगे हैं।

लिंडा नोस्कोवा ने लैनलाना तारारुडी को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई

न्यूयॉर्क ।विंबलडन चैंपियन और नंबर 6 सीड लिंडा नोस्कोवा ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में थाईलैंड की लैनलाना तारारुडी को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के तीसरे राउंड में जगह बना ली।लिंडा नोस्कोवा इस बार तीसरे राउंड से आगे बढ़ने की

कोशिश करेंगी।पिछले साल तीसरे राउंड में उन्हें कैरोलिना मुचोवा ने हराया था।दोनों खिलाड़ियों ने मैच की शुरुआत सर्विस पर जोरदार तरीके से की, लेकिन नोस्कोवा तारारुडी पर तब तक दबाव बनाती रहीं जब तक वह चेक खिलाड़ी की बेसलाइन से आ रहे हमलों को झेल नहीं पाईं।आखिर में, नोस्कोवा ने सातवें गेम में टारारुडी की सर्विस तोड़ी और पहला सेट जीता। नोस्कोवा ने 15 में से 12 नेट पॉइंट जीते।पहले सेट में शुरुआती मुश्किलों के बाद नोस्कोवा ने मैच पर पूरा नियंत्रण स्थापित कर लिया।दूसरे सेट में भी खेल उनके नियंत्रण में रहा।लिंडा नोस्कोवा ने लैनलाना तारारुडी को 6-4, 6-2 से हराया।यह 2026 में नोस्कोवा की 11वीं ग्रैंड स्लैम मैच जीत थी, जो एक कैलेंडर साल में उनकी सबसे ज्यादा जीत है।उनका पिछला बेस्ट 2024 में छह ग्रैंड स्लैम मेन-ड्रॉ मैच जीतना था।अपने विंबलडन टाइटल के अलावा, वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में तीसरे राउंड में पहुंचीं।रोलैंड गैरोस में पहले राउंड में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

विमेंस बिग बैश लीग

सिडनी सिक्सर्स ने सोफिया डंकले के साथ एक साल का करार किया

सिडनी ।इंग्लैंड की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज सोफिया डंकले ने विमेंस बिग बैश लीग-12 के लिए सिडनी सिक्सर्स के साथ करार किया है।28 साल की बल्लेबाज 'द हंड्रेड' में ट्रेंट रॉकेट्स के साथ सफलता के बाद ऑस्ट्रेलिया आएंगी।ट्रेंट रॉकेट्स में डंकले के साथ ऑस्ट्रेलियाई स्टार एश्ले गार्डनर भी शामिल थीं।डंकले ने ट्रेंट रॉकेट्स को विमेन 'द हंड्रेड' 2026 का खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।वह कॉम्पिटिशन की ऑल-टाइम सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी थीं।डंकली ने विमेंस बिग बैश लीग 11 के दौरान सिक्सर्स के लिए खेलते हुए 354 रन बनाए थे। सिक्सर्स द्वारा साझा एक बयान में डंकली ने कहा, 'मुझे पिछले सीजन में सिक्सर्स के साथ अपना समय बहुत पसंद आया और मैं वापस आकर बहुत उत्साहित हूं।मेरा खिलाड़ियों, कोचों और फैन्स ने स्वागत किया है।मुझे पिछले साल क्लब के साथ अपना समय बहुत पसंद आया और मैं नॉर्थ सिडनी में लड़कियों के साथ वापस खेलने का इंतजार नहीं कर सकती।'

2018 में इंग्लैंड में डेब्यू करने के बाद से, डंकली ने खुद को दुनिया की सबसे अच्छी बल्लेबाजों में से एक के तौर पर स्थापित किया है, और सभी फॉर्मेट में एक अहम खिलाड़ी बन गई हैं।सिडनी सिक्सर्स की जनरल मैनेजर रेचल हेन्स ने कहा कि अगले सीजन के लिए डंकले का जुड़ना क्लब के लिए बड़ा बूस्ट था।

हेन्स ने कहा, 'सोफिया ने पिछले सीजन में प्रभावित किया था।हमारी बैटिंग लाइन-अप की क्षमता बढ़ी और जल्दी ही मैदान पर और मैदान के बाहर ग्रुप की एक अहम सदस्य बन गईं।

भारत-पाकिस्तान की राइवलरी पर बोले वसीम अकरम

'लोग क्यों नहीं समझते हैं कि यह सिर्फ एक मैच है'

नई दिल्ली । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने क्रिकेट फैंस से कहा है कि भारत और पाकिस्तान के मुकाबलों को सिर्फ एक खेल की तरह देखें। उन्होंने कहा कि लोगों को इस राइवलरी में पुरानी बातें, राजनीतिक मुद्दे या अधिक भावनाएं नहीं जोड़नी चाहिए। अकरम का मानना है कि भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा रोमांचक होते हैं, लेकिन खिलाड़ियों और फैंस को इसे खेल की भावना के साथ देखना चाहिए। उन्होंने भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान के साथ अपने लंबे रिश्ते पर भी बात की। अकरम ने कहा कि दोनों के बीच कई वर्षों से अच्छा संबंध रहा है और वे एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि सोशल मीडिया पर इरफान की कुछ बातों या गतिविधियों से वह हमेशा सहमत नहीं रहे। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि अलग-अलग राय होना सामान्य बात है और इससे आपसी सम्मान कम नहीं होता। अकरम ने '1 मिनट' पॉडकास्ट पर बात करते हुए दोनों पड़ोसी देशों के बीच होने वाले मैचों को लेकर लोगों में बहुत ज्यादा उत्साह और जुनून पर बात की। उन्होंने कहा कि क्रिकेट मैच के नतीजे को समर्थकों के बीच लंबे समय तक दुश्मनी की वजह नहीं बनना चाहिए। लोगों के पास बहुत समय है। वे क्यों नहीं समझते? यह बस एक खेल है। आखिरकार, यह सिर्फ एक मैच है। किसी को जीतना है, किसी को हारना है। फिर अगले मैच की ओर बढ़ना है। मगर नहीं, जो बहुत पहले हुआ था, वह अभी भी लोगों के मन में है। बदला लेने जैसी बातें 1970 के दशक की हैं। यह वही पुरानी कहावत है कि 'खाली दिमाग शैतान का घर होता है'।'

क्रिकेट इतिहास के सबसे मशहूर तेज गेंदबाजों में से एक अकरम ने पठान के साथ अपने रिश्ते पर भी बात की। इंटरनेशनल क्रिकेट में आने के बाद पठान की तुलना अक्सर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान से की जाती थी, क्योंकि दोनों ही बाएं हाथ के तेज गेंदबाज थे और उनके गेंदबाजी एक्शन में भी समानताएं थीं।

दोनों की पहली मुलाकात 2004 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान हुई थी, जब पठान इंटरनेशनल लेवल पर अपनी जगह बना रहे थे। अकरम ने बताया कि यह युवा भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान के महान बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों को देखकर बड़ा हुआ था और तेज गेंदबाजी की कला सीखने के लिए बहुत उत्सुक था।

उन्होंने कहा, 'इरफान 2004 में ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर मुझसे मिले थे। मैं कमेंट्री कर रहा था। वह मेरे बहुत बड़े फैन थे। हमें खेलते हुए देखकर ही बड़े हुए थे। मैंने उन्हें कुछ टिप्स दिए थे, लेकिन उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही अच्छा प्रदर्शन किया। उनका बॉलिंग एक्शन शुरू से ही मेरे जैसा था। हालांकि, जब खिलाड़ी आपसे कुछ पूछते हैं, तो आप उन्हें ज्यादातर माइंडसेट के बारे में बताते हैं। एक्शन वगैरह तो ठीक है, क्योंकि उस स्टेज पर आप उस लेवल पर पहुंच चुके होते हैं, जहां आप देश का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं।'

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज ने बताया कि उभरते हुए खिलाड़ियों को उनकी सलाह पहले से बनी-बनाई तकनीक को बदलने पर कम और सबसे ऊंचे स्तर पर सफल होने के लिए जरूरी रणनीतिक समझ विकसित करने पर ज्यादा केंद्रित होती थी। अकरम ने कहा, 'वेरिएशन का इस्तेमाल कब करना है, कब नहीं। इरफान अच्छा लड़का है। वह अब भी मुझसे मिलता रहता है। यह अलग बात है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ कुछ न कुछ सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। हालांकि, हमारे फैन भी तैयार रहते हैं। वे भी नजरअंदाज नहीं करते। उन्हें बस जवाब देना होता है।'

पठान ने 2003 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया और जल्द ही भारत के सबसे होनहार ऑलराउंडरों में से एक बन गए।

संक्षिप्त समाचार

बीमारी के बाद झाड़-फूंक का सहारा, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से हड़कंप

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भुरकुंडा थाना क्षेत्र के पाली गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। मृतकों में संगीता और उसके दो बेटे रामकिशुन व साहिल शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों बेटों की तबीयत बिगड़ने पर जांच में मलेरिया और टाइफाइड की पुष्टि हुई थी। आरोप है कि चिकित्सकीय उपचार के साथ परिवार ने झाड़-फूंक का भी सहारा लिया। हालत गंभीर होने पर दोनों बेटों की मौत हो गई। इसके बाद संगीता की तबीयत बिगड़ी और रामगढ़ से रिम्स रेफर किए जाने के बाद इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

एक ही परिवार में तीन मौतों के बाद गांव में मातम पसरा है। घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। मौत की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

चतरा में नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत, तीसरा लापता

चतरा, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चतरा के सदर थाना क्षेत्र स्थित घूरनाडीह गांव के कड़गु पटेर (तड़गू) नदी में शुक्रवार को दो बच्चों के शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। बताया गया कि तीन दोस्त पिकनिक मनाने पहुंचे थे। पास्ता खाने के बाद तीनों नदी में नहाने उतरे और गहरे पानी में चले गए। पुलिस ने एक शव नदी के अंदर और दूसरा किनारे से बरामद किया। दोनों की पहचान नहीं हो सकी है। घटनास्थल से दो साइकिल, तीन जोड़ी चप्पल और दो बैग मिले हैं। तीसरे बच्चे की तलाश जारी है। घटना से इलाके में मातम पसरा है।

7 सितंबर के धरना-प्रदर्शन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का आह्वान

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कांग्रेस प्रवक्ता सुधीर मंगलेश ने बयान जारी कर कहा कि भगवान श्रीराम मंदिर के नाम पर चंदा चोरी के आरोपों तथा झारखंड के जल, जंगल, जमीन और खनिज संसाधनों पर राज्य के अधिकारों को प्रभावित करने वाले खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2026 के विरोध में 7 सितंबर को लोकभवन के समक्ष विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। सुधीर मंगलेश ने कहा कि यह लड़ाई केवल कांग्रेस की नहीं, बल्कि झारखंड के अधिकार, अस्मिता और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा की लड़ाई है। जल, जंगल, जमीन और खनिज पर पहला अधिकार झारखंडवासियों का है। उन्होंने कहा कि राज्य के हितों को प्रभावित करने वाले किसी भी कानून या नीति का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाएगा। उन्होंने लोगों से 7 सितंबर के धरना-प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर झारखंड के अधिकारों की आवाज को बुलंद करने की अपील की।

घर के सामने खड़ी बाइक चोरी, पुलिस से बरामदगी की गुहार

हुसैनाबाद, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड में घर के सामने खड़ी बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित मनीष यादव ने घटना को लेकर हुसैनाबाद थाने में लिखित आवेदन देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। भुक्तभोगी मनीष यादव के अनुसार, उन्होंने 3 सितंबर की रात करीब 10 बजे अपनी बाइक घर के सामने खड़ी की थी और सोने चले गए। 4 सितंबर की सुबह करीब 4 बजे बाहर निकलने पर बाइक गायब मिली। आसपास काफी खोजबीन के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं मिला।चोरी हुई बाइक एचएफ डीलक्स है, जिसका रंग ब्लैक-रेड बताया गया है। बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच-03-भी-7975 है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर बाइक बरामद करने तथा चोरी में शामिल लोगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

गिरिडीह में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शांति भवन सहित शहर के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।जन्माष्टमी को लेकर मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की और सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। वहीं, कई स्थानों पर बच्चों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मटका फोड़ कार्यक्रम और सांस्कृतिक आयोजनों ने जन्माष्टमी के उत्साह को और बढ़ा दिया। भजन-कीर्तन से पूरा शहर भक्तिमय नजर आया। शांति भवन समेत विभिन्न मंदिरों में देर रात तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। जन्माष्टमी को लेकर बच्चों, युवाओं और महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

धरहरा-अभयपुर-महरना रेलखंड पर एईएन लाइन ने एक घंटे तक खंगाली पटरी

जमालपुर(मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जमालपुर-किऊल रेलखंड के धरहरा-अभयपुर-महरना रेलखंड पर बीते रात्रि रामपुरहाट पैसेंजर ट्रेन के चालक को अचानक पटरी पर तेज झटका महसूस होने से रेल महकमे में हड़कंप मच गया। चालक द्वारा इसकी सूचना दिए जाने के बाद एहतियातन ट्रेन का परिचालन करीब 42 मिनट तक रोक दिया गया। अचानक ट्रेन रुकने से यात्रियों में भी कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति बनी रही।घटना की सूचना मिलते ही एईएन लाइन राजीव कुमार अपनी टीम के साथ संबंधित रेलखंड पर पहुंचे। उन्होंने करीब एक घंटे तक रेल पटरी के हर पहलू की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान पटरी, ज्वाइंट, स्लीपर सहित अन्य तकनीकी बिंदुओं का निरीक्षण किया गया। हालांकि जांच के बाद पटरी में कोई गंभीर तकनीकी खामी नहीं मिली।एईएन लाइन राजीव कुमार ने बताया कि जांच के दौरान पटरी की स्थिति सामान्य पाई गई। पटरी की माप निर्धारित चार फीट के मानक के अनुरूप मिली। चालक को किस वजह से झटका महसूस हुआ, इसकी वास्तविक जानकारी वही बता सकते हैं।इधर घटना के बाद रेल पथ-2 के प्रभारी वरीय अनुभाग अभियंता मनीष कुमार साह के मौके पर नहीं पहुंचने को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। रेल परिचालन से जुड़ी ऐसी घटना में संबंधित अधिकारी की मौजूदगी को महत्वपूर्ण माना जाता है। घटना के बाद रेलखंड पर पटरी की मरम्मत एवं आवश्यक तकनीकी जांच को लेकर विभागीय स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

रजरप्पा ब्लॉक- II खदान परियोजना खोलने की कवायद तेज

धवैया में ग्राम सभा आयोजित, 10 वंशावलियों का हुआ सत्यापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। दामोदर नदी से सटे धवैया में रजरप्पा ब्लॉक-क्क खुली खदान परियोजना को धरातल पर उतारने की कवायद तेज हो गई है। इसी क्रम में 29 अगस्त को पंचायत भवन में अंचल कार्यालय, गोमिया की ओर से रैयतों की वंशावली के सत्यापन को लेकर ग्राम सभा आयोजित की गई। बैठक में करीब 100 ग्रामीण शामिल हुए। संचालन मुखिया तेजलाल महतो ने किया।

ग्राम सभा में 10 वंशावली आवेदनों और संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई। इनमें पांच वंशावलियों में आपसी विवाद या असहमति मिलने पर सत्यापन की प्रक्रिया रोक दी गई। संबंधित रैयतों को आपसी सहमति से विवाद सुलझाकर आवश्यक दस्तावेज के साथ दोबारा आवेदन देने को कहा गया। वहीं पांच वंशावलियों में मामूली त्रुटियां पाई गईं, जिनके लिए शुद्धि-पत्र जमा करने का निर्देश दिया गया।सीसीएल प्रबंधन ने ग्रामीणों से सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण में सहयोग करने और सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। बताया गया कि भूमि व पारिवारिक अभिलेखों के सत्यापन के बाद नियमानुसार रोजगार, मुआवजा और पुनर्वास से जुड़े लाभ की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। परियोजना से क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना भी जताई गई। ग्रामीणों की सुविधा के लिए पंचायत भवन में ब्लॉक-क्ककैम्प कार्यालय के लिए एक कक्ष उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। मौके पर अंचल कार्यालय के राजस्व उपनिरीक्षक रवि कुमार, अंचल अमीन भागीरथ महतो सहित सीसीएल के अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बड़कीपोना से सुकरीगढ़ा अंडरपास तक सड़क निर्माण की मांग

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मूरी-बड़काकाना रेलखंड के बड़कीपोना रेलवे ओवरब्रिज (दुर्गा मंदिर चौक) से सुकरीगढ़ा अंडरपास तक रेलवे भूमि पर स्थित जर्जर सड़क के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने रांची रेल मंडल के डीआरएम करुणा निधि सिंह से मुलाकात की।

ग्रामीणों ने नाली सहित सड़क निर्माण को लेकर डीआरएम को आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क बड़कीपोना, लारीकलां और सुकरीगढ़ा सहित आसपास के कई गांवों के लोगों के लिए मुख्य मार्ग है। मायल रेलवे स्टेशन, बाजार और स्कूल जाने के लिए भी लोग इसी सड़क का उपयोग करते हैं। सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है। जगह-जगह गड्ढों में बारिश का पानी और कीचड़ जमा रहने से आए दिन राहगीर और दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त होते हैं। ग्रामीणों ने जनहित में सड़क का जल्द नाली सहित पुनर्निर्माण कराने की मांग की। डीआरएम ने सकारात्मक पहल का भरोसा दिया। मौके पर अरविंद कुमार सिंह, आजसू केंद्रीय सचिव अमृतलाल मुंडा, पूर्व पंसस मुकेश प्रसाद और समाजसेवी अमृत कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

सोनी कुमारी बनीं बिहार प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग की महासचिव

मुंगेर, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बरियारपुर प्रखंड के लोहची निवासी सोनी कुमारी को बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग का प्रदेश महासचिव मनोनीत किया गया है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनुराग चंदन ने उनके मनोनयन की घोषणा करते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने नए दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हाथों को मजबूत करेंगी और संगठन को सशक्त बनाने में अपनी पूरी ऊर्जा लगाएंगी।अनुराग चंदन ने कहा कि सोनी कुमारी के अनुभव और सक्रियता से संगठन को विशेष रूप से पंचायत स्तर तक महिलाओं के बीच मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे महिलाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने और संगठन के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।सोनी कुमारी के प्रदेश महासचिव मनोनीत होने पर मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राकेश कुमार मंडल ने कहा कि पार्टी की नीति सिद्धांतों और महिला कार्यक्रमों से जोड़ने मे महती भूमिका का निर्वहन करेंगी। प्रदेश कमेटी में मुंगेर का प्रतिनिधित्व बढ़ा है।कांग्रेसी नेता संजय पोद्दार सहित अनेक कांग्रेस नेताओं ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

एमएमडीआर संशोधन विधेयक के खिलाफ 7 सितंबर को गिरिडीह प्रखंड मुख्यालय में होगा विशाल धरना

उदनाबाद पंचायत में झामुमो ने चलाया जनजागरण अभियान, महिलाओं की विशेष भागीदारी का आह्वान

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड मुक्ति मोर्चा की केंद्रीय एवं जिला समिति के निर्देश पर शुक्रवार को गिरिडीह प्रखंड अंतर्गत उदनाबाद पंचायत में एमएमडीआर संशोधन विधेयक 2026 के खिलाफ जनजागरण अभियान के तहत बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 7 सितंबर 2026 को गिरिडीह प्रखंड मुख्यालय में आयोजित होने वाले विशाल धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने को लेकर रणनीति बनाई गई। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ महिलाओं की विशेष भागीदारी पर जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह पर्यवेक्षक कालेश्वर सोरेन ने कहा कि एमएमडीआर संशोधन विधेयक के प्रावधानों को लेकर पूरे झारखंड में आम जनता और कार्यकताओं को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि विधेयक लागू होने से झारखंड को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है तथा कई विकास योजनाओं के संचालन में बाधा आएगी। उन्होंने लोगों से लोकतांत्रिक तरीके से एकजुट होकर इसके खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। झामुमो जिला सह सचिव दिलीप कुमार रजक ने कहा कि यह लड़ाई जनता के अधिकारों और हितों की रक्षा की लड़ाई है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर लोगों को विधेयक के बारे में जानकारी देने और आंदोलन को मजबूत करने का आह्वान किया। प्रखंड अध्यक्ष प्रधान मुर्मू ने कहा कि संगठन के निर्देश पर पंचायत स्तर तक जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ा जा रहा है। वहीं युवा मोर्चा संगठन सचिव मेहताब मिर्जा ने कहा कि विधेयक के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश है और लोग आंदोलन के लिए तैयार हैं। मुखिया प्रतिनिधि नरेश यादव ने कहा कि विधेयक लागू होने की स्थिति में राज्य की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर असर पड़ सकता है। उन्होंने 7 सितंबर के धरना प्रदर्शन में पंचायत से अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। वरिष्ठ साथी रामेश्वर सोरेन ने जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन के साथ मजबूती से खड़े रहने की बात कही। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने 7 सितंबर को गिरिडीह प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर धरना-प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया। मौके पर राजेश मारिक, टिंकू साव, उदय मरांडी, हेमंत मुर्मू, प्रधान टुडू, मिंटू सोरेन, किशुन दास सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

शहीद संतन मेहता की प्रतिमा का अनावरण, एसपी ने किया नमन

हैदरनगर, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बरेवा गांव में शुक्रवार को नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए आरक्षी संतन कुमार मेहता की प्रतिमा का अनावरण पलामू एसपी कपिल चौधरी ने किया। शहीद की माता धनकुलिया कुंवर, एसपी और हुसैनाबाद एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दी और प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। थाना प्रभारी तंजीलूल मनान मनउव्वर ने शहीद के परिजनों को शॉल प्रदान कर सम्मानित किया।

मौके पर एसपी ने कहा कि संतन मेहता ने जिस मिट्टी में जन्म लिया, उसी की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। पलामू को पूरी तरह नक्सलमुक्त करना ही शहीद को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि शहीद परिवार के साथ पुलिस विभाग हमेशा खड़ा रहेगा। समारोह में शहीद के चाचा रामराज मेहता, प्रमोद मेहता, बहन सुनीता देवी, अनीता देवी, बबीता देवी, भाई मंतन मेहता सहित जिला पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। वहीं, शहीद की पत्नी सरिता देवी और दोनों बेटियों पूजा व राशि की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही।

रेलवे की जमीन पर सज गई थीं दुकानें, ठेले और अवैध निर्माण

जमालपुर(मुंगेर), नवबिहार टाइम्स सं.। रेलवे की जमीन पर कब्जा कर दुकान, मकान, ठेला, रिक्शा सहित विभिन्न प्रकार के अस्थायी एवं स्थायी अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ रेल प्रशासन ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। जमालपुर स्टेशन चौक से छह नंबर कारखाना गेट होते हुए साईं धाम मुख्य सड़क तक रेलवे की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए बुलडोजर उतारा गया। कार्रवाई के दौरान सड़क के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त कर रास्ता खाली कराया गया।स्टेशन चौक से साईं धाम तक सड़क के दोनों किनारों पर लंबे समय से अतिक्रमण के कारण यातायात प्रभावित हो रहा था। दुकान, ठेला, रिक्शा और अस्थायी निर्माण के कारण सड़क संकरी होने से आए दिन जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी।

नगर निगम के 36 वार्डों में कल से शुरू होगा सीपीआई (एमएल) का डेढ़ महीने का महाअभियान

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर निगम क्षेत्र के 36 वार्डों में व्याप्त जनसमस्याओं को लेकर सीपीआई (एमएल) लिबरेशन की ओर से 5 सितंबर से डेढ़ महीने का महा-अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान का नेतृत्व नगर सचिव राजेश सिन्हा करेंगे। अभियान के दौरान माले की टीम प्रत्येक वार्ड में करीब 1 से 1.5 दिन कैंप करेगी। सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक घर-घर जाकर लोगों की समस्याओं का डेटा, आवेदन, फोटो और वीडियो एकत्र किया जाएगा। नाला जाम, जल-जमाव, टूटी सड़कें, नली-गली, होल्डिंग टैक्स में वृद्धि, बंद सोलर स्ट्रीट लाइट, पेयजल संकट, कचरा उठाव, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), अतिक्रमण, भवन नक्शा, ट्रेड लाइसेंस तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से जुड़ी शिकायतों को अभियान में शामिल किया जाएगा। राजेश सिन्हा ने बताया कि वार्ड 1 से 36 तक सर्वे पूरा होने के बाद जनसुनवाई और नगर निगम घेराव किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों के आवेदन के साथ नगर निगम पहुंचकर 9 सूत्रीय मांग-पत्र सौंपा जाएगा।

उन्होंने कहा कि अभियान को लेकर नगर आयुक्त, महापौर, उप महापौर, उपायुक्त, नगर विकास मंत्री और अनुमंडल पदाधिकारी को भी आवेदन देकर समस्याओं के समाधान की मांग की गई है। सिन्हा ने कहा, ह्ययह लड़ाई गिरिडीह नगर निगम के 1 से 36 वार्ड की जनता की है। जनसेवा ही हमारा संकल्प है।

रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत स्नातक पास करने वाली 50 हजार मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की मेधावी छात्राओं के लिए योगी सरकार की ओर से एक खास पहल की जा रही है। रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत स्नातक पास करने वाली 50 हजार मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी देने का प्रावधान है।

सरकार सिर्फ स्कूटी ही नहीं देगी, बल्कि इसके साथ पेट्रोल, आरटीओ पंजीकरण, बीमा और हेलमेट जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगी। इस योजना में खास बात यह है कि शहीद या बलिदानी परिवारों की बेटियों, दिव्यांग और निराश्रित मेधावी छात्राओं को मेरिट में विशेष राहत दी जाएगी. इन वर्गों की छात्राओं को सामान्य कटऑफ से 10 प्रतिशत तक कम अंक होने पर भी योजना का लाभ मिल सकेगा।

योगी सरकार ने छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने और कॉलेज आने-जाने में सुविधा देने के उद्देश्य से रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना शुरू की है। इसके तहत राज्य की चयनित मेधावी छात्राओं को नई स्कूटी उपलब्ध करायी जाएगी। योजना का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के साथ आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें आवागमन की परेशानी से राहत देना है।

योजना के तहत स्नातक पास करने वाली मेधावी छात्राओं में से चयन किया जाएगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार संबंधित संस्थान की स्नातक पास छात्राओं में से शीर्ष 5 प्रतिशत मेधावी छात्राओं को चयन प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा. सरकार की योजना के मुताबिक कुल 50 हजार छात्राओं को इसका लाभ दिया जाना है।

रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना में कुछ विशेष वर्ग की छात्राओं को मेरिट में राहत दी गयी है। शहीद परिवारों की बेटियां, दिव्यांग और निराश्रित मेधावी छात्राएं सामान्य कटऑफ से 10 प्रतिशत तक कम अंक होने के बावजूद पात्र हो सकती हैं। यानी अगर सामान्य मेरिट में चयन के लिए जितने अंक जरूरी हैं, इन विशेष वर्गों की छात्राओं के अंक उससे 10 प्रतिशत तक कम हैं, तो भी उन्हें योजना में शामिल किया जा सकता है। सरकार की ओर से चयनित छात्राओं को सिर्फ स्कूटी ही नहीं दी जाएगी। योजना के पैकेज में कई दूसरी सुविधाएं भी शामिल हैं। नयी पेट्रोल स्कूटी वाहन का आरटीओ पंजीकरण व्यापक वाहन बीमा क्कक मार्क सुरक्षा हेलमेट जरूरी वाहन एक्सेसरीज वितरण के समय 4 से 5 लीटर तक पेट्रोल इससे छात्राओं और उनके परिवारों पर स्कूटी खरीदने और शुरूआती खर्च का आर्थिक बोझ कम होगा। योजना का लाभ लेने के लिए छात्रा का उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी होना जरूरी है। इसके अलावा उसे मान्यता प्राप्त राज्य या निजी विश्वविद्यालय अथवा संबद्ध डिग्री कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी करनी होगी। योजना में मेधावी छात्राओं को प्राथमिकता दी जाएगी। संबंधित संस्थान की स्नातक पास छात्राओं में से शीर्ष 5 प्रतिशत छात्राओं का चयन मेरिट के आधार पर किया जाएगा। इसके अलावा छात्रा के परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

आवेदन के लिए किन दस्तावेजों की जरूरत?

उत्तर प्रदेश का मूल निवास प्रमाण पत्र,

नवीनतम आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड आधार से लिंक मोबाइल नंबर, स्नातक की मार्कशीट, अपार आईडी, पासपोर्ट साइज फोटो, दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)। रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना की एक खास बात यह है कि छात्राओं को किसी पोर्टल पर जाकर अलग से आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। संबंधित विश्वविद्यालय और कॉलेज अपने रिकॉर्ड और डेटाबेस के आधार पर पात्र छात्राओं की पहचान करेंगे। इसके बाद छात्राओं के अंक और दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा।

यूपी में फिर बदला मौसम का मिजाज! पूर्वांचल और पश्चिमी हिस्से में भारी बारिश का अलर्ट

8 सितंबर तक मौसम विभाग की नजर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय नजर आ रहा है. शुक्रवार, 4 सितंबर को प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए रहने और बारिश-गरज चमक का दौर जारी रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी है। वहीं पूर्वी यूपी में अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है।

पश्चिमी यूपी में आज भारी बारिश का अलर्ट

आइएमडी के अनुसार 4 सितंबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी जारी है। इसके बाद 5, 6 और 7 सितंबर को भी पश्चिमी यूपी में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। यानी पश्चिमी जिलों में अगले चार दिन मौसम परेशानी बढ़ा सकता है. बारिश के साथ कुछ स्थानों पर गरज-चमक और तेज हवाएं भी चल सकती हैं। ऐसे में निचले इलाकों में जलभराव और पहले से प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन की दिक्कत बढ़ने की आशंका है।

पूर्वांचल में 5 सितंबर से तेज होगी बारिश

पूर्वी उत्तर प्रदेश में आज और 5 सितंबर को आइएमडी ने कोई भारी बारिश की चेतावनी नहीं दी है, लेकिन 6 से 8 सितंबर तक भारी बारिश का पूर्वानुमान है. इसका मतलब है कि वाराणसी, प्रयागराज, मिजार्पुर, बलिया और आसपास के पूर्वांचली इलाकों में आने वाले दिनों में बारिश का दौर तेज हो सकता है

लखनऊ में बादल और बारिश का दौर

राजधानी लखनऊ में 4 सितंबर को आसमान सामान्यतः बादलों से घिरा रहने तथा एक-दो दौर बारिश या गरज-चमक वाली बौछारें पड़ने का अनुमान है. आइएमडी के शहरवार पूर्वानुमान में अधिकतम तापमान करीब 31 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है.

बाढ़ प्रभावित इलाकों में बढ़ सकती है चिंता

यूपी के कई हिस्से पहले से बारिश और बाढ़ की मार झेल रहे हैं। लगातार बारिश की स्थिति में नदियों के जलस्तर, निचले इलाकों में जलभराव और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन पर असर पड़ सकता है। इसलिए प्रशासन और लोगों को मौसम विभाग के स्थानीय अलर्ट पर नजर रखने की जरूरत है।

अगले चार दिन महत्वपूर्ण

मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान से साफ है कि 4 से 7 सितंबर तक पश्चिमी यूपी में बारिश का असर ज्यादा रह सकता है, जबकि पूर्वी यूपी में 6 से 8 सितंबर के बीच भारी बारिश की संभावना बन रही है। ऐसे में प्रदेश के कई जिलों में मानसून का सक्रिय दौर जारी रहने वाला है।

लोगों के लिए सलाह

बारिश और बिजली चमकने के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचें। जलभराव वाले रास्तों पर विशेष सावधानी बरतें और स्थानीय प्रशासन की चेतावनी को नजरअंदाज न करें।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

धनबाद जिला डेकोरेटर्स एसोसिएशन का 6 सितंबर को वार्षिक अधिवेशन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद जिला डेकोरेटर्स एसोसिएशन का 48वां वार्षिक अधिवेशन 6 सितंबर 2026, रविवार को न्यू टाउन हॉल, धनबाद में आयोजित होगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। एसोसिएशन के चेयरमैन राजीव कुमार साहू, अध्यक्ष पुरुषोत्तम कु० रंजन, महासचिव नीरज साह, सचिव बच्चू दत्ता और कोषाध्यक्ष मो. नसीम अंजुम ने उत्सव

भवन में प्रेस वार्ता कर बताया कि अधिवेशन का कार्यक्रम सुबह 7 बजे से शुरू होगा। सुबह 7 बजे न्यू टाउन हॉल में उपस्थिति दर्ज होगी, 8 बजे से 11 बजे तक नाश्ता, 8:30 बजे न्यू टाउन हॉल से रणधीर वर्मा चौक होते हुए पूजा टॉकीज से सिटी सेंटर होते हुए पुनः न्यू टाउन हॉल तक मोटरसाइकिल जुलूस निकाला जाएगा। सुबह 10:30 बजे झंडोत्तोलन, 10:45 बजे पदाधिकारियों का मंच पर आसन ग्रहण, 11 बजे दीप प्रज्वलन एवं भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण और 11:15 बजे से 48वां अधिवेशन आरंभ होगा। दोपहर 3:30 बजे अध्यक्षीय भाषण के बाद भोजन, संध्या 5 बजे उपहार वितरण, 6 बजे झंडा अवरोहण एवं चाय नाश्ता और संध्या 7 बजे कार्यक्रम का समापन होगा।

राष्ट्रीय कवि संगम के संस्थापक जगदीश मित्तल के निधन से साहित्य जगत शोकाकुल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय कवि संगम के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल के निधन से साहित्य जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे 76 वर्षीय जगदीश मित्तल का गुरुवार को दिल्ली में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर सोशल मीडिया पर आते ही देशभर के साहित्यकारों और कवियों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रीय कवि संगम, बोकारो महानगर इकाई के अध्यक्ष अरुण पाठक ने कहा कि जगदीश मित्तल का निधन साहित्य और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपना पूरा जीवन साहित्य, संस्कृति और समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने असंख्य कवियों एवं साहित्यप्रेमियों का मार्गदर्शन किया। जगदीश मित्तल का सबसे महत्वपूर्ण योगदान राष्ट्रीय कवि संगम की स्थापना है। उन्होंने देशभर के कवियों को एक साझा मंच प्रदान करते हुए कविता और साहित्य को राष्ट्र जागरण तथा सकारात्मक चिंतन का सशक्त माध्यम बनाया। उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय कवि संगम की इकाइयां आज देश के लगभग सभी राज्यों में सक्रिय हैं। उनके निधन पर बोकारो महानगर इकाई के उपाध्यक्ष समीर स्वरूप गर्ग, करुणा कलिका, जिला अध्यक्ष विद्या भूषण मिश्र, राष्ट्रीय मंत्री दिनेश देवघरिया, डॉ. श्याम कुंवर भारती, सरोज झा झारखंडी सहित अनेक साहित्यकारों, कवियों और पदाधिकारियों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

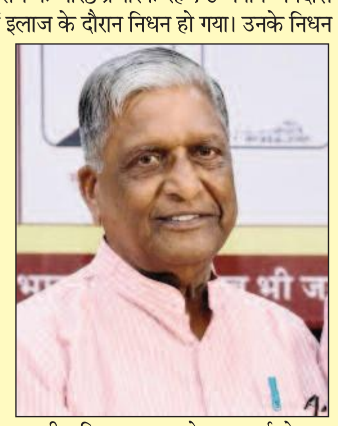

अगस्त में सेल की बिक्री 13 प्रतिशत बढ़ी, उत्पादन में भी बना नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली/बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अगस्त 2026 में उत्पादन और बिक्री के क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने जहां अगस्त माह में अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन हासिल किया, वहीं कुल बिक्री में भी साल-दर-साल 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सेल के अनुसार अगस्त 2026 में क्रूड स्टील उत्पादन 8 प्रतिशत बढ़कर 1.68 मिलियन टन पहुंच गया, जबकि हॉट मेटल उत्पादन 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.78 मिलियन टन रहा। सेलेबल स्टील का उत्पादन भी बढ़कर 1.69 मिलियन टन हो गया। कंपनी की कुल बिक्री अगस्त में 1.871 मिलियन टन रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 1.654 मिलियन टन की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। कैश कलेक्शन में भी 23 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। कोल्ड रोल्ड, गैल्वेनाइज्ड और अलॉय स्टील सहित कई वैल्यू एडेड उत्पादों की बिक्री अगस्त माह में रिकॉर्ड स्तर पर रही। भारतीय रेलवे को रेल आपूर्ति 5 प्रतिशत बढ़कर 1.23 लाख टन पहुंच गई। वहीं लॉन्ग रेल्स की आपूर्ति 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.12 लाख टन रही, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। वित्तीय मोर्चे पर भी सेल ने अपनी स्थिति मजबूत की है। कंपनी ने 31 मार्च 2026 की तुलना में अपनी उधारी में 870 करोड़ रुपये की कमी की है। अप्रैल से अगस्त 2026 के दौरान सेल की संचयी बिक्री 5.6 प्रतिशत बढ़कर 7.71 मिलियन टन पहुंच गई। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. ए.के. पंडा ने कहा कि रिकॉर्ड उत्पादन, बिक्री में तेजी और अनुशासित वित्तीय प्रबंधन कंपनी की मजबूत होती बुनियाद को दर्शाता है।

जिनके संघर्ष और त्याग से झारखंड का सपना साकार हुआ, उनका सम्मान हमारा गौरव: उपायुक्त

1298 चिन्हित आंदोलनकारियों को किया जाएगा सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड केवल एक राज्य का नाम नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष, त्याग और असंख्य लोगों के सपनों की पहचान है। इस संघर्ष को अपनी आवाज, साहस और समर्पण से आगे बढ़ाने वाले झारखंड आंदोलनकारियों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए जिला प्रशासन, बोकारो द्वारा 05 सितंबर 2026 (शनिवार) को झारखंड आंदोलनकारी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह कैंप टू स्थित शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल), बोकारो स्टील सिटी में पूर्वाह्न 10:00 बजे से आयोजित होगा।

संघर्ष की उस पीढ़ी को नमन

झारखंड के निर्माण की राह आसान नहीं थी। आंदोलनकारियों ने अपने अधिकार, अपनी पहचान और अपनी माटी के लिए लंबा संघर्ष किया। अनेक लोगों ने व्यक्तिगत कठिनाइयों और चुनौतियों की परवाह किए बिना आंदोलन को मजबूती दी। उनके संघर्ष की बदौलत झारखंड राज्य का सपना साकार हुआ। यह सम्मान समारोह उसी संघर्षशील पीढ़ी के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर है, जिनके त्याग और योगदान को झारखंड सदैव याद रखेगा।

1298 आंदोलनकारियों को किया जाएगा सम्मानित

जिले के विभिन्न प्रखंडों के कुल 1298 झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित करने के लिए चिन्हित किया गया है। इनमें चास के 266, जरीडीह के 194, कसमार के 211, गोमिया के 146, नावाडीह के 55, चंदनकियारी के 26, चंद्रपुरा के 91, पेटरवार के 291 तथा बेरमो के 18 आंदोलनकारी शामिल हैं। आयोजित सम्मान समारोह में चिन्हित आंदोलनकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

सम्मान नहीं, उस संघर्ष को सलाम है: उपायुक्त

इस संबंध में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों का सम्मान केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस संघर्ष, त्याग और संकल्प को नमन है, जिसने झारखंड की पहचान को आकार दिया। जिनके संघर्ष और त्याग से झारखंड का सपना साकार हुआ, उनका सम्मान हमारा गौरव है। नई पीढ़ी के लिए यह अवसर अपने इतिहास और राज्य निर्माण की संघर्षगाथा से जुड़ने का भी है।

गरिमापूर्ण आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी

सम्मान समारोह के सफल एवं गरिमापूर्ण आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संबंधित पदाधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्था एवं समारोह के सुचारू संचालन के लिए दायित्व सौंपे गए हैं।

पेटरवार में दुर्गा पूजा को लेकर नवयुवक संघ एवं पूजा समिति की बैठक

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार नवयुवक संघ एवं पूजा समिति, मठ टोला की ओर से आगामी दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के सचिव सत्यम प्रसाद ने की। बैठक में दुर्गा पूजा को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में टेंट, आकर्षक लाइटिंग एवं भव्य पंडाल निर्माण कराने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा महासप्तमी, महाअष्टमी एवं महानवमी की रात्रि में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति बनी। श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों के मनोरंजन के लिए पूजा के दौरान प्रतिदिन शाम 4 बजे से 6 बजे तक डांडिया डांस कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। पूजा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सफल और भव्य रूप देने के लिए अध्यक्ष संजय तांती, उपाध्यक्ष सुनील साव एवं प्रभाकर कुमार को कार्यक्रम प्रभारी मनोनीत किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने आपसी सहयोग एवं सहभागिता से दुर्गा पूजा आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में ब्रजेश भारती, अशोक पांडेय, श्याम सुंदर प्रसाद, दिनेश प्रसाद, उमेश प्रसाद, देवानंद प्रसाद, दयानिधि पांडेय, शिशिर पांडेय, राजीव तांती, राकेश चंद्र प्रसाद, मनीष प्रसाद, चीकू कुमार, शशिकांत प्रसाद, सुमन प्रसाद एवं ध्रुलोचन महतो सहित नवयुवक संघ एवं पूजा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

लॉ कॉलेज में मारपीट का आरोप, छात्र संगठन आमने-सामने, थाने में की गई शिकायत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद लॉ कॉलेज में छात्र संगठनों की सियासी लड़ाई अब संगीन आरोपों तक पहुंच गई है। प्रथम वर्ष के छात्र ने आइसा से जुड़े युवकों पर कमरे में बंद कर मारपीट और रैगिंग का आरोप लगाया है। एबीवीपी ने कार्रवाई की मांग की, तो आइसा ने आरोपों को सिरे से खारिज कर पलटवार किया। जानकारी के अनुसार प्रथम वर्ष के छात्र आर्यन ने आइसा से जुड़े रितेश मिश्रा नामक युवक पर कमरे में बंद कर मारपीट और रैगिंग करने का आरोप लगाया है। छात्र का कहना है कि वह पहले आइसा से जुड़ा था, लेकिन एबीवीपी के लोग से बात करते देख लिया गया था, जिसके बाद कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की गई और धमकी दी गई। आर्यन ने कॉलेज प्राचार्य और धनबाद थाना में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं एबीवीपी ने घटना की निंदा करते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं, पूरे मामले पर आइसा ने प्रेस वार्ता कर एबीवीपी के आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

केंदुआ में अचानक बने दो बड़े गोफ, गैस रिसाव से दहशत, बीसीसीएल ने शुरू की भराई

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के केंदुआडीह इलाके में अचानक जमीन धंसने से दो बड़े गोफ बनने के बाद आसपास के लोगों में दहशत फैल गई है। अग्नि प्रभावित क्षेत्र कुर्मी डीह पांडे बस्ती से कुछ दूरी पर खाली जमीन में गुरुवार देर शाम अचानक दो बड़े गोफ बन गए और गोफ से तेजी से गैस निकलने लगा। जिससे इलाके में अफरा - तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही बीसीसीएल प्रबंधन मौके पर पहुंचा और एहतियात के तौर पर पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। वहीं, आज बीसीसीएल अधिकारियों की मौजूदगी में दोनों गोफ की भराई का काम शुरू किया गया। धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग से कुछ दूरी पर कुर्मी डीह पांडे बस्ती के पास खाली स्थान पर अचानक जमीन धंसने से दो बड़े गोफ बन गए। गोफ से गैस निकलने की सूचना के बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। लोगों को आशंका है कि यदि धंसान का दायरा बढ़ा तो आसपास रहने वाले लोगों के लिए खतरा पैदा हो सकता है। घटना की सूचना मिलते ही बीसीसीएल प्रबंधन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गोफ के चारों ओर फेंसिंग कर दी, ताकि कोई व्यक्ति या मवेशी गलती से धंसान क्षेत्र में न पहुंच सके। इसके बाद शुक्रवार को बीसीसीएल प्रबंधन की मौजूदगी में गोफ की भराई का काम शुरू किया गया है। वहीं, स्थानीय जेएमएम नेता महादेव हासदा ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि बस्ती से कुछ ही दूरी पर इस तरह अचानक गोफ बनना चिंता का विषय है। उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन से अग्नि प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जल्द से जल्द सुरक्षित पुनर्वास कराने की मांग की है। इधर, बीसीसीएल के अधिकारी लव प्रताप सिंह ने बताया कि कुर्मी डीह समेत आसपास के प्रभावित लोगों के पुनर्वास को लेकर सर्वे का काम पूरा हो चुका है और सुरक्षित पुनर्वास की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल खाली स्थान पर गोफ बना है, जिसकी भराई कराई जा रही है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे भू-धंसान प्रभावित क्षेत्र से दूर रहें। फिलहाल बीसीसीएल की ओर से गोफ की भराई कराई जा रही है, लेकिन अग्नि प्रभावित क्षेत्र में लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने आसपास रहने वाले लोगों की चिंता जरूर बढ़ा दी है।

हर बारिश में जलमग्न होती प्रभात कॉलोनी, दो-तीन महीने कैद जैसी जिंदगी जीने को मजबूर लोग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 26 स्थित प्रभात कॉलोनी तेलपट्टी में विकास के दावों की हकीकत हर बारिश के साथ सामने आ जाती है। बारिश होते ही जोरिया का पानी इलाके के घरों में घुस जाता है, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है। वर्षों से चली आ रही इस गंभीर समस्या का अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है। स्थानीय निवासियों के अनुसार बरसात के दिनों में स्थिति इतनी भयावह हो जाती है कि करीब दो से तीन महीने तक लोगों को अपने ही घरों में कैद जैसी जिंदगी जीनी पड़ती है। जलजमाव और कीचड़ के कारण बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो जाता है, वहीं बुजुर्गों और महिलाओं को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इलाके की समस्या केवल जलजमाव तक सीमित नहीं है। यहां बिजली के तार अस्थायी सहारे के भरोसे टंगे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन सहारों के गिरने की स्थिति में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं, प्रभात कॉलोनी तक पहुंचने वाली सड़क आज भी कच्ची है। स्थानीय लोग बताते हैं कि हर वर्ष आपसी चंदा जुटाकर सड़क पर बालू और मिट्टी का भराव कराया जाता है, ताकि किसी तरह आवाजाही जारी रह सके। लोगों का आरोप है कि नगर निगम नियमित रूप से होल्डिंग टैक्स की वसूली करता है, लेकिन बुनियादी सुविधाओं के विकास पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। स्थानीय निवासियों में जनप्रतिनिधियों के प्रति भी नाराजगी है। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही वर्षों पुरानी समस्याएं भुला दी जाती हैं। अब प्रभात कॉलोनी तेलपट्टी के लोगों ने नगर निगम प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल निकासी की स्थाई व्यवस्था, पक्की सड़क निर्माण और सुरक्षित बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और अपराध नियंत्रण पर जोर, बालीडीह थाना में हुई मासिक समीक्षा बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय की अध्यक्षता में बालीडीह थाना परिसर में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बालीडीह थाना, माराफारी थाना, साइबर थाना एवं बालीडीह ओपी के थाना प्रभारियों और सभी अनुसंधानकर्ताओं के साथ विभिन्न मामलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में लंबित कांडों का त्वरित अनुसंधान कर आरोपितों की गिरफ्तारी और मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। अनुसंधानकर्ताओं को निर्धारित 60 एवं 90 दिनों की अवधि के भीतर आरोप पत्र समर्पित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही थाने में आने वाले पीड़ितों और आम नागरिकों के साथ बेहतर व्यवहार सुनिश्चित करने को कहा गया। पुलिस पदाधिकारियों को अपने बीट क्षेत्र में जमानत पर बाहर आए अपराधियों की निगरानी करने तथा नियमित जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। नियमित गश्ती, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और क्यूआर कोड के माध्यम से गश्ती व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में सड़क दुर्घटना मामलों में समय पर मुआवजा प्रस्ताव भेजने, न्यायालय से प्राप्त वारंट और नोटिस का ससमय तामिला सुनिश्चित करने तथा साइबर अपराध मामलों के पंजीकरण की प्रक्रिया को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए गए। अवैध गांजा, अफीम, शराब और पशु तस्करी पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया गया। समीक्षा के दौरान पुलिस अवर निरीक्षक जितेंद्र कुमार यादव, बालीडीह एवं मुकेश कुमार, माराफारी द्वारा व्यक्तिगत रुचि लेकर छह-छह विशेष प्रतिवेदित कांडों के निष्पादन की सराहना की गई। दोनों पुलिस पदाधिकारियों को पुरस्कृत करने की अनुशंसा की जाएगी। बैठक के अंत में सभी बीट पदाधिकारियों को बैंक पासबुक, एटीएम, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग एक्सेस और ओटीपी सहित किसी भी बैंकिंग जानकारी को साझा नहीं करने के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

5 और 6 सितंबर को होगी स्टील फेडरेशन कार्यसमिति की बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ (बीएमएस) के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक गुरुवार को यूनियन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 5 एवं 6 सितंबर 2026 को सेक्टर-4 स्थित मंगलम में आयोजित होने वाली स्टील फेडरेशन की दो दिवसीय कार्यसमिति बैठक की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ (बीएमएस) के महामंत्री विनोद कुमार ने बताया कि स्टील फेडरेशन की कार्यसमिति बैठक में स्टील प्रभारी जगदीश्वर राव, स्टील के सह प्रभारी हिमांशु बल तथा स्टील फेडरेशन के महामंत्री रंजय कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में बोकारो स्टील प्लांट के अलावा राउरकेला, दुगार्पुर, भिलाई, बर्नपुर, विशाखापट्टनम, सेलम, कुद्रेमुख, एएसपी एवं नागरनार स्टील प्लांट के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके साथ ही राजहरा, नंदिनी, टेंसा, बोलानी, चिरिया, गुवा, किरीबुरू और मेघाहातुबुरू माइंस के प्रतिनिधि भी बैठक में भाग लेंगे। दो दिवसीय कार्यसमिति बैठक में सेल कर्मचारियों से जुड़े लंबित मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही कर्मचारियों के बोनस सहित अन्य महत्वपूर्ण मांगों पर गहन चिंतन-मंथन होगा। बैठक के दौरान कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और आगामी आंदोलनात्मक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की जाएगी। स्टील फेडरेशन की यह बैठक सेल एवं उसकी विभिन्न इकाइयों के कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को लेकर महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बीएसएल कर्मचारियों ने सीआईआई पूर्वी क्षेत्रीय वर्क स्किल प्रतियोगिता में लहराया परचम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों ने हावड़ा में आयोजित 37वीं कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) पूर्वी क्षेत्रीय वर्कस्किल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट तकनीकी कौशल एवं व्यावहारिक दक्षता का शानदार प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की। औद्योगिक कार्यबल को प्रोत्साहित करने तथा तकनीकी कौशल के विकास एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतिष्ठित क्षेत्रीय प्रतियोगिता में पूर्वी भारत के प्रमुख सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के उद्योगों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि बीएसएल में आयोजित आंतरिक प्रतियोगिता ह्यअधिशासी निदेशक (संकार्य) स्किल्स एक्सीलेंस ट्रॉफीह्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बोकारो इस्पात संयंत्र के 27 कर्मचारियों का चयन 9 विभिन्न तकनीकी ट्रेड्स में क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए किया गया था। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं में स्टील मेल्टिंग शॉप-1 के जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट श्री करुणेश जायसवाल ने 'इलेक्ट्रिक मोटर' ट्रेड में तथा स्टील मेल्टिंग शॉप-2 एवं सतत ढलाई प्रभाग के इंजीनियरिंग एसोसिएट लक्ष्मण कुमार ने 'इलेक्ट्रिशियन' ट्रेड में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान (विजेता) हासिल किया। इसके अतिरिक्त, इंस्ट्रूमेंटेशन एवं ऑटोमेशन विभाग के इंजीनियरिंग एसोसिएट मुकेश कुमार पांडेय ने 'इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक' ट्रेड में तथा सिंटर प्लांट के इंजीनियरिंग एसोसिएट बीरेन्द्र बी. पूर्ति ने 'टर्नर' ट्रेड में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं स्टील मेल्टिंग शॉप-1 के इंजीनियरिंग एसोसिएट उत्कर्ष ऋषभ ने 'इलेक्ट्रिक मोटर', सिंटर प्लांट के जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट आदित्य नारायण ने 'इलेक्ट्रिशियन', इंस्ट्रूमेंटेशन एवं ऑटोमेशन विभाग के इंजीनियरिंग एसोसिएट दिलीप कुमार ने 'इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक' तथा हॉट स्ट्रिप मिल के इंजीनियरिंग एसोसिएट अवधेश कुमार ने 'पीएलसी' ट्रेड में तृतीय स्थान अर्जित किया। क्षेत्रीय स्तर पर अपनी तकनीकी दक्षता सिद्ध करने वाले ये सभी विजेता अब राष्ट्रीय स्तर की वर्कस्किल प्रतियोगिता में बोकारो इस्पात संयंत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस दल का सफल समन्वय एवं मार्गदर्शन मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास के अधिकारी तथा प्रशासनिक सहयोगिओं द्वारा किया गया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि बोकारो इस्पात संयंत्र की कार्यबल सक्षमता, निरंतर तकनीकी प्रशिक्षण तथा शॉप-फ्लोर स्तर पर कौशल संवर्धन की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित यह उच्च स्तरीय दक्षता और लगन संयंत्र की परिचालन विश्वसनीयता और उत्पादकता को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की तकनीकी प्रतिष्ठा को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

धनबाद थाना के सामने ऑटो-टोटो चालकों का हंगामा, सड़क पर लेटकर किया जाम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद थाना के गेट के सामने शुक्रवार को ऑटो और टोटो चालकों ने सड़क पर लेटकर विरोध प्रदर्शन किया। चालकों के सड़क पर उतरने से कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई और सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। प्रदर्शन कर रहे चालकों ने ट्रैफिक पुलिस पर अनावश्यक परेशान करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि वाहन के सभी जरूरी कागजात होने के बावजूद ट्रैफिक पुलिस द्वारा जबरन ऑटो-टोटो जब्त किए जा रहे हैं। चालकों का आरोप है कि वाहन जब्त करने के दौरान यह भी स्पष्ट नहीं किया जाता कि किस कागजात की कमी या किस नियम के उल्लंघन के कारण कार्रवाई की जा रही है। वहीं, कई मामलों में जुमार्ना प्रक्रिया पूरी किए बिना वाहनों को दो-तीन दिनों तक थाना में खड़ा रखने की शिकायत भी चालकों ने की। टोटो चालक अर्जुन दास ने बताया कि उन्होंने करीब आठ महीने पहले वाहन खरीदा है और उनके पास सभी कागजात मौजूद हैं। इसके बावजूद उनका वाहन जब्त कर लिया गया। उन्होंने कहा कि अगर कोई कागजात या नियम से संबंधित त्रुटि है तो नियमानुसार फाइन किया जाए, लेकिन वाहन को कई दिनों तक थाना में रखने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com